रांची, शुक्रवार
05.12.2025
वर्ष : 11, अंक : 05 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

सीएम हेमंत सोरेन को समर्पित की तीन पुस्तकें

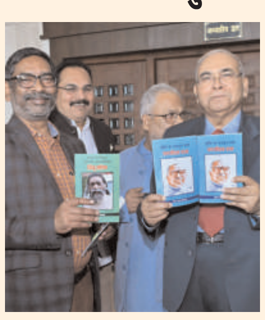

रांची : सीएम हेमंत सोरेन से गुरुवार को झारखंड विधानसभा में राजेंद्र प्रसाद, रमेश चंद्र कैथल एवं नवल किशोर पासवान ने शिष्टाचार मुलाकात की. इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को तीन पुस्तकें सादर समर्पित की. इन पुस्तकों में संघर्षों से निकला एक तप : पूरा व्यक्तित्व- शिबू सोरेन, लाइफ एंड आईडियोलॉजी ऑफ जगजीवन राम तथा मैकू राम- स्मृति ग्रंथ शामिल है.

कैबिनेट की बैठक 8 दिसंबर को

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक आठ दिसंबर को होगी। यह जानकारी गुरुवार को मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने दी। इसमें कहा गया है कि कैबिनेट की बैठक सोमवार को दोपहर दो बजे से या सदन की कार्यवाही समाप्त होने के तुरंत बाद होगी। जानकारी के अनुसार कैबिनेट की बैठक में कई अहम निर्णय लिए जाएंगे।

इंडिगो की लगातार तीसरे दिन देशभर में 300 से ज्यादा उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी बजट एयरलाइन इंडिगो में परिचालन व्यवधान लगातार तीसरे दिन गुरुवार को जारी रहने से 300 से ज्यादा घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया, जबकि कई उड़ानें देर से रवाना हुईं। इस वजह से हजारों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। सूत्रों ने बताया कि आज दोपहर तक नई दिल्ली में इंडिगो की 95, मुंबई में 85, हैदराबाद में 70 और बेंगलुरु में 50 उड़ानें रद्द की गईं। इसके साथ ही अन्य हवाई अड्डों पर भी इंडिगो की उड़ानें रद्द होने और देरी से संचालित होने की बात सामने आई है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि एयरलाइन को पायलटों के लिए नए फ्लाइट-ड्यूटी और रेस्ट-पीरियड के नियमों के चलते अपनी उड़ानों के लिए जरूरी क्रू-मेंबर को जुटाने में लगातार तीसरे दिन मुश्किल हो रही है। इंडिगो की फ्लाइट में चल रही दिक्कतें तब और बढ़ गईं जब पायलटों के एसोसिएशन ने एयरलाइनों पर रेगुलेटर्स पर दबाव बनाने के लिए संकट को बनाने का आरोप लगाया।

स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने बुलाई सर्वदलीय बैठक में विधि व्यवस्था के लिए विशेष चर्चा की उठी मांग

विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र पांच दिसंबर शुक्रवार से शुरू होगा। इसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष एक बार फिर आमने-सामने होंगे। सत्र के सफल संचालन के लिए स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई। इसमें विपक्ष की ओर से कहा गया कि सत्र का एक दिन और बढ़ाकर विधि व्यवस्था पर चर्चा कराई जाए।

इसपर कहा गया है जिस दिन अनुपूरक पर चर्चा होगी, उस दिन दो घंटा इस विषय पर चर्चा के लिए समय दिया जाएगा। इधर बैठक के बाद स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सर्वदलीय बैठक में सभी दलों के नेताओं ने सत्र के सुचारू संचालन में अपनी सहमति दी है। सभी ने सार्थक सत्र के रूप में स्थापित करने और आपेक्षित सहयोग देने की बात कही। ताकि राज्य की साढ़े तीन करोड़ जनता की आस्था विधानसभा के प्रति बनी रहे। उन्होंने कहा कि विधानसभा के परिपाटी के अनुसार, पहले दिन शोक प्रस्ताव होगा। आठ को अनुपूरक बजट पेश होगा। नौ दिसंबर को प्रश्नकाल और व्यय विवरणी पर वाद विवाद होगा। 10 दिसंबर को प्रश्नकाल के साथ विधेयक पेश किए जाएंगे। 11 दिसंबर यानि सत्र के अंतिम दिन अगर विधेयक की संख्या अधिक होगी तो उसे पेश किया जाएगा। गैर सरकारी संकल्प भी रखे जाएंगे।बैठक में मुख्यमंत्री-सह-नेता, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा हेमन्त सोरेन, संसदीय कार्यमंत्री राधा कृष्ण किशोर, नेता प्रतिपक्ष-सह-नेता, भारतीय जनता पार्टी बाबूलाल मराण्डी, सदस्य-सह-नेता, भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस प्रदीप यादव, सदस्य-सह-नेता, राष्ट्रीय जनता दल सुरेश पासवान, प्रतिनिधि, कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) (लिबरेशन) अरूप चटर्जी, माननीय सदस्य जनशक्ति पार्टी (रामविलास) जनार्दन पासवान, माननीय सदस्य आजसू पार्टी निर्मल महतो उपस्थित रहे। झारखण्ड विधान सभा के प्रभारी सचिव रंजीत कुमार एवं उप सचिव, हरेन्द्र साह भी बैठक में उपस्थित रहे।

सत्ता पक्ष की तैयारी पूरी, मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और विधायकों को दिए निर्देश

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र को लेकर सत्ता पक्ष के विधायकों की बैठक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सत्र के एजेंडे, विधायी कार्यों और तैयारी की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही सभी से सत्र में प्रभावी भागीदारी की अपेक्षा जताई। मंत्रियों और विधायकों को सत्र के दौरान अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि शीतकालीन सत्र की तैयारियों को लेकर विशेष चर्चा हुई है। सदन में सत्ता पक्ष को घेरने की विपक्ष की हर कोशिश को तर्कपूर्ण तरीके से नाकाम किया जाएगा। विपक्ष के जनसरोकार से जुड़े सभी सवालों का जवाब सरकार की ओर से दिया जाएगा।

कांग्रेस प्रभारी के राजू ने कहा कि गठबंधन में ऑल इज वेल है। शीतकालीन सत्र के दौरान एक ओर जहां हम अपनी उपलब्धियों की जानकारी सत्र और सदन के माध्यम से देंगे, वहीं उन प्रमुख विषयों को भी उठाएंगे जो मामले झारखंड विधानसभा से पारित कर भेजा गया और उस पर केंद्र की चुप्पी है।

राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि पिछले एक सप्ताह से महागठबंधन और सत्ता में परिवर्तन को लेकर जो कयास लगाए जा रहे थे, वह सभी आज निराधार साबित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह से स्थिर है और विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है।

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान कहा था कि लोकसभा ड्रामा नहीं डिलीवरी की जगह है। उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान भाजपा विधायक भी इस बात का ख्याल रखेंगे।

जेएसएससी-सीजीएल परिणाम आने पर सैकड़ो अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन का जताया आभार

इरादें नेक हों तो हर चीजें बेहतर होती है : हेमंत

बिभा संवाददाता

रांची : अगर इरादें नेक हों तो हर चीजें बेहतर होती है। इसी का परिणाम है है जेएसएससी की संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा के रिजल्ट और नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़ी सारी अड़चनें अब दूर हो चुकी है। हालांकि, इसमें थोड़ा विलंब हुआ, नहीं तो राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में आपके हाथों में भी नियुक्ति पत्र देने की खुशियां हम सभी मनाते। लेकिन, आप सभी को लंबे संघर्ष के बाद मिली सफलता और विजयी होने के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन आज जेएसएससी सीजीएल रिजल्ट जारी कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के बाद ढोल - नगाड़ों के साथ जश्न मनाते मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय पहुंचे सैकड़ों अभ्यर्थियों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य में कुछ ऐसे विरोधी तत्व है जो हर प्रतियोगिता परीक्षाओं को बाधित करने की साजिश रचते रहते हैं। जेएसएससी संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर भी उन्होंने षड्यंत्र रचने का प्रयास किया। मामला उच्च न्यायालय तक पहुंचा। लेकिन, हमारी सरकार ने पूरी निष्पक्षता के साथ इसकी जांच कराई। जिन्होंने इस प्रतियोगिता परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता को दागदार बनाने की साजिश रची, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई हुई। झारखंड उच्च न्यायालय ने भी इसे समझा और आपके ईमानदार प्रयास और भावनाओं को सम्मान देते हुए आपको न्याय दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा पिछले 18 वर्षों में सिविल सेवा की जितनी परीक्षाएं ली गई, उतनी परीक्षाएं हमारी सरकार ने पिछले 5 वर्षों में ही ली है। इतना ही नहीं उस दौरान ली गई जेपीएससी की तमाम परीक्षाओं को लेकर धांधली बरते जाने के मामले सामने आए थे, लेकिन हमारी सरकार में ली गई तमाम परीक्षाएं बेदाग रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के साथ हर कदम पर पूरी मजबूती के साथ खड़ी है। हमारी स्पष्ट सोच है कि जब युवा खुश होंगे तभी हमारा राज्य खुशहाल होगा। यही वजह की तमाम चुनौतियों के बीच युवाओं का भविष्य संवारने का प्रयास निरंतर जारी है।

इस अवसर पर अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों, राज्य सरकार के द्वारा जेएसएससी सीजीएल परीक्षा प्रकरण से जुड़े पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होने से हमें न्याय मिल सका है। हमारे संघर्ष को जीत मिली है तो इसमें मुख्यमंत्री जी का हमें पूरा सहयोग मिला। मुख्यमंत्री जी का दिल से आभार।

हेमंत सोरेन की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई, ईडी को नोटिस

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय में गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई हुई। यह याचिका रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम (मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी) द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दाखिल शिकायत पर लिए गए संज्ञान को चुनौती देने के संबंध में दायर की गई थी।

प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) पर रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम की ओर से लिए गए संज्ञान को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने ईडी को नोटिस जारी करते हुए जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही अदालत ने ट्रायल कोर्ट को यह आदेश दिया है कि 12 दिसंबर को निर्धारित सुनवाई को अगली अदालत के आदेश तक स्थगित रखा जाए।

इस मामले की सुनवाई न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की पीठ में हुई। मुख्यमंत्री सोरेन की ओर से अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा, दीपांकर रॉय और श्रेय मिश्रा ने पक्ष रखा।

दिल्ली पहुंचे पुतिन, मोदी ने किया गर्मजोशी से स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के 23वीं भारत-रूस शिखर बैठक में शामिल होने के लिए आज शाम यहां पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रोटोकॉल को छोड़ कर स्वयं हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

मोदी करीब पौने सात बजे ही पालम वायुसैनिक अड ्डे पर पहुंच गये थे। लगभग सात बजे पुतिन का विमान उतरा। इसके करीब सात बजकर बीस मिनट पर पुतिन विमान से उतरे। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया और फिर गले मिले। हवाई अड्डे पर इस मौके पर भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव, रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार, दोनों देशों के वरिष्ठ राजनयिक एवं सैन्य अधिकारी मौजूद थे। पुतिन ने सबसे हाथ मिलाया। इसके बाद मोदी के साथ भारतीय कलाकारों के एक दल का स्वागत नृत्य का आनंद उठाया।

इसके बाद दोनों नेता एक साथ एक विशेष रूप से तैयार कार में एक साथ बैठकर सात लोक कल्याण मार्ग स्थिति प्रधानमंत्री निवास के लिए रवाना हो गये। जहां दोनों नेताओं के बीच एकांत में वार्ता होगी। मोदी ने पुतिन के सम्मान में एक निजी भोज का भी आयोजन किया है।

भारत एवं रूस के बीच 23वीं शिखर बैठक कल हैदराबाद हाउस में 11 बजकर 50 मिनट पर होगी। दोनों नेता भारत रूस बिजनेस फोरम को भी संबोधित करेंगे। पुतिन कल रात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वाराआयोजित राजकीय भोज में शामिल होने के बाद स्वदेश लौट जाएंगे।

जेपी नड्डा का दो दिवसीय झारखंड प्रवास कल से, कई कार्यक्रमों में करेंगे शिरकत

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा छह दिसंबर, शनिवार से दो दिवसीय देवघर (झारखंड) प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जिनमें बाबा वैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना, नवनिर्मित जिला भाजपा कार्यालय का उद्घाटन और झारखंड प्रदेश कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करना शामिल है।

नड्डा शुक्रवार को देर शाम 07:30 बजे देवघर एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। रात्रि 8:45 में वे राज्य अतिथिशाला, देवघर में झारखंड प्रदेश भाजपा कोर कमिटी के साथ बैठक करेंगे।

छह दिसंबर को बाबा मंदिर में करेंगे पूजा-अर्चना

शनिवार (06 दिसंबर) को सुबह नौ बजे प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ मंदिर, देवघर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके पश्चात वे सुबह 10:00 बजे देवघर में ही नवनिर्मित जिला भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करेंगे।

वे देवघर जिला भाजपा कार्यालय का निरीक्षण भी करेंगे। इसके बाद दिन के 11 बजे जिला भाजपा कार्यालय, देवघर में भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। शाम 04:30 बजे एम्स देवघर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक भी करेंगे।

संसद ने तंबाकू पर उत्पाद शुल्क लगाने के लिए केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद ने गुरुवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित कर दिया, जिसे राज्यसभा ने मंजूरी देकर लोकसभा को वापस भेज दिया। लोकसभा ने बुधवार को ही केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 पास कर दिया था। साथ ही राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित हो गई।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में आज केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए कानून के अलग-अलग पहलुओं पर बात की और अलग-अलग सदस्यों के सवालों के जवाब दिए। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने इससे पहले केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 को विचार के लिए राज्यसभा में पेश किया था।

निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा, ₹पश्चिम बंगाल को इस सरकार ने कभी नजरअंदाज नहीं किया है। असल में यह टीएमसी सरकार है, जो पश्चिम बंगाल के विकास को नुकसान पहुंचा रही है। पश्चिम बंगाल ने जनवरी 2019 में आयुषमान भारत स्कीम से नाम वापस ले लिया। क्या यह बंगाल के लिए अच्छा है इंडस्ट्री पश्चिम बंगाल छोड़ रही हैं।

वित्त मंत्री ने विधयेक पर चर्चा के दौरान सदन को यह भी बताया कि किसानों को तंबाकू छोड़ने और दूसरी कैश क्रॉप्स उगाने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब जीएसटी लागू हुआ, तो तंबाकू और तंबाकू से जुड़े उत्पाद पर टैक्स, सेस के साथ भी हर साल डब्यूएचओ के तय बेंचमार्क तक नहीं पहुंच पाया, जिसका नतीजा है तंबाकू उत्पादों की सामर्थ्य सूचकांक ऊंचा बना हुआ है, जिससे पब्लिक हेल्थ के लक्ष्य कमजोर हो रहे हैं।

सीतारमण ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि 49 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड बीड़ी कामगार हैं। उन्होंने कहा, किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वे तंबाकू को छोड़ कर दूसरी नगदी फसलें उगाएं। आंध्र, बिहार, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, यूपी और पश्चिम बंगाल में ऐसा किया जा रहा है। इन राज्यों में 1 लाख एकड़ से ज्यादा भूमि पर तंबाकू उगाना छोड़ कर दूसरी फसलें उगाई जा रही हैं।₹ श्रम मंत्रालय उनके कल्याण के लिए योजनाएं चला रहा है। उनके लिए अस्पताल और दवाखाने चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब 2017 में वस्तु एवं सेवा कर जीएसटी लाया गया था, तो यह तय हुआ था कि अगर राज्यों का रेवेन्यू एक तय लेवल से नीचे चला जाता है, तो उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तब केंद्र सरकार ने कहा था कि सिर्फ.टोकन के तौर पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क के तहत उन चीजो के लिए बहुत कम रकम इकट्ठा की जाएगी और पूरी रकम जीएसटी मुआवजे में चली जाएगी। क्योंकि ये चीजें 28 फीसदी स्लैब के तहत थीं, इसलिए इसके अलावा, मुआवजा सेस भी इकट्ठा किया गया, जिससे राज्यों की इनकम में बढ़ोतरी हो सके।

शराब घोटाला: आईएएस अमित कुमार को एसीबी का समन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में हुए शराब घोटाला मामले की जांच तेज हो गई है। इसी क्रम में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी और वर्तमान में वाणिज्यकर आयुक्त अमित कुमार को पूछताछ के लिए तलब किया है। एसीबी ने उन्हें गुरुवार को समन जारी किया है, जिसके तहत उन्हें शुक्रवार को जांच में शामिल होना है। माना जा रहा है कि इस पूछताछ से घोटाले से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं।

एसीबी सूत्रों के अनुसार, इससे पहले इस मामले में आईएएस मुकेश कुमार, आईएएस मनोज कुमार, जमशेदपुर के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और रामगढ़ के डीसी फैज अहमद मुमताज से पूछताछ की जा चुकी है।

अबतक की जांच में यह सामने आया है कि जब अमित कुमार उत्पाद विभाग में आयुक्त पद पर थे, उस दौरान विजन और मार्शन नाम की कंपनियों में से एक ने फर्जी बैंक गारंटी प्रस्तुत की थी। इसके बावजूद विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई थी, जिससे अब सवाल उठ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस घोटाले में एसीबी ने पूर्व उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के तत्कालीन सचिव विनय चौबे सहित 13 लोगों पर नामजद एफआईआर दर्ज की है।

उपायुक्त आर रॉनिटा ने की धान अधिप्राप्ति अनुश्रवण समिति की बैठक

जरूरत के अनुसार अतिरिक्त लैम्पस खोलें : डीसी

बिभा संवाददाता

खूँटी । खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के तहत धान अधिप्राप्ति योजना को सफलतापूर्वक संचालित करने के उद्देश्य से समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त आर० रॉनिटा ने जिला स्तरीय धान अधिप्राप्ति अनुश्रवण समिति की बैठक की।

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी भीम उराँव द्वारा खूँटी जिले में 15 लैंप्स केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, ताकि किसानों से सुचारू रूप से धान अधिप्राप्ति की जा सके। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि प्रस्तावित 15 केंद्रों के अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में अतिरिक्त लैंप्स केंद्र भी खोले जाएँ, जिससे किसी भी किसान को अधिप्राप्ति संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि पूर्व वर्षों में किसानों को धान अधिप्राप्ति के बाद किस्तों में भुगतान किया जाता था, किन्तु इस वर्ष से पहली बार सरकार द्वारा एकमुश्त भुगतान करने का प्रावधान प्रस्तावित है। इसके शीघ्र लागू होने से किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और भुगतान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं सरल होगी।

उपायुक्त ने समय पर सभी लैंप्स केंद्रों के अधिष्ठापन, किसानों के अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने तथा सरकार के निदेर्शानुसार धान अधिप्राप्ति कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने पूर्व में हुई धान अधिप्राप्ति के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। इस पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने जानकारी दी कि पूर्व में किसानों से अधिप्राप्त धान का शत-प्रतिशत भुगतान किया जा चुका है। इस बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, मंडल प्रबंधक भारतीय खाद्य निगम रांची, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र खूँटी समेत संबंधित विभागों के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसएसपी ने अपराध नियंत्रण को लेकर की साप्ताहिक समीक्षा बैठक

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आज कार्यालय सभागार में एक अहम समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक (नगर) सहित शहरी क्षेत्र के सभी पुलिस उपाधीक्षक, निरीक्षक और थाना प्रभारियों ने हिस्सा लिया। शहर में बढ़ते अपराधों की रोकथाम और लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर की गई कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक शहर में सक्रिय ड्रग्स पैडलर्स पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट पेश की गई।

विभिन्न थानों द्वारा किए गए छापामारी अभियानों, गिरफ्तार आरोपियों और बरामद मादक पदार्थों की मात्रा की समीक्षा की गई।वरीय पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि नशा कारोबार के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने हेतु खुफिया तंत्र को और मजबूत किया जाए तथा कॉलेज एवं हॉटस्पॉट क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए। अवैध हथियारों के खिलाफ अभियानपिछले सप्ताह में जब्त किए गए हथियारों और गिरफ्तार अपराधियों की जानकारी साझा की गई। अवैध हथियारों की सप्लाई चेन को चिन्हित करने के लिए तकनीकी सेल को भी सक्रिय करने के निर्देश दिए गए। पुलिस को आदेश दिया गया कि हथियार तस्करों पर कार्रवाई में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लंबित कांडों के निष्पादन की समीक्षाथानों में दर्ज लंबित मामलों की प्रगति रिपोर्ट ली गई। गिरफ्तारी वारंटों के निष्पादन, फरार आरोपियों की धर-पकड़ और कोर्ट केसों से संबंधित कार्रवाई पर विशेष ध्यान दिया गया।

वरीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि लंबित मामलों में तेजी लाना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और प्रत्येक थाना प्रभारी इसकी साप्ताहिक निगरानी सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त खबरें

नेशनल लोक अदालत में मोटर वाहन दुर्घटना क्लेम केस का निष्पादन को लेकर बैठक आयोजित

जमशेदपुर(बिभा) । नेशनल लोक अदालत में मोटर वाहन दुर्घटना क्लेम केस का निष्पादन करने को लेकर एडीजे 1 श्री कनक पट्टदार एवं डालसा सचिव श्री धर्मेन्द्र कुमार ने इंश्योरेंस कंपनी के अधिवक्ता और एप्लीकेंट अधिवक्ताओं के साथ न्याय सदन के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक बैठक आयोजित किया। इस बैठक में निर्देश दिया गया कि आगामी 13 दिसंबर को होने वाले नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक मोटर वाहन दुर्घटना से संबंधित क्लेम केसों का निपटारा किया जाए, ताकि दुर्घटना में पीड़ित लाभुकों को त्वरित और सुलभ न्याय मिल सके तथा पीड़ित परिवार को सम्मान जनक उचित मुआवजा भी दिलाया जा सके ।

सिनू को गर्दन धड़ से अलग कर अपराधियों ने मौत की घटना को दिया अंजाम

खूँटी(बिभा) । जिले के मुरहू थाना क्षेत्र अन्तर्गत इट्ठे और मेराल गाँव के सीमाक्षेत्र से बुधवार को खेतों के किनारे एक नाला में गड्ढा से मिट्टी में दबा हुआ सिरकटा शव बरामद किया गया। युवक की पहचान इट्ठे गाँव निवासी 22 वर्षीय सिनू पूर्ति के रुप में की गयी है। मुरहू पुलिस ने बुधवार को नाले के पास गड्ढा खोदकर उसमें दबा सिर बरामद किया और कुछ ही दूरी पर धड़ भी मिला। जिसे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव का अन्त्यपरिक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया। साथ ही अनुसंधान में जुट गया है। मृतक सिनू पूर्ति की बहन ने बतायी कि उसका बड़ा भाई सिनू एक दिसम्बर की शाम को अपने रिश्तेदारों के साथ बगझग हुई थी। जिसके बाद उसके परिजनों ने सिनू का वस्त्र बगझग वाले स्थान पर देखा था। फिर दूसरे दिन थाना जाकर मामला दर्ज कराया था। जिसके अनुसंधान करते हुए पुलिस ने गांव से लगभग एक किमी दूर खेतों के बीच के नाले के पास गड्ढा से शव बरामद किया और दूसरे जगह पर धड़ बरामद किया है। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । बता दें कि खूँटी में हत्याओं का दौर जिस प्रकार चल रहा है लोग बेखौफ हत्याकांड को अंजाम देने से बाज नहीं आ रहे हैं। वहीं आये दिन हत्या हो रही है। और अपराध का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है, क्योंकि खूँटी जिले में हाल के दिनों में हत्या की घटनाएँ लगातार बढ़ती जा रही हैं। अपराधियों के बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देने से ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है। पुलिस मामले की जाँच में जुटी हुई है और आरोपितों की तलाश जारी है।

डोयंगेर सरना टोली में आम के पेड़ में गमछा के सहारे फांसी लगाकर किशोरी ने किया आत्महत्या

रनिया(बिभा) । थाना क्षेत्र के डोंयगेर सरना टोली निवासी लगभग 17 वर्षीय किशोरी अलविना कण्डुलना ने अपने घर के नजदीक सड़क किनारे आम के पेड़ में गमछा के सहारे गले में फाँसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। गुरुवार 04 दिसंबर के सुबह 6 के आसपास पेड़ में झूलता हुआ शव देखकर स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी अल्बीना के परिजन और स्थानीय पुलिस को दिया। घटना की जानकारी देते हुए मृतक अल्बीना के पिताजी ने बताया कि बुधवार की रात खाना खाकर सभी लोग अपने-अपने कमरे में सोने के लिए चले गए। बृहस्पतिवार को सुबह में देखें कि उसका कमरा खुला हुआ था फिर कुछ ही देर बाद गांव के लोगों से ही पता चला कि अलविदा का शव घर से कुछ ही दूरी पर सड़क के किनारे आम के पेड़ से लटकता हुआ मृत अवस्था में देखा गया। उसने बताया कि आखिर ऐसा कैसे हुआ इस बात का समझ में नहीं आ रहा है। मैं एक गरीब किसान हूँ और मेरा एक बेटा है वह भी दिमाग से थोड़ा कमजोर है और यही एक बेटी थी जो चल बसी। पुलिस घटनास्थल पहुंचकर घटना की जानकारी अल्बीना के परिजनों से लिया और शव को खूंटी के सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अल्बीना का परिजनों के आवेदन पर रनिया थाना में सनहा दर्ज किया है। किशोरी के फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का खुलासा नहीं हो सका है।

किसान के घर में आग लगने से सारा सामान जलकर हुआ राख

खूँटी(बिभा) । जिले के मुरहू थाना क्षेत्र अन्तर्गत हेठगोवा गाँव में वृहस्पतिवार को एक घर में आग लग जाने से पूरा घर जलकर राख हो गया। घर के अंदर रखा सार सामान जल गया। ग्रामीण किसान दुंदी पूर्ति के घर में कोई उस समय नहीं था । घर में ताला बंद था। वहीं बाहर से लोगों ने देखा कि घर के अंदर से धुआँ निकल रहा था। और देखते ही देखते आग विकराल रूप ले लिया। जिससे दुंदी पुर्ती का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। जिससे घर में रखे सारा सामान, रुपए, गहने जेवर सहित सारा जल गया। सूचना मिलते ही मुखिया जगमोहन पुर्ती मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी देने के साथ ही ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। तालाब में दो बड़े पंपसेट व अन्य मोटरों की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक घर का सारा सामान जल चुका था।

मोबाईल में लगी आग से पूरा दुकान जलकर राख, 20 लाख रुपए की क्षति

फायर ब्रिगेड की तत्परता से अगल-बगल के दुकान जलने बचा

बिभा संवाददाता

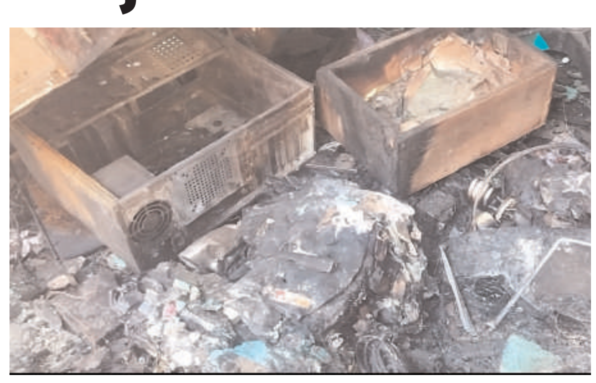

खूँटी । नगर पंचायत क्षेत्र के कर्रा रोड स्थित शिवाजी चौक के पास एक मोबाईल दुकान में बुधवार की रात आग लग जाने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया। शिवाजी चौक पर जी टेलिकॉम एण्ड न्यू मोबाईल वर्ल्ड नाम का मोबाइल दुकान को उसके संचालक गोविंद कश्यप ने दुकान बंद करके घर चला गया था । लोगों ने मोबाइल का बैटरी का फटने की आवाज सुनी और नजदीक आया तो देखा कि शटर के अंदर दुकान में आग लगा हुआ था। धुआं बाहर निकल रहा था। इतने में लोगों ने दुकान संचालक को बुलाया और घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही दुकानदार गोविंद कश्यप को पड़ोसियों ने दिया । लेकिन घटना स्थल पर पहुंचने तक में पूरा दुकान जलकर राख हो चुका था। वहीं प्रशासन और अग्निशमन विभाग पहुँचकर आग को बुझा पाने में सफलता पायी। जिसके कारण शिवाजी चौक के आस-पास अगल-बगल और उपर की दुकान जलने से बच गया। मोबाईल दुकानदार गोविंद महतो ने बताया कि घटना लगभग साढ़े ग्यारह बजे की है । दूकान जल जाने से 20 लाख रुपए की क्षति हो गयी और पूरा दुकान जलकर राख हो गया। लेकिन जल्द ही फायरबिग्रेड वाहन सही समय पर आ जाने के कारण अगर बगल की दुकान जलने से बच गया। पड़ोस दुकानदार ने बताया कि रात को आग लगी थी तो हमलोग डर गये थे कि कहीं और दुकान जल जाता तो काफी समस्या हो जाती लेकिन अन्य दुकान में आग लगने से पहले ही जलते आग को बुझा लाया गया।

दिव्यांगों के बीच आजसू नेता हरे लाल महतो ने कंबल वितरण किया

बिभा संवाददाता

चांडिल : अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर कुकडू हाट तोला में विकलांग संरक्षण समिति द्वारा वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरे लाल महतो शामिल हुए। साथ ही पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष सह आजसू केंद्रीय सचिव अशोक साव उर्फ. माझी साव, समिति के अध्यक्ष अरुनेन्द्र नारायण सिन्हा, पूर्व शिक्षक वैद्यनाथ महतो, आजसू प्रखंड अध्यक्ष अरुण महतो, बादल महतो, सुनील महतो, बांकीम महतो एवं कृष्णा पोद्दार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस मौके पर हरे लाल महतो ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं, परंतु झारखंड सरकार द्वारा उन्हें पर्याप्त सम्मान एवं सुविधाएँ उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं, जो अत्यंत निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि एक सामान्य व्यक्ति की तुलना में दिव्यांगजन अधिक संरक्षण और सुविधाओं के हकदार हैं। महतो ने उपस्थित दिव्यांगों से आग्रह किया कि वे स्वयं को कभी भी अक्षम न समझें, क्योंकि मजबूत इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प से वे समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने राज्य सरकार से दिव्यांगजन पेंशन को बढ़ाकर प्रतिमाह 5,000 रुपये किए जाने की मांग भी रखी। ठंड के मौसम में दिव्यांगजन सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करते हैं, इसलिए उन्हें राहत प्रदान करने के उद्देश्य से कंबल वितरण किया गया।

झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज के लिए रामगढ़ के दो छात्र चयनित

रामगढ़। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद स्थित नरेश वशिष्ठ सेंटर फॉर टिंकरिंग एंड इनोवेशन की ओर से रामगढ़ जिला के पीएम श्री उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय मनुवा के दो छात्रों का चयन झारखण्ड स्कूल इनोवेशन चैलेंज के लिए किया गया है। दोनों विद्यार्थियों की ओर से विगत 01 दिसम्बर 2025 को ऑनलाइन प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपना मॉडल दिखाया था। पूरे राज्य भर में सैकड़ों स्कूलों ने अपना प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। जिसमें पीएम श्री उच्च विद्यालय मनुवा के फैजान इराकी ने फायर डिटेक्शन सिस्टम और इब्राहिम और आर्यन कुमार ने स्मार्ट डस्टबीन का मॉडल बनाकर मिसाल प्रस्तुत किया हैं। फाईनल प्रस्तुति और मॉडल का प्रदर्शन 05 और 06 दिसम्बर 2025 को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में होगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए बल्कि पूरे रामगढ़ जिले के लिए गर्व का क्षण है। हमारे जिले के बच्चों में बहुत हुनर है। बस उन्हें प्लेटफार्म देने की आवश्यकता है। प्रधानाध्यापक सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि हमारे बच्चे इस मॉडल को तैयार करने में बहुत परिश्रम किए हैं।

सामुएल को अगवा करनेवाले दो लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू थाना क्षेत्र के तोनेर गाँव निवासी सामुएल सोय मुरुम को अगवा करनेवाले दो लोगों को पुलिस ने चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। जिन्होंने विगत 29 नवम्बर को जब सामुएल घर से रुट प्योर ऑफीस जाने के लिए निकला था तो उसे दो लोग अपहरण कर लिये थे। जिसमें एक व्यक्ति रांची जिले के लापुंग थाना क्षेत्र अन्तर्गत गरई गाँव का निवासी अजय होरो और दूसरा कर्रा थाना क्षेत्र के जुरदाग निवासी मंगल तिरु है। जिन्होंने सामुएल सोय मुरुम को छोड़ने के बदले सात लाख रुपए फिरौती मांगी थी।

जिसपर सामुएल की पत्नी मंजू गुड़िया ने एक दिसंबर को मुरहू पुलिस को सूचना दी थी कि उसका पति 29.11.2025 को १ङ्खङ्ख३ स्त्र४१ी ऑफिस खूंटी जाने की बात कहकर घर से निकला था, जो अब तक घर नहीं लौटा है उक्त सम्बन्ध में मुरहू थाना में सनहा दर्ज कर जाँच शुरू किया गया। जाँच के क्रम में गाँव वालों से पूछताछ एवं तकनीकी साक्ष्य का अवलोकन से ये बात संज्ञान में आया कि कुछ अज्ञात लोग समुवेल सोय मुरूम को अपहरण कर लिए हैं और छोड़ने के एवज में 7,00,000/- रूपया का मांग कर रहे है। रकम नहीं देने पर जान से मार देंगे। इसके आधार पर थाना स्तर पर एक टीम गठित कर कार्रवाई शुरू किया गया। इसी आधार पर अग्रिम जाँच के क्रम में 03.12.2025 को तकनीकी साक्ष्य के आधार पर जुरदाग जंगल से दो व्यक्ति को सशस्त्र बल के सहयोग से दौड़ाकर पकड़ लिया गया। पकड़ाये दोनों व्यक्तियों के पास से 02 मोबाइल फोन, 01 चाकू और समुवेल सोय मुरुम का मोटरसाइकिल बरामद किया गया। उनके ही निशानदेही पर समुवेल सोय मुरूम को सकुशल बरामद किया गया। जिसके आधार पर मुरहू थाना कांड संख्या- 68/25 दिनांक-03/12/25 धारा-140 (2)/3 (5) इठर दर्ज किया गया। इस छापामारी दल में वरुण रजक (अनु०पु० पदा), किशुन दास (पु० नि० खूंटी अंचल), पु०अ०नि० नायल गोडवीन केरकेट्टा (मुरहू थाना प्रभारी), पु-अ-नि कंचन कुमार कुशवाहा, व मुरहू थाना के सशस्त्र बल आदि शामिल थे।

विश्व दिव्यांगता दिवस पर समाहरणालय में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी रहे मौजूद

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर । जिला प्रशासन, पूर्वी सिंहभूम एवं जिला सामाजिक सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा आज विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर समाहरणालय स्थित सभागार में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. इरफान अंसारी, मंत्री, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण, खाद्य आपूर्ति तथा आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड सरकार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी, उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, उप विकास आयुक्त नागेन्द्र पासवान, सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल समेत अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में अधिकारियों, दिव्यांगजन प्रतिनिधियों, डालसा के अधिकार मित्र , सामाजिक संस्थाओं तथा स्वयंसेवी संगठनों ने भाग लेते हुए दिव्यांगजन-हितैषी नीतियों, अवसरों एवं सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री अंसारी द्वारा 10 दिव्यांगजनों के बीच ई ट्राई साइकिल का वितरण किया गया तथा विभिन्न खेल में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व के लिए दिव्यांगजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया । वहीं स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि समाज तभी प्रगतिशील माना जा सकता है जब दिव्यांगजनों के लिए समावेशी वातावरण, समान अवसर और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित हो। इसी दिशा में राज्य की सरकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को तेजी से लागू कर रही है । उन्होने दिव्यागों के लिए परसेंटेज की सीमा समाप्त करने की भी घोषणा की , ताकि सभी दिव्यागों को पेंशन का लाभ मिल सके । उन्होंने कहा कि सरकार सभी वर्गों के कल्याणार्थ कार्य कर रही है। इस दौरान डाक्टर दीपक कुमार एवं जिला सामाजिक सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिव्यांगता के प्रकार की जानकारी, सहायता प्रावधानों तथा तकनीकी सहयोग से जुड़े विषयों पर भी जागरूक किया गया ।

खूंटी में लावारिस कुत्तों का आतंक, खूंखार झुंडों से दहशत में राहगीर

बिभा संवाददाता

खूँटी। शहर में इन दिनों लावारिस कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बाजार हो या सड़कें - हर जगह कुत्तों के झुंड लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। हालत यह है कि रोजाना कई लोग कुत्तों के काटने के बाद सदर अस्पताल पहुँच रहे हैं। न्यायालय के निर्देशों के बावजूद अब तक कुत्ता पकड़ने की कोई व्यवस्था शुरू नहीं की गई है।

खूँटी शहर की गलियों, सब्जी बाजार, गुदड़ी और डाक-बंगला रोड जैसे इलाकों में कुत्तों के झुंड हर समय घूमते दिखाई देते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मांस और मछली की दुकानों के आसपास मिलने वाली हड्डियों और मांस के टुकड़ों का स्वाद कुत्तों को चस्के की तरह लग चुका है, जिससे वे पहले से ज्यादा आक्रामक होते जा रहे हैं। महिलाओं और बच्चों में इन कुत्तों को लेकर दहशत का माहौल है, और कई राहगीर तो अचानक सड़क पार करने से भी डरते हैं।

इसी क्रम में शहर की नीरा हस्सा नामक महिला उस समय घायल हो गई, जब बैंक के पास से गुजरते वक्त एक कुत्ता अचानक दौड़कर आया और उसके पैर में काट लिया। कुत्ते ने उसकी साड़ी भी फाड़ दी। किसी तरह सुरक्षित बचकर वह अस्पताल पहुंची, जहां उसे एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाया गया। वहीं राहगीर भोंज नाग ने बताया कि ह्लशाम होते ही कुत्ते झुंड बनाकर दौड़ाने लगते हैं। रोज हम डर के साए में घर लौटते हैं।ह्व शुक्रवार को ही तीन लोगों पर कुत्तों ने हमला कर उन्हें घायल कर दिया।

सदर अस्पताल के रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले दिनों में कुत्ते के काटने के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हुई है। अस्पताल पहुंचने वालों को एंटी-रेबीज टीका लगाने के लिए रोज लाइन लगानी पड़ रही है। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. आनंद किशोर उराँव ने बताया कि ह्लकुत्ते के काटने से आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ी है। लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शहर में अब तक न तो कुत्ता पकड़ने की व्यवस्था बनी है और न ही नगरपालिका के पास डॉग कैचर टीम। प्रशासनिक लापरवाही के कारण स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। लोगों की सुरक्षा खतरे में है और आमजन प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

क्या कहता है कानून?

- सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट ने नगर निकायों को निर्देश दिया है कि शहरों में लावारिस कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण के लिए डॉग कैचर टीम, वैक्सीनेशन, और स्टरलाइजेशन अभियान चलाना अनिवार्य है।
- नगर निकाय को कुत्तों को चोट पहुँचाए बिना सुरक्षित पकड़ने, ट्रीटमेंट, और शेल्टर होम की व्यवस्था करनी होती है।
- अदालत ने स्पष्ट कहा है कि यदि कुत्तों के कारण नागरिकों की सुरक्षा खतरे में आए, तो प्रशासन पर तुरंत कार्रवाई की जिम्मेदारी बनती है।

खूंटी में है इसका अभाव

- स्टरलाइजेशन अभियान का अभाव
- नगरपालिका में डॉग कैचर टीम नहीं
- बाजारों के भीड़-भाड़ इलाके में मीट मछली मुर्गा मांस आदि की दुकानों का होना।

लावारिस कुत्तों से सुरक्षा के लिए संभावित समाधान

- नगर परिषद द्वारा तत्काल डॉग कैचर टीम की तैनाती
- कुत्तों का वैक्सीनेशन और स्टरलाइजेशन अभियान
- बाजारों में मांसझ्रमछली की दुकानों पर सख्त निगरानी
- कचरे के निपटान और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करना।

दहेज में नहीं मिले दो लाख , तो पत्नी को घर से निकाला

रामगढ़। रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत ढुटुआ गांव में दहेज के लिए एक विवाहिता को घर से निकाल दिया गया। ससुराल वालों के जरिये विवाहिता को प्रताड़ित करने के मामले में रामगढ़ महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीड़िता लाड़ली परवीन के बयान पर ससुराल के पांच सदस्यों पर प्राथमिकी दर्ज हुई है। गुरुवार को महिला थाना प्रभारी वीणा कुमारी ने बताया कि रामगढ़ थाना क्षेत्र के हेसला गांव निवासी लाड़ली परवीन की शादी छह अप्रैल 2019 को ढुटुआ निवासी सरफराज अहमद के साथ हुई थी। शादी के दौरान दहेज में नगद और कई सामान दिए गए थे। शादी के कुछ दिनों बाद ही दोबारा ससुराल वालों ने दो लाख रुपये नगद की मांग रख डाली। लाड़ली परवीन ने बताया कि दो लाख रुपये नहीं देने की वजह से ससुराल वालों की ओर से उसके पति के जरिये उसके साथ मारपीट भी की गई। साथ ही उसे प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया गया। महिला थाने में लाड़ली परवीन के पति सरफराज अहमद, ससुर अब्बास अंसारी, भैसूर मन्नान अंसारी, शमशाद अंसारी और देवर जावेद अंसारी को आरोपित बनाया गया है। पुलिस ने उन लोगों के खिलाफ (कांड संख्या 21/25) दर्ज किया है।

स्वास्थ्य विभाग 131 करोड़ की लागत से डोरंडा में बननेवाले नए भवन में होगा शिफ्ट

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने वर्तमान नेपाल हाउस स्थित स्वास्थ्य विभाग को पुराने स्वास्थ्य सामुदायिक भवन डोरंडा भवन को फिर से निर्माण करते हुए वहीं पर नई जगह शिफ्ट करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही नेपाल हाउस में मौजूद स्वास्थ्य विभाग झारखंड सरकार का कार्यालय डोरंडा के इस नए भवन में शिफ्ट हो जाएगी। 131 करोड़ रुपये की लागत से बननेवाले इस नए अत्याधुनिक स्वास्थ्य भवन में सचिवालय, निदेशालय (डायरेक्टरेट) के साथ-साथ विभागीय कार्यालय को भी स्थानांतरित किया जाएगा। यही से स्वास्थ्य विभाग कार्यालय पूरी तरह से संचालित होगी। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में नेपाल हाउस में गुरुवार को हुई बैठक में यह अहम फैसला लिया गया। बैठक में सचिव अजय सिंह ने निर्देश दिया कि इसपर तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाए ताकि काम शीघ्र शुरू हो सके।

इसके अलावे बैठक में धनबाद और जमशेदपुर के मेडिकल कॉलेजों में बड़े स्तर पर विस्तार करते हुए यहां यूजी, पीजी और सुपर स्पेशियलिटी सीटों में बढ़ोतरी करने का भी निर्णय लिया गया है। यहां नए हॉस्टल व 450 बेड का अस्पताल तैयार होगा।

बैठक में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि विभिन्न पीजी हॉस्टल को ओपीडी के रूप में तैयार किया जाए।

विभाग के अनुसार शहीद निर्मल महतो मेमोरियल कॉलेज अस्पताल धनबाद में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही यहां अब कॉलेज में 100 की जगह 250 अंडरग्रेजुएट (एमबीबीएस) सीटों की व्यवस्था होगी।

स्वास्थ्य विभाग बढ़े हुए छात्रों के लिए सभी सुविधाओं की व्यवस्था करेगा। इसी कड़ी में 450 बेड के नए अस्पताल भवन के निर्माण की योजना बनाई है, जिसमें पुराने अस्पताल की मरम्मत, इमरजेंसी ब्लॉक का उन्नयन और एकेडमिक ब्लॉक की मरम्मत जैसे कार्य शामिल है। बढ़ी हुई सीटों के अनुसार सभी मेडिकल सुविधाओं को भी बढ़ाया जाएगा।

विभाग की माने तो होस्टल का निर्माण एनएमसी गाइडलाइन के अनुसार एनएमसी के मानकों के अनुरूप नए हॉस्टलों का निर्माण होगा, जिनमें यूजी छात्रों, पीजी छात्रों, जूनियर रेजिडेंट, सीनियर रेजिडेंट, नर्सिंग स्टाफ के लिए अलग-अलग रहने की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही यहां इनडोरझआउटडोर खेलकूद की भी व्यवस्था होगी।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि वर्तमान में अस्पताल नॉर्थ और साउथ कैंपस में विभाजित है। दोनों को एक रैंप से जोड़ा जाएगा। विभाग के अनुसार पूरे निर्माण कार्य में 700 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

बैठक में उन्होंने धनबाद के साथझसाथ जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में भी सुधार करने और सीटों में विस्तार की घोषणा की गई। कॉलेज में 250 यूजी सीटें सीटें होंगी। बैठक में इसके साथ ही अपर मुख्य सचिव ने कहा कि 150 पीजी सीटें और 30 सुपर स्पेशियलिटी (पोस्ट-पीजी) सीटें भी उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने विभागीय निर्णय अनुरूप अस्पताल में बेड बढ़ाने, हॉस्टल निर्माण और सभी सुविधाओं को दुरुस्त करने का भी निर्देश दिया। बैठक में कई अधिकारी पदाधिकारी मौजूद थे।

मंत्री शिल्पी और सुदिव्य ने रांची में छात्रावास विस्तारीकरण योजना का किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री तथा पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने गुरुवार को इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) रांची परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सभागार सह कार्यकारी विकास केंद्र और बालिका छात्रावास विस्तारीकरण योजना का संयुक्त रूप से शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया। कार्यक्रम के दौरान दोनों मंत्रियों ने संस्थान के विकास और राज्य के युवाओं के कौशल उन्नयन को लेकर महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मांडर कॉलेज को छोटानागपुर स्टडीज एंड रिसर्च सेंटर के रूप में विकसित करने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि मांडर क्षेत्र के छात्रों ने स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा और विशेषकर झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, इसलिए इस दिशा में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को गंभीरता से पहल करनी चाहिए।

वहीं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर अपनी संस्कृति, परंपरा और विशिष्ट भोजन शैली के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि आईएचएम से जुड़कर युवा न सिर्फ आतिथ्य क्षेत्र की आधुनिक तकनीक सीख रहे हैं, बल्कि इस क्षेत्र में करियर बनाने की नई संभावनाओं का मार्ग भी प्रशस्त कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि झारखंड अपनी भाषा, संस्कृति और संघर्षपूर्ण इतिहास के कारण विशिष्ट पहचान रखता है। पहले आतिथ्य क्षेत्र में रोजगार सीमित था, लेकिन अब आईएचएम जैसे संस्थानों से युवाओं के लिए अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। पर्यटन मंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि पर्यटन विभाग आईएचएम के विकास में कोई बाधा नहीं आने देगा और सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ठोस योजनाओं पर काम कर रही है।

कार्यक्रम में आईएचएम के प्रिंसिपल डॉ. भूपेश कुमार, आनंदित भारद्वाज, प्रखंड अध्यक्ष मंगा उरांव, शमीम अख्तर, आबिद अंसारी, बंधु टोप्पो, इमरोज, विजय तिर्की, विनोद भगत, सुरेश उरांव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड की लगातार पांचवीं जीत

रांची(बिभा) : अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम ग्राउंड ए में खेले जा रहे सैयद मुस्ताक अली ट्रॉफी में आज झारखंड ने उत्तराखंड को 7 विकेट से हरा कर टूनार्मेंट में अपनी पांचवीं जीत दर्ज की पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तराखंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 150 रन बनाए टीम के लिए कुणाल चंदेला ने 42 गेंदों पर 55 रन बनाए अवनीश सुधा ने 32 रनों का योगदान दिया। झारखंड के लिया अनुकूल रॉय ने 20 रन देकर 3 विकेट और सुशांत मिश्रा ने 28 रन देकर 2विकेट प्राप्त किए। जवाबी पारी खेलने उतरी झारखंड की टीम ने 16.1 ओवरों में 3 विकेट खोकर 152 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम के लिए विराट सिंह ने नाबाद 43* रन , उत्कर्ष ने 41, कुशाग्र 31 और कप्तान ईशान किशन ने 21 रन अनुकूल रॉय ने नाबाद 16*रन का योगदान दिया। अवनीश सुधा को 2 विकेट प्राप्त हुआ। अनुकूल रॉय को उनके ऑल राउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

सीएमपीडीआई में अंतर-क्षेत्रीय संस्थान वॉलीबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

रांची(बिभा) । सीएमपीडीआई के खेल मैदान में तीन दिवसीय अंतर-क्षेत्रीय संस्थान वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान के निदेशक शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/ईएस) राजीव कुमार सिन्हा एवं अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के विशेष कार्यभार अधिकारी (ओएसडी) चौधरी शिवराज सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और सर्विस प्रदान कर टूनार्मेंट का उद्घाटन किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए अतिथियों ने टीम वर्क, अनुशासन और फिजिकल फिटनेस को बढ़ावा देने में खेलों की भूमिका पर प्रकाश डाला और सभी प्रतिभागियों को ईमानदारी और उत्साह के साथ प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर सभी खिलाड़ियों ने खेल भावना और निष्पक्ष खेल को बनाए रखने की शपथ भी ली। उद्घाटन सत्र में पहला मुकाबला क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर बनाम क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के बीच हुआ जिसमें क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची ने क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर को पराजित किया। दूसरे मैच में क्षेत्रीय संस्थान-1-आसनसोल ने क्षेत्रीय संस्थान-6-सिंगरौली को हराया। तीसरा मैच मुख्यालय-रांची बनाम क्षेत्रीय संस्थान-2-धनबाद के बीच खेला गया जिसमें मुख्यालय-रांची की टीम ने क्षेत्रीय संस्थान-2-धनबाद को पराजित किया जबकि चौथे मैच में क्षेत्रीय संस्थान-4-नागपुर ने क्षेत्रीय संस्थान-5-बिलासपुर को हराया। इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट में मेजबान टीम सीएमपीडीआई (मुख्यालय)-रांची सहित सभी क्षेत्रीय संस्थान की टीमें शामिल हैं, जिसका उद्देश्य संगठन के भीतर एकता, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की संस्कृति को मजबूत करना है।

खिजरी में पंचायत के कांग्रेस पदाधिकारियों एवं बीएलए का सम्मेलन का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची/नामकुम : खिजरी विधानसभा स्तरीय ग्राम पंचायत कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारियों एवं बीएलए का सम्मेलन खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप के आवासीय कार्यालय परिसर लुपुंगटोली में किया गया। खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप ने सम्मेलन में उपस्थित सभी आये हुए अतिथि एवं खिजरी विधानसभा क्षेत्र के कर्मठ कार्यकताओं का स्वागत किया। कहा कि हमारे खिजरी विधानसभा क्षेत्र के एक एक कार्यकर्ता बहुत मेहनत करते हैं। सम्मेलन के मुख्य अतिथि के. राजू, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के स्थाई आमंत्रित सदस्य सह झारखण्ड प्रभारी ने कहा कि गांवों की समस्या को ग्राम पंचायत के कमिटी के पदाधिकारियों को मिल कर करना है। प्रत्येक महिना बीएलए को ग्राम पंचायत की बैठक रखना होगा। बैठक में महिलाओं की समस्या, मनरेगा की समस्या को चर्चा करके आपके विधायक राजेश कच्छप से मिलकर समाधान करना होगा। झारखण्ड में भी भारतीय जनता पार्टी एसआईआर के द्वारा वोटर को रोकने का काम कर रहे हैं। सभी बीएलए को प्रशिक्षण देंगे ताकि आपको कहीं कोई दिक्कत ना हो।

सम्मेलन में उपस्थित सह प्रभारी सिरिबेला ने कहा कि केंद्र के भारतीय जनता पार्टी ने बिहार में 69 लाख लोगों को वोट का अधिकार खत्म किया। झारखण्ड में भी यही करने जा रहा है जो एसएआर को लाया है। लोकतंत्र को खत्म करने लगा हुआ है। बुथ में वोटर का हक खत्म करने का कोशिश कर रहा है। इसके लिए आपको सचेत रहना होगा। इसी का लड़ाई हमारे नेता राहुल गांधी ने लड़ रहा है। झारखण्ड सरकार के मंत्री डा. इरफान अंसारी ने कहा कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी के लोग कांग्रेस पार्टी के कार्यालय को तोड़ फोड़ कर रहा है। आज भारतीय जनता पार्टी के लोग लोकतंत्र को समाप्त करने लगे हुए हैं। सभी बीएलए को एक रहना होगा आपको ही बुथ संभालना होगा। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि सभी बीएलए, प्रखण्ड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्षों को अपने अपने घर 28 दिसंबर को झंडा लगाना होगा। 14 दिसंबर को अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली के राम लिला मैदान जाने का आवाहन किया। कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने कहा कि कांग्रेस के कारण ही देश को मजबूत संविधान मिला है। आज भारतीय जनता पार्टी के लोग देश लोकतंत्र को खत्म करने में लगा है। कांके विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश बैठा ने सभा संबंधित करते हुए कहा कि सभी बीएलए को एक जूट रह कर काम करना है। आपको अपने क्षेत्र में बड़ी ज़िम्मेदारी मिला है।

एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में गुरूवार को डॉ असीम कुमार मांझी के अध्यक्षता में एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग एवं महिला एवं समाज कल्याण विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी के साथ स्वास्थ्य विभाग से जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह,जिला कार्यक्रम समन्वयक प्रीति चौधरी, क्षेत्रीय समन्वय श्वेता वर्मा समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान डॉ असीम कुमार मांझी ने बताया कि हमारे राज्य में एनीमिया एक गंभीर जन स्वास्थ्य चुनौती है। यहां हर समूह के लोग एनीमिया से पीड़ित हैं इसलिए इस समस्या को रोकने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के कारण बच्चों का शारीरिक एवं बौद्धिक विकास बाधित होता है। इसीलिए समय पर सभी बच्चों को आयरन और फोलिक एसिड की टेबलेट दी जानी जरूरी है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह ने स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्र में उपलब्ध कराए गए आयरन ब्लू और पिंक के साथ-साथ गर्भवती माता को उपलब्ध कराए जा रहे लाल आयरन टेबलेट के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया कि राज्य भर में तकरीबन 67% बच्चे एनीमिया से ग्रसित है वहीं 55% गर्भवती महिला एनीमिया से ग्रसित है। आयरन टेबलेट लेने के साथ-साथ हम अपने रहन-सहन के तौर तरीके में बदलाव करके भी एनीमिया को खत्म कर सकते हैं।

सीसीएल द्वारा नए श्रम संहिता पर आयोजित दो दिवसीय जागरूकता सत्र का हुआ सफल समापन

बिभा संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा 21 नवंबर, से लागू हुई नई श्रम संहिताओं पर दो दिवसीय जागरूकता सत्र का सफल आयोजन सीसीएल के गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर में आज सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एम. एफ. हक ने मुख्य वक्ता पूर्व मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय) नई दिल्ली, डॉ. ओंकार शर्मा सहित महाप्रबंधक (आईआर) प्रतुल कुमार, महाप्रबंधक (वेलफेयर) एस. के. ठाकुर, महाप्रबंधक (मैनपावर) श्रीमती काविता गुप्ता तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम विशेष में डॉ. ओंकार शर्मा, जो श्रम संहिताओं के ड्राफ्ट कमेटी के सदस्य भी रह चुके हैं, द्वारा श्रम कानूनों पर उनकी गहन विशेषज्ञता कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही।

डॉ. शर्मा ने सभी चार श्रम संहिताओं के प्रावधानों को सरल, स्पष्ट और सहज भाषा में समझाया, जिससे प्रतिभागियों को विषय का व्यापक ज्ञान प्राप्त हुआ।

वहीं, निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि सीसीएल अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को बदलते श्रम परिदृश्य के अनुसार आवश्यक ज्ञान और कौशल उपलब्ध कराने के लिए भविष्य में भी इसी प्रकार के जागरूकता एवं क्षमता संवर्धन कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करता रहेगा, ताकि संगठन में और अधिक सक्षम, पारदर्शी तथा सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके।

सत्र में कुल 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें जेसीएससी सदस्य, वेलफेयर बोर्ड सदस्य, सेफ्टी बोर्ड सदस्य तथा सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों के एरिया कंसल्टेटिव कमेटी के ट्रेड यूनियन प्रतिनिधि शामिल थे।

निर्विरोध चुने गए झामुमो वार्ड नम्बर 7 के अध्यक्ष श्याम गाड़ी

रांची : झामुमो वार्ड नम्बर 7 का सम्मेलन गाड़ी गांव के मंडा टांड़ में केन्द्रीय सदस्य और महानगर संयोजक अन्तु तिर्की की अध्यक्षता में किया गया। सम्मेलन में झामुमो वार्ड नं 07 का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष - श्याम गाड़ी उपाध्यक्ष - रीना देवी, राधा देवी, दिनेश नायक, राजू कच्छप, रोहित ठाकुर, सीता देवी । सचिव - अभय रोशन तिग्गा। सह सचिव - रामाधार यादव, सुनीता देवी, पिंटू नायक, दीपक लोहरा। कोषाध्यक्ष - विकास कुमार गोप। संगठन सचिव - अनिल अशोक टोप्पो एवं कमल उरांव निर्विरोध चुने गए। मौके पर केंद्रीय सदस्य, जिला एवं महानगर संयोजक अश्विनी शर्मा, केंद्रीय सदस्य जिला संग महानगर संयोजक - डॉ हेमलाल कुमार मेहता हेमू सहित कई लोग शामिल थे।

रेलवे रिक्रुटमेंट सेल
पूर्व रेलवे
11वीं मंजिल, एनकेजी बिल्डिंग, 14, स्ट्रैंड रोड, कोलकाता– 700001

शुद्धिपत्र–सह–महत्वपूर्ण सूचना

दिनांक 02.07.2025 को जारी **अधिसूचना सं.: आरआरसी/ईआर/स्काउट्स एंड गाइड्स कोटा/2025–2026 (ओपन एडवर्टिजमेंट)** के संदर्भ में, अधिसूचना के पैरा 3.0 में वर्णित लेवल–1 (पूर्व के ग्रुप 'डी') पदों के लिए अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता के बारे में एतदद्वारा निम्नलिखित संशोधन सूचित किए जाते हैं। यह संशोधन इन पदों के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता से जुड़े पहले के प्रावधानों के स्थान पर लिया जाएगा।

अधिसूचना सं.: आरआरसी/ईआर/स्काउट्स एंड गाइड्स कोटा/2025–2026 (ओपन एडवर्टिजमेंट) के पैरा 3.0 में संशोधन

कैटेगरी: लेवल–1 (पूर्व के ग्रुप 'डी')।

दिनांक 02/07/2025 की अधिसूचना में उल्लिखित योग्यता:
सरकारी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं उत्तीर्ण या सरकारी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं उत्तीर्ण और साथ ही एनसीवीटी द्वारा अनुमोदित आईटीआई/नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट (एनएसी)।

संशोधित योग्यता: 10वीं उत्तीर्ण या आईटीआई या समकक्ष या एनसीवीटी से स्वीकृत नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट (एनएसी)।

- **पूर्व के ग्रुप 'डी' (लेवल–1) पदों के लिए स्काउट्स और गाइड्स योग्यताएँ समेत अन्य सभी आवश्यक योग्यताएँ, मूल अधिसूचना में उल्लिखित अनुसार अपरिवर्तित रहेंगी।**

केवल ''आईटीआई/समकक्ष/एनसीवीटी द्वारा स्वीकृत एनएसी'' (10वीं उत्तीर्ण को छोड़कर) योग्यता रखने वाले आवेदकों के लिए ऑनलाइन आवेदन विंडो को पुन:खोला जाना

उपर्युक्त संशोधन को ध्यान में रखते हुए और निष्पक्षता एवं अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, प्रशासन ने केवल ''**आईटीआई/समकक्ष/एनसीवीटी द्वारा स्वीकृत एनएसी**'' **(10वीं उत्तीर्ण को छोड़कर)** योग्यता रखने वाले आवेदकों के लिए विशेष रूप से **15 दिनों** के लिए ऑनलाइन आवेदन विंडो को पुनःखोलने का निर्णय लिया है।

(1) ऑनलाइन आवेदन का लिंक RRC/ER की आधिकारिक वेबसाइट पर दिनांक 05/12/2025 **को** 10.00 **बजे से** 19/12/2025 **को** 18.00 **बजे** तक सक्रिय रहेगा। **(2) केवल** उन आवेदकों को जिनकी अनिवार्य योग्यता ''**आईटीआई/समकक्ष/एनसीवीटी द्वारा स्वीकृत एनएसी**'' **(10वीं उत्तीर्ण को छोड़कर)** है, उन्हें इस अवधि के दौरान आवेदन करने की अनुमति है। **(3) आवेदक जो पहले ही इन योग्यताओं के साथ आवेदन कर चुके हैं:** • 10वीं उत्तीर्ण, या • 10वीं उत्तीर्ण + आईटीआई, या • 10वीं उत्तीर्ण + समकक्ष, या • 10वीं उत्तीर्ण + एनएसी योग्यता वाले को फिर से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। उनके पहले के आवेदन मान्य हैं। **(4) डुप्लिकेट या एक से अधिक आवेदन अस्वीकार कर दिए जाएंगे।**

पात्रता मानदंड, स्काउट्स एवं गाइड्स योग्यता, चिकित्सा मानक, परीक्षा शुल्क, अन्य मानदंड और भर्ती प्रक्रिया के लिए, आवेदकों को विस्तृत अधिसूचना देखने की सलाह दी जाती है। शैक्षणिक योग्यताओं के लिए, कृपया संशोधित योग्यता शुद्धिपत्र–सह–महत्वपूर्ण सूचना देखें। दोनों विस्तृत रोजगार अधिसूचना और शुद्धिपत्र–सह–महत्वपूर्ण सूचना (महत्वपूर्ण निर्देशों के साथ) रेलवे रिक्रुटमेंट सेल, पूर्व रेलवे, कोलकाता की आधिकारिक वेबसाइटः **www.rrcer.org** पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन जमा करने का लिंक [उन आवेदकों के लिए जो आईटीआई/समकक्ष/एनसीवीटी द्वारा स्वीकृत एनएसी हैं (10वीं उत्तीर्ण को छोड़कर)] RRC-ER/KOL की वेबसाइटः **www.rrcer.org** के आधिकारिक नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध होगा।

अध्यक्ष, रेलवे रिक्रुटमेंट सेल,
पूर्व रेलवे/कोलकाता

पूर्व रेलवे
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

उषा मार्टिन की पहलः गांव में नवनिर्मित्त अखड़ा एवं सामुदायिक भवन का उदघाटन

ग्रामीण विकास के लिए कंपनी का कार्य सराहनीयः राजेश कच्छप

बिभा संवाददाता

रांची। उषा मार्टिन अपने ग्रामीण विकास के कार्यों को बेहतर तरीके से जमीन पर उतार रही है। इससे गांव में बदलाव दिखता है। जब ऐसे प्रयास लगातार होते हैं, तो ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी दिखती है। आज यह खुशी दिख रही है। इस प्रयास को आगे बढ़ाना है। उक्त बातें खिजरी विधानसभा के विधायक राजेश कच्छप ने कहीं। वह आज उषा मार्टिन फॉउंडेशन के तहत नवनिर्मित्त एवं सौंदयीकृत सामुदायिक भवन के उदघाटन अवसर पर बोल रहे थे। सिलवई पंचायत के उलातु डीह और हेसल पंचायत के हेसल जरा में जीर्ण- शीर्ण भवनों का पुनः निर्माण किया गया। इसके अलावा भुवाल टोली में एक अखड़ा एवं तालाब का निर्माण कराया गया है।

खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि जनजातीय समाज के लिए आधारभूत संरचना का विकास ही काफी नहीं है। इसके साथ उनके आजीविका एवं प्रशिक्षण के लिए भी प्रयास करना होगा, ताकि उनको रोजीरोटी के लिए बाहर नहीं जाना पड़े। अनगड़ा प्रमुख दीपा उरांव ने कहा कि उषा मार्टिन फाउंडेशन के तत्वावधान में गांवों के विकास के लिए कई कार्य किये जा रहे हैं। इससे गांवों के लोगों के आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग मिलेगा। ऐसे प्रयास और संस्थाओं को भी करना चाहिए। सिलवई मुखिया नूतन पाहन ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि उषा मार्टिन के प्रयास से विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण लेकर ग्रामीण महिलाएं सशक्त व आर्थिक रूप से मजबूत हो रही है। हेसल की मुखिया कविता देवी ने कहा कि आज महिलाए उषा मार्टिन फाउंडेशन टाटीसिलवे रांची के प्रयास से प्रशिक्षण लेकर रोजगार प्राप्त कर रही है।

समाजसेवी शैलेश मिश्रा ने कहा कि गांवों के विकास में आधारभूत संरचना की अहम भूमिका है। क्षेत्र में स्कूल का सौंदर्यीकरण, किसानों को तकनीकी ज्ञान एवं महिलाओं को प्रशिक्षण के माध्यम से बदलाव का प्रयास किया जा रहा है। निर्माण कार्य के संवेदक जितेन्द्र कुमार सिंह व जानकी कंस्ट्रक्शन एंड फेब्रिकेटर ललन कुमार के साथ सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सामाजिक कार्यकर्ता भुनेश्वर महतो, मोनित भूटकुमार, संगीता देवी, मेवालाल महतो, वरुण कुमार, रोशन लिंडा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुखिया सिलवे नूतन पाहन, पं स स अरविंद लोहारा, हेसल मुखिया कविता देवी, उप मुखिया दुर्गा महतो, समाजसेवी शैलेश मिश्रा, किशन नायक, शाकिर अंसारी, राम टहल चैधरी आदि ने इस अवसर पर अपना विचार व्यक्त किया।

आदिवासी समाज को विकास से जोड़ना लक्ष्यः डॉ मयंक मुरारी

रांची। उषा मार्टिन फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि कंपनी का प्रयास कारखाना के इर्द गिर्द के गांवों में जमीन स्तर पर बदलाव लाना, जनजातीय समाज को उनके परंपरागत संस्कृति की रक्षा करते हुए विकास से जोड़ना है। अखड़ा का निर्माण उसी दिशा में एक प्रयास है। सामुदायिक भवन के माध्यम से गांव के महिलाओं एवं किसानों को विकास परक प्रशिक्षण से जोड़ा जायेगा। पहले चरण में यहां सोहराई और जूट से सामग्री बनाने की कला सीखने पर जोर होगा। गांव की प्रशिक्षित महिलाओं के माध्यम से ही गांव-गांव में यह प्रशिक्षण चलाये जायेगा। फॉउंडशेन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने बताया कि प्रशिक्षित महिलाओं ने अपने हुनर और मेहनत से जूट बैग्स एवं अन्य उत्पाद तैयार किए हैं, जिनमें पारंपरिक सोहराय पेंटिंग और विभिन्न स्व-निर्मित डिजाइन उकेरे गए हैं। बैग न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं बल्कि स्थानीय कला और संस्कृति की पहचान भी दशार्ते हैं। महिलाएँ अपने हाथों से बने जूट उत्पादों के माध्यम से बाजार तक पहुँच बना रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। महिलाओं के लिए तीन जगहों टाटीसिलवे, हरातु और लुपुंग में एवं अलग-अलग समय पर बैच बनाकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिला समूहों ने टेजनिंग के बाद 50 हजार से अधिक की सामग्री बेच चुकी है। सोहराई पेंटिंग अभी तक 20 हजार, ठोंगा 15 हजार, जूट बैग 13 हजार और बांस की सामग्री पांच हजार का बेचा जा चुका है।

शीघ्र उड़ान सुनिश्चित करने को लेकर सभी कार्य आपसी समन्वय से पूरा करें: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो हवाई अड्डा परिसर में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा की अध्यक्षता में बोकारो हवाई अड्डा के विस्तारीकरण के संदर्भ में उड़ान सेवा शीघ्र प्रारंभ करने की कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त श्री अजय नाथ झा* ने बोकारो हवाई अड्डा की सुरक्षा के दृष्टिकोण से दुदिबाग से अतिक्रमण हटाने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई अड्डे के आसपास में बसे दुदिबाग के सभी अवैध दुकानों को हटाए।

हवाई अड्डा परिसर के अंदर झाड़ियों की साफ सफाई के संदर्भ में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने अति शीघ्र साफ सफाई का आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने बीएसएल प्रबंधन को निर्देश दिया कि हवाई अड्डा परिसर में झाड़ियों की साफ सफाई करना सुनिश्चित करें ताकि हवाई अड्डा परिसर में लगे टावर टू टावर की विजिबिलिटी स्पष्ट रहे। बैठक में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि हवाई अड्डा परिसर के लिए सुरक्षा मानकों के अनुसार टू बेडडे एंबुलेंस क्रय की प्रक्रिया शीघ्र पूरा करें।

पुलिस अधीक्षक श्री हरविंदर सिंह ने हवाई अड्डा की सुरक्षा के दृष्टिकोण से मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

मौके पर पुलिस अधीक्षक श्री हरविंदर सिंह, उप महाप्रबंधक एयरपोर्ट अथॉरिटी रांची श्री मनोज सिंह, निदेशक बिरसा मुंडा हवाई अड्डा रांची श्री विनोद कुमार, प्रशिक्षु वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री संदीप शिंदे, सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढांडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री रवि कुमार, आईबी के प्रतिनिधि, बीएसएल सीजीएम टाउन श्री कुंदन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

महिलाओं के साथ बढ़ते डिजिटल हिंसा के खिलाफ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। सहयोगिनी संस्था द्वारा महिला हिंसा के खिलाफ16 दिवसीय जागरूकता अभियान के तहत आज महिलाओं के साथ बढ़ते डिजिटल हिंसा के खिलाफ एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाराडीह पंचायत की मुखिया पुष्पा देवी ने कहा कि महिलाओं के साथ हिंसा का नया प्रारूप डिजिटल रूप से बढ़ते जा रहा है। जिसे हमें मिलजुल कर रोकना होगा। सरकार को इस संबंध में विशेष कानून बनाने की जरूरत है जिससे महिलाएं सुरक्षित रह सके। सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि साइबर हिंसा एक गंभीर समस्या है । लेकिन इससे बचा जा सकता है और इससे निपटा भी जा सकता है । हमें अपनी ऑनलाइन सुरक्षा को मजबूत करना होगा तथा अज्ञात लोगों से दूरी बनानी होगी। इसके साथ यदि किसी के साथ हिंसा होता है तो उसका रिपोर्ट भी प्रशासन के समक्ष करना होगा ।उन्होंने कहा कि भारत सरकार के साइबर हिंसा के खिलाफ जारी टोल फ्री नंबर 1930 का उपयोग करना होगा। साथ ही जिले में स्थापित साइबर थाना से संपर्क बनाना होगा । साइबर हिंसा के खिलाफ गहन जन जागरूकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है। महिला थाना बोकारो निर्भया शक्ति लक्ष्मी कुमारी ने कहा कि लड़कियों महिलाओं को ऑनलाइन के माध्यम से प्रताड़ित किए जाने पर तत्काल सूचना पुलिस को दी जानी चाहिए। जिससे अपराधियों को पकड़ने में मदद मिल सकेगा। कसमार मुखिया संघ के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर नायक ने कहा कि हमें मिलजुल कर महिलाओं की सुरक्षा तथा उनके अधिकार पर काम किए जाने की जरूरत है। महिलाएं काफी आगे बढ़ रही है जिसे और गति दिए जाने की जरूरत है। पंचायत समिति सदस्य नागेंद्र कुमार ने कहा कि महिलाओं के संबंध में सरकार के द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं हैं जिसे जन जन तक पहुंचाने की जरूरत है । जिससे महिलाएं सशक्त हो सकती है। कार्यक्रम का संचालन सहयोगिनी की समन्वयक कुमारी किरण ने किया। इस दौरान संस्था की सूर्यमणि देवी, लबानी घोष, नीतू कुमारी, छोटी कुमारी ,सोनी कुमारी, संगीता कुमारी, विनीता देवी ,रोजी परवीन, आयुषी कुमारी ,रेखा देवी ,किरण कुमारी, अंजली कुमारी, गुलनाज खातून , अख्तरी बेगम, रेशमा खातून ,रिया रजवार, विद्या कुमारी, सीमा रजवार, कविता कुमारी, विकास गोस्वामी, पुष्पा देवी, सदानंद प्रजापति, गौतम सागर आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

डॉ राजेंद्र प्रसाद स्कूल में मनाई गई डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती

बोकारो (बिभा): डॉ राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 रानी पोखर में बुधवार को डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुबह में स्कूल के बच्चों की ओर से प्रभात फेरी भी निकाली गई। समारोह के मुख्य अतिथि बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने डॉ राजेंद्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा डॉ राजेंद्र प्रसाद के आदर्श को अपनाकर ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनका सादा जीवन उच्च विचार को अपनाकर ही समाज व देश को विकसित किया जा सकता है। जिला खेल पदाधिकारी हेमलता कुमारी बून ने कहा डॉ राजेंद्र प्रसाद ने अपनी प्रतिभा की बदौलत राष्ट्रपति पद सुशोभित करने में सफल रहे। स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा डॉ राजेंद्र प्रसाद का जीवन सादगी से भरा था। स्कूल की छात्राओं ने सामूहिक नृत्य के साथ एकता में अनेकता पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मौके पर रॉयल पब्लिक स्कूल की प्राचार्य रूपम गुप्ता उप प्राचार्य आलोक चतुर्वेदी ,राधू राय, डॉ एस एम कुमार, आरके वर्मा, स्कूल की शिक्षिका साक्षी कुमारी ,राखी सिंह ,गीता कुमारी ,माधुरी कुमारी ,सरिता सिंह, अनु सिंह, बीना राय आदि शामिल रहे।

बोकारो में समाजसेवी अक्षयलाल का निधन

बोकारो(बिभा) । झारखंड में बोकारो जिले के सेक्टर 12 थाना क्षेत्र के सेक्टर 12 निवासी और समाजसेवी अक्षय लाल पासवान का आज निधन हो गया। उनके निधन से शहर में शोक की लहर फैली है। बोकारो के शोकाकुल समाजसेवियों ने आज यहां बताया कि जनकल्याण सामाजिक संस्था के कोषाध्यक्ष ए समाजसेवी अक्षय लाल पासवान पिछले 2 साल से बीमार थे। सेक्टर 12 ए स्थित बिरसा मुंडा निःशुल्क विद्यालय में उसने याद में दो मिनट का शोक सभा, मौन धारण कर सभी बच्चों अभिभावकों, शिक्षकों संस्था गण आत्मा के शान्ति के लिए प्रार्थना किया गया। संस्था के सचिव सह संस्थापक परशुराम राम ने कहा कि अक्षय लाल पासवान 1994 से संस्था ,स्कूल से जुड़े थे । उनका योगदान बहुत ही अहम रहा है। सभा में योगेन्द्र प्रसाद कुशवाहा ,राम नारायण पासवान, हरिशंकर प्रसाद सोनी शंकर रजक, अखिलेश्वर पांडे ममता सिंह माधुरी देवी, रिंकू देवी, संध्या देवी ,बबीता कुमारी विजय कुमार आशा कुमारी आदि शामिल थे।

डीएवी सेक्टर 4 के तीन विद्यार्थियों ने विज्ञान मंथन के स्टेट लेवल राउंड में किया क्वालीफाई

बोकारो(बिभा) : डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टरझ4 के लिए गर्व का विषय है कि विद्यालय के तीन मेधावी विद्यार्थियों अंश सिन्हा कक्षा-10, आरिज हुसैन कक्षा-8 एवं स्पर्धा सिन्हा कक्षा- 6 ने राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित ह्यविज्ञान मंथनह्व प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए थर्ड लेवल स्टेट राउंड के लिए क्वालीफाई किया है। विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने न केवल विद्यालय का नाम रोशन किया है, बल्कि शहर और क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी है। विद्यालय प्राचार्य श्री एसके मिश्रा ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आगामी राउंड में भी विद्यार्थी श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विद्यालय और शहर का नाम और अधिक ऊँचा करेंगे। विज्ञान मंथन देशभर में आयोजित की जाने वाली एक प्रमुख विज्ञान प्रतिभा खोज प्रतियोगिता है, जिसका उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक सोच एवं नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करना है। स्टेट लेवल तक पहुँचने वाले विद्यार्थियों को विज्ञान एवं शोध के क्षेत्र में भविष्य के लिए व्यापक अवसर प्राप्त होते हैं। विद्यालय परिवार ने तीनों विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बुजुर्ग दंपति हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, दो लोग हुए गिरफ्तार

चाय पकौड़ी की दुकानदारी में व्यवसायिक रंजिश के चलते दोहरी हत्याकांड को दिया गया अंजाम

बिभा संवाददाता

बोकारो। हरला थाना क्षेत्र में हुई बुजुर्ग दंपती हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया है। चाय पकौड़ी की दुकानदारी में व्यवसायिक रंजिश के चलते दोहरी हत्याकांड को अंजाम दिया गया।

दोनों आरोपियों ने जोशी कॉलोनी गेट नंबर-03 में एक दिसंबर को बुजुर्ग दंपती महावीर साव (70) और कौश्यला देवी (65) की ईंट से वारकर और चाकू मारकर हत्या कर दी थी ।पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल ओमप्रकाश कुमार उर्फ ललुआ और उसके सहयोगी रामचन्द्र कुमार उर्फ बिद्ध को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी हरविंदर सिंह ने गुरुवार एसपी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि आरोपियों से पूछताछ में हत्या के पीछे की वजह व्यापारिक प्रतिस्पर्धा और आपसी मनमुटाव सामने आई ।एसपी ने बताया कि बुजुर्ग दंपती चाय-पकौड़ी की दुकान चलाते थे। ठीक सामने ओमप्रकाश भी चाय-नाश्ते की दुकान लगाता था। दोनों दुकानदारों के बीच ग्राहकों को लेकर विवाद होता रहता था और कभी-कभी कहासुनी भी हो जाती थी, जिससे ओमप्रकाश दंपती से रंजिश रखता था ।पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि बिजनेश कंपटीशन और आपसी मनमुटाव के कारण ओमप्रकाश दंपती को पसंद नहीं करता था। घटना की रात आरोपी ओमप्रकाश और उसका साथी रामचन्द्र शराब के नशे में थे। नशे की हालत में दोनों ने मिलकर दंपती पर हमला किया और उनकी हत्या कर दी। दोनों आरोपी जोशी कॉलोनी के ही निवासी हैं ।पुलिस ने आरोपियों के पास से खून लगा चाकू, खून से सने ईंट, घटना के समय आरोपियों द्वारा पहने गए खून लगे कपड़े और मृतक दंपती का टूटा की पैड मोबाइल फोन बरामद किया है। घटना के उद्भेदन के लिए एसपी के निर्देश पर सिटी डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था ।इस प्रेस वार्ता में हरला थाना प्रभारी खुर्शीद आलम सहित कई पुलिस मौजूद थे ।छापामारी दल में पुनि खुर्शीद आलम, थाना प्रभारी हरला, पुनि सुदामा कुमार दास, थाना प्रभारी बी०एस० सिटी थाना, पुअनि मनीष कुमार गुप्ता, हरला थाना (अनुसंधानकर्ता) 1, पुअनि मो० मोजम्मिल, हरला थाना, पुअनि सहदेव कुमार साव, हरला थाना,आ 749 नरेश मंडल, हरला थाना, आ 478 योगेन्द्र रजक, सिटी, डी०एस०पी० अंगरक्षक , आ 733 प्रफुल कुमार मंडल, सिटी डी०एस०पी० अंगरक्षक , आ 63 सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, बी०एस० सिटी थाना प्रभारी अंगरक्षक व आ 953 मो0 अलाउद्दीन, हरला थाना शामिल रहे।

बोकारो में लक्ष्मी मार्केट के फुटपाथ दुकानों पर तीसरे दिन भी चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

बोकारो। सेक्टर 4 थाना क्षेत्र के लक्ष्मी मार्केट में आज तीसरे और अंतिम दिन भी अतिक्रमण हटाओ अभियान का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इसी के तहत यहां के कई फुटपाथ दुकानों को बलपूर्वक हटाकर जमींदोज किया गया। इस दौरान दुकानदारों और स्थानीय लोगों की अच्छी खासी भीड़ जुटी रही, जबकि सुरक्षा कड़ी व्यवस्था से संभाली गई ।जानकारी के अनुसार, बोकारो स्टील सिटी में बीएसएल के संपदा न्यायालय ने अतिक्रमण कर अवैध दुकान लगाना बंद करने व खाली कराने के निर्देश जारी किए थे। इसी के तहत शहर के सिटी सेंटर, लक्ष्मी मार्केट और अन्य सेक्टर इलाकों में अतिक्रमण कर स्थापित दुकानों को हटाने हेतु नोटिस चिपकाए गए थे। इसके बाद मेजिस्ट्रेट की मौजूदगी में बोकारो स्टील प्लांट के सुरक्षा अधिकारी और होमगार्ड के जवानों ने अवैध दुकानों पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की ।तीन दिन तक चले इस अभियान के दौरान अब तक लगभग 450 फुटपाथ दुकानों को हटाया जा चुका है। अभियान के अंतिम दिन भी लक्ष्मी मार्केट में दुकानदारों को लाउडस्पीकर के माध्यम से पूर्व सूचना दी गई और व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई।

बहू ने पिता समान ससुर को दी मुखाग्नि, बेटे-बेटी के कर्तव्य न निभाने पर समाज में बनी मिसाल

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेक्टर 9 ए स्ट्रीट 2 के 80 वर्षीय बुजुर्ग शोभाकांत ठाकुर के हाल ही में स्वर्गवास के बाद एक अनोखी घटना देखने को मिली। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पिता की अंतिम क्रिया में बड़ा पुत्र मुखाग्नि देता है, लेकिन इस बार बड़ा बेटा मुखाग्नि देने से साफ इनकार कर गया। ऐसे में परिवार की छोटी बहू नूतन तनु ने आगे आकर अपने ससुर को मुखाग्नि देकर समाज में एक नई मिसाल कायम की है ।नूतन ने बताया कि उनके पति संजय ठाकुर, जो शोभाकांत ठाकुर के छोटे बेटे थे, का देहांत कई वर्ष पहले हो चुका है। वे अपने बच्चों के साथ ही अपने ससुराल में रह रही थीं और कई सालों तक ससुर की देखभाल करती रहीं। इस बीच, शोभाकांत ठाकुर के बड़े बेटे और बेटियों को भी निधन की सूचना दी गई थी, लेकिन वे अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुए और जिम्मेदारी से बचते नजर आए ।इस दुखद परिस्थिति पर नूतन ने कहा, ₹बड़ा बेटा और बेटी मौजूद होते हुए भी ससुर की मुखाग्नि नहीं देना स्वीकार किया। इस हालात में मुझे अपने ससुर की अंतिम कष्ट भरी क्रिया पूर्ण करनी पड़ी। यह समाज के लिए एक संदेश है कि यदि बेटा-बेटी कर्तव्य नहीं निभाते, तो बहू भी उनका स्थान लेकर परिवार के फर्जों को निभा सकती है ।₹नूतन के इस कदम को स्थानीय लोगों ने अत्यंत सकारात्मक माना है। सामाजिक विशेषज्ञों के अनुसार यह परंपराओं में बदलाव का आह्वान है, जहां बहू भी पिता स्वरूप ससुर के प्रति कर्तव्यपूर्ण भाव रखती है और पारिवारिक संस्कारों में सक्रिय भूमिका निभा रही है ।यह घटना सिर्फ परिवार के भीतर की बात नहीं रही, बल्कि समाज में एक नए सोच और संघर्ष का प्रतीक बन गई है, जो पारिवारिक जिम्मेदारियों को नए मायनों में परिभाषित करती है।

छात्र अधिकार पदयात्रा में शामिल हुए अर्जुन रजवार

बिभा संवाददाता

बोकारो। जेएलकेएम द्वारा पांच सूत्री मांगों के समर्थन में गुरूवार को डुमरी से रांची तक 180 किलोमीटर तक छात्र अधिकार पदयात्रा में चंदनकियारी के प्रत्याशी रहे और जेएलकेएम के केंद्रीय महासचिव अर्जुन रजवार शामिल हुए। गुरुवार को आरम्भ इस यात्रा में अर्जुन रजवार पूरी,180 किलोमीटर की यात्रा करेंगे । पदयात्रा की शुरूआत जेएलकेएम के केन्द्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक जयराम महतो ने चिरैया मोड़ स्थित बिनोद बिहारी महतो के प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। साथ ही विधायक ने कार्यकताओं संग चिरैया मोड़ से डुमरी चौक तक पदयात्रा में शामिल होकर सदस्यों को गंतव्य की ओर रवाना किया। अर्जुन रजवार ने जानकारी दी की ये यात्रा ऐतिहासिक यात्रा है जिसमें छात्रों की अधिकार मांगी गई है । पदयात्रा डुमरी से शुरू होकर बगोदर, विष्णुगढ़, हजारीबाग, रामगढ़, ओरमांझी होकर 6 दिनों में विधानसभा धरना स्थल रांची तक पहुंचेगी। जिन मांगों को लेकर आयोजित है, उसमें खतियान आधारित स्थानीय नीति एवं नियोजन नीति अविलंब लागू करने, छात्रों के लंबित छात्रवृत्ति का तत्काल भुगतान करने, जेपीएससी/जेएसएससी/जेटेट की सभी लंबित परीक्षाओं के परिणाम को शीघ्र प्रकाशित करने, झारखंड सरकार द्वारा प्रति वर्ष नियमित परीक्षा कैलेंडर जारी कर उसका अनुपालन सुनिश्चित करने तथा राज्य के सभी सरकारी विभागों के रिक्त पदों को अविलंब भरने की प्रक्रिया प्रारंभ करने की मांग शामिल है।

ईएसएल स्टील और आईओसीएल के बीच पीएनजी आपूर्ति पर हुआ समझौता

बोलेरो प्लांट में स्वच्छ ऊर्जा के लिए नया कदम

पीएनजी से बढ़ेगी ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता

बिभा संवाददाता

बोकारो। ईएसएल स्टील लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के बीच पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की आपूर्ति हेतु महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। यह समझौता ईएसएल स्टील के बोलेरो प्लांट में ऊर्जा आपूर्ति को अधिक सुरक्षित, पर्यावरण के अनुकूल और सतत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है ।समझौता समारोह में आईओसीएल के कार्यकारी निदेशक श्री मनोज के. शर्मा, महाप्रबंधक श्री अमिया कुमार बेहरा और ईएसएल स्टील के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं एसोसिएट निदेशक श्री रवीश शर्मा तथा मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री आनंद जीन मौजूद रहे ।डिप्टी सीईओ श्री रवीश शर्मा ने कहा, ₹आईओसीएल के साथ यह साझेदारी हमें प्लांट में आवश्यक ऊर्जा की विश्वसनीय और कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। एलपीजी के विकल्प के रूप में पीएनजी का उपयोग हमें स्वच्छ ऊर्जा स्रोत प्रदान करता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण व औद्योगिक स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा ।₹मुख्य बिंदुओं में यह उल्लेखनीय है कि पीएनजी पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प के रूप में एलपीजी की जगह इस्तेमाल किया जाएगा। इससे ऊर्जा दक्षता, सुरक्षा और स्थिरता के मानदंडों में सुधार होगा। दोनों कंपनियां सतत ऊर्जा समाधानों की दिशा में निरंतर समीक्षा और सहयोग भी कर रही हैं ।यह समझौता न केवल ईएसएल स्टील लिमिटेड की उत्पादन क्षमता बढ़ाएगा, बल्कि उद्योग में ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूती प्रदान करेगा, जो स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक विकास में सहायक साबित होगा ।ईएसएल स्टील और आईओसीएल की यह भागीदारी झारखंड में स्वच्छ ऊर्जा के व्यापक उपयोग और स्थायी औद्योगिक विकास का पर्याय बनती दिख रही है।

गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया वार्षिक खेलकूद समारोह

बिभा संवाददाता

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर-5 बी के महाराणा रणजीत सिंह स्टेडियम में वार्षिक खेलकूद समारोह स्पर्धा-भव्य रूप से संपन्न हुआ। प्री-नर्सरी से तीसरी कक्षा तक के बच्चों ने उमंग और जोश से भरे खेलों में हिस्सा लेकर कार्यक्रम को यादगार बनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संदीप शिंदे, असिस्टेंट कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट, के आगमन से हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में दीपिका सिंह, मेडिकल डायरेक्टर–संजीव नेत्रालय, बारी कोऑपरेटिव, एवं संजय कुमार पांडे, जनरल मैनेजर–टर्बो ब्लोअर स्टेशन उपस्थित रहे। अतिथियों का पुष्पगुच्छ से गरिमापूर्ण स्वागत हुआ ।विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक कुमार ने अपने संबोधन में बच्चों को खेलों के महत्व से अवगत कराते हुए कहा, खेल केवल गतिविधि नहीं, बल्कि जीवन की कला है जो बच्चों के व्यक्तित्व में साहस और नेतृत्व की भावना जागृत करता है। मुख्य अतिथि ने मीट ओपन की घोषणा की और इसके बाद सामूहिक योग प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया ।श्री संदीप शिंदे ने अपने संबोधन में कहा, खेल तनाव दूर करने के साथ जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को पदक और प्रमाणपत्र वितरित कर प्रोत्साहित किया। जी.जी.ई.एस के अध्यक्ष श्री तरसेम सिंह ने संदेश भेजते हुए कहा, खेल बच्चों की प्राकृतिक ऊर्जा को अनुशासन और उत्कृष्टता की राह पर ले जाते हैं। वहीं सचिव श्री एस.पी. सिंह ने बताया, खेल किसी राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं।

केंदुआडीह में गैस रिसाव पर उबाल, दो महिलाओं की मौत, सड़क जाम

बिभा संवाददाता

धनबाद। केंदुआडीह थाना क्षेत्र में जहरीली गैस का खतरा लगातार गंभीर होता जा रहा है। गैस के प्रभाव से अब तक दो महिलाओं की मौत हो चुकी है, जिसके बाद पूरे इलाके में दहशत और तनाव फैल गया है। बीती शाम प्रियंका देवी की मौत हुई थी, वहीं आज ललिता देवी ने भी दम तोड़ दिया। हालांकि दोनों महिलाओं की मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

इन घटनाओं के विरोध गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने धनबादझ्ररांची मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। लोगों ने टायर जलाकर जिला प्रशासन और बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। उनका कहना है कि जब तक सुरक्षित पुनर्वास नहीं दिया जाता और जहरीली गैस के स्रोत को चिह्नित कर बंद नहीं किया जाता,

तब तक जाम जारी रहेगा। वहीं लगभग4 घंटे के बाद प्रशासन और ग्रामीणों में हुई वार्ता के बाद सड़क जाम समाप्त कर दिया गया है।

स्थानीय निवासी प्रदीप कुमार ठाकुर ने बताया कि मृत महिला की तबीयत अचानक बिगड़ी और मुंह से झाग निकलने लगा। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने बताया कि मौत गैस के प्रभाव और सांस रुकने से हुई हो सकती है। उनके अनुसार अब तक लगभग 15झ20 लोग बीमार हैं, और यदि गैस रिसाव नहीं रुका तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

वहीं शेख मोहम्मद ने प्रशासन पर ठोस व्यवस्था न करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि वर्षों से सिर्फ नोटिस दिया जा रहा है, लेकिन वैकल्पिक जगह नहीं मुहैया कराई गई। गैस पूरे इलाके में फैल चुकी है और लोग लगातार बीमार पड़ रहे हैं।

पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल ने भी प्रबंधन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल ने कई जगहों को असुरक्षित घोषित किया, लेकिन रहने के लिए उपयुक्त विकल्प उपलब्ध नहीं कराया। उन्होंने डीजीएमएस, सीआईएमएफआर और आईएसएम जैसे विशेषज्ञ संस्थानों की बैठक बुलाकर तत्काल समाधान निकालने की मांग की।

दहशत का आलम यह है कि कई परिवार अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर चले गए हैं। बीसीसीएल की टीम माइक से लगातार लोगों को स्थानांतरण की अपील कर रही है। गैस का असर राजपूत बस्ती, मस्जिद मोहल्ला, ऑफिसर कॉलोनी सहित करीब दस हजार आबादी वाले इलाके में महसूस किया जा रहा है।

बीसीसीएल पीबी एरिया के जीएम जी. साहा ने बताया कि गैस के चपेट में लोग न आएं, इसके लिए दो टेंट बनाकर लोगों को शिफ्ट किया जा रहा है। उनका कहना है कि यह इलाका अग्नि प्रभावित है और वर्षों पहले इसे असुरक्षित घोषित किया गया था, लेकिन लोग यहां से हटे नहीं। उन्होंने कहा कि समस्या का स्थायी समाधान तभी संभव है, जब पहले पूरे क्षेत्र को खाली कराया जाए।

पुटकी सीओ आनंद कुमार ने बताया कि डीजीएमएस की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और गैस को बंद करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने लोगों से सहयोग करने की अपील की, ताकि जल्द राहत मिल सके। मौत के कारण पर उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। प्रशासन लोगों की सभी मांगों को नोट कर रहा है और जल्द बैठक कर समाधान निकाला जाएगा।

मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच चुकी है, जो इलाके के लोगों का स्वास्थ्य जांच कर उनके उचित इलाज की व्यवस्था करने में जुटी है। वहीं केंदुआडीह थाना के प्रभारी प्रमोद पांडेय ने बताया कि अब तक गैस से 2 लोगों की मौत हो चुकी है, आगे और जान-माल का नुकसान न हो इसके लिए कार्रवाई की जा रही है, साथ ही आक्रोशित लोगों को शांत करा सड़क जाम समाप्त कर लिया गया है।

बेलगड़िया टाउनशिप को मिला नया टीओपी, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत

बिभा संवाददाता

धनबाद। बेलगड़िया टाउनशिप में शुक्रवार को डीसी आदित्य रंजन और एसएसपी प्रभात कुमार ने बेलगड़िया टी.ओ.पी का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में बलियापुर थाना प्रभारी, सिंदरी एसडीपीओ और समिति जेआरडी के अधिकारी भी मौजूद रहे।

उद्घाटन के बाद डीसी और एसएसपी ने बेलगड़िया टाउनशिप के लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र की हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

डीसी आदित्य रंजन ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की मंशा बेलगड़िया के लोगों को बेहतर सुरक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में सभी सरकारी संस्थान भी यहीं स्थापित किए जाएंगे, और आबादी बढ़ने के बाद यहां नगर पालिका बनाए जाने पर भी विचार हो सकता है। इसी कड़ी में बेलगड़िया टी.ओ.पी की शुरूआत की गई है, ताकि टाउनशिप के लोगों को छोटी-छोटी शिकायतों के लिए दूर थाना न जाना पड़े।

वहीं, एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि टाउनशिप में बड़ी आबादी बस चुकी है, इसलिए स्थानीय स्तर पर पुलिस व्यवस्था मजबूत करना जरूरी था। टी.ओ.पी में फिलहाल दो पदाधिकारी और आठ पुलिसकर्मी 24 घंटे तैनात रहेंगे। स्थानीय पुलिस की जिम्मेदारी होगी कि यहां की सभी समस्याओं का समाधान यहीं किया जाए।

एसएसपी ने अपील की कि अगर किसी तरह के असामाजिक तत्व शराब पीते हैं, उपद्रव करते हैं या अपराध से जुड़े हैं, तो तुरंत टी.ओ.पी को सूचना दें। उन्होंने बताया कि पेट्रोलिंग बाइक भी यहां उपलब्ध रहेगी, जिससे गश्त और निगरानी तेज होगी।

संक्षिप्त खबरें

जवाहर नवोदय विद्यालय में नामांकन मामला फर्जी प्रमाण पत्र जमा करने के कारण संबंधित छात्र / छात्राओ के अभिभावकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

धनबाद(बिभा)। जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र 2025-26 में वर्ग -6 में नामांकन हेतु छात्र/छात्राओ द्वारा फर्जी प्रमाण पत्र जमा करने के मामले में उपायुक्त आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार जांच टीम गठित कर जांच कराई गई। जांच के उपरांत जांच टीम द्वारा उपायुक्त महोदय को रिपोर्ट सौंप दी गई है। इस मामले में उपायुक्त आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार कुल 16 संबन्धित छात्र / छात्राओ के अभिभावकों के विरुद्ध प्रभारी प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय बेनगोरिया, धनबाद द्वारा निरसा थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया है। जिन 16 संबन्धित छात्र / छात्राओ के अभिभावकों पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है वो, टुंडी अंचल, गोविंदपुर अंचल, पूर्वी टुंडी अंचल, बलियापुर अंचल तथा धनबाद अंचल क्षेत्र के निवासी हैं।

कोयला नगर में आयोजित वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम

धनबाद(बिभा)। कोयला नगर में गुरुवार को वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोगों को वित्तीय साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन ने कार्यक्रम में कहा कि डिजिटल युग में वित्तीय साक्षरता बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि 82% लोग डिजिटल लेनदेन का प्रयोग कर रहे हैं, लेकिन केवल 31% लोग ही डिजिटल लेनदेन के जोखिमों से अवगत हैं। उन्होंने लोगों से अपने वित्तीय अधिकारों को जानने और अपने हित में निर्णय लेने के लिए बुनियादी जानकारियां प्राप्त करने का आग्रह किया। प्रेम रंजन ने बताया कि दूसरे देशों में वित्तीय साक्षरता दर 50-60% है, जबकि भारत में यह दर 30% से भी कम है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में लोगों का वित्तीय साक्षर होना आवश्यक है।

धनबाद सदर अस्पताल का विवाद हुआ समाप्त, आपसी सहयोग से होगा 420 बेड का निर्माण

धनबाद(बिभा)। सदर अस्पताल की चहारदीवारी के निर्माण को लेकर उत्पन्न विवाद का समाधान हो गया है। गुरुवार को निर्माण कार्य स्थल पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधे श्याम गोस्वामी, सिविल सर्जन आलोक विश्वकर्मा और अँचलधिकारी की मौजूदगी में विवाद की बातों को खारिज कर दिया गया। इस दौरान राधेश्याम गोस्वामी ने कहा कि यहाँ किसी तरह का कोई विवाद नहीं है और आपसी सहयोग से 420 बेड के अस्पताल का निर्माण कराया जा रहा है। सिविल सर्जन ने भी विवाद की बातों को दरकिनार करते हुए कहा कि इस अस्पताल के निर्माण से धनबादवासियों को सहूलियत होगी और यहाँ क्रिटिकल केसेस का भी इलाज संभव होगा। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द इसका लाभ धनबाद वासियों को मिलेगा।

एलआईसी ऑफिस में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल एवं मिशन होस्पिटल द्वारा हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित एलआईसी ऑफिस में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें दांत एवं सामान्य स्वास्थ्य का जांच व उपचार निशुल्क किया गया। एलआईसी के कर्मचारी सहीत अन्य कई जरूरतमंद लोगों ने निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। जिसमें 140 लोगों ने निशुल्क दंत शिविर में जांच एवं उपचार करवाकर उत्तम स्वास्थ्य का परामर्श प्राप्त किया। शिविर के आयोजन में एलआईसी प्रबंधन टीम ने विधि- व्यवस्था एवं सहयोग में अपना सरहानीय योगदान दिया। साथ ही हजारीबाग डेंटल कॉलेज द्वारा लगाए गए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर की प्रशंसा कर चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति कृतज्ञ व्यक्त किया। मौके पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि बुनियादी उपचार जरूरतमंदों को निशुल्क उपलब्ध कराना एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना मुख्य उद्देश्य है।

उपायुक्त ने की समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: समाहरणालय सभागार में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना,अपार आईडी, आभा आईडी, पोषण अभियान अंतर्गत फेशियल रिकॉग्नाइजेशन सिस्टम की स्थिति, कुपोषित एवं अति गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या, पोषण ट्रैकर ऐप में लाभार्थियों के आधार सत्यापन एवं फेस ऑथेंटिकेशन, आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की भौतिक स्थिति, बिजली, शौचालय एवं पेयजल कनेक्शन की उपलब्धता, एमटीसी, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना तथा दिव्यांगजनों के सर्वे जैसे महत्वपूर्ण

बिंदुओं की समीक्षा की गई।

बैठक में कम प्रगति वाले प्रखंडों पर असंतोष जताते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को तेज गति से लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने अपेक्षाकृत पिछड़े प्रखंडों में फिजिकल निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत विद्यालयों में विशेष अभियान चलाकर बच्चों का फॉर्म भरवाने और जिला स्तर पर आवेदन अग्रसारित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी सेविका-सहायिकाओं को अपने क्षेत्र में रहने वाले सभी प्रकार के दिव्यांगजनों की पहचान, सर्वे एवं रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। उन्होंने महिला पर्यवेक्षिकाओं को चेकलिस्ट के आधार पर सभी मानकों की जांच सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही ऑनलाइन एवं फिजिकल डेटा में समरूपता बनाए रखने, आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिका को प्रभावी ढंग से संचालित करने, सभी केंद्रों में जाल लगाने, बड़े बल्ब लगाकर प्रकाश व्यवस्था सुधारने तथा एमटीसी में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। जिन आंगनबाड़ी केंद्रों में अभी तक बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं है, वहां शीघ्र कनेक्शन उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया गया। उपायुक्त ने 15 दिनों के अंदर तीन से छह वर्ष के पंजीकृत बच्चों का अपार आईडी और सभी बेनिफिशियरी का आभा आईडी शत प्रतिशत बनाने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया।

अंत में उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर प्रखंड स्तर पर संचालित योजनाओं का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जहां कार्य प्रगति धीमी है, वहां नियमित समीक्षा करते हुए उत्पन्न समस्याओं का समाधान कर प्रगति में सुधार सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती शिप्रा सिंहा, सामाजिक सुरक्षा प्रभारी श्रीमती सुनीता कुमारी, विभिन्न अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक अनुशासन को लेकर नगर निगम परिसर में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : नगर निगम परिसर में सड़क सुरक्षा, स्वच्छ ट्रैफिक व्यवस्था एवं सुरक्षित यातायात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारियों, विभिन्न सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के सदस्यों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन करने की शपथ ली। इनमें मुख्य रूप से हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग, शराब पीकर वाहन न चलाना, निर्धारित स्थानों पर ही वाहन पार्क करना, ट्रैफिक संकेतों का पालन करना तथा अनुशासित यातायात व्यवस्था बनाए रखना शामिल था।इस अवसर पर नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त बिपिन कुमार ने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाना तभी संभव होगा जब नागरिक स्वयं जागरूकता अपनाएं और दूसरों को भी यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करना, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और नागरिकों की सुरक्षा नगर निगम की प्राथमिकता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सुरक्षित, स्वच्छ और अनुशासित यातायात व्यवस्था के निर्माण में सहयोग देने का संकल्प दोहराया और इस पहल को जनहित में सराहनीय बताया।

शीतकालीन सत्र से पूर्व विधायक प्रदीप प्रसाद ने सदर एवं दारू प्रखंड में दौरा कर किया संवाद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है। इसके पूर्व गुरुवार को हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने सदर प्रखंड एवं दारू प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जनसंवाद कार्यक्रम चलाया। इस दौरान उन्होंने आम जनता, स्थानीय नागरिकों, कार्यकताओं एवं सामाजिक प्रतिनिधियों से मुलाकात कर क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं और विकास संबंधी आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।विधायक श्री प्रसाद ने सदर प्रखंड के सिलवार में जनसंपर्क किया, जहाँ जनता द्वारा रखी गई कई मूलभूत समस्याओं एवं स्थानीय मुद्दों को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन सभी विषयों को शीतकालीन सत्र में पूरी प्राथमिकता

और गंभीरता के साथ उठाया जाएगा।इसके बाद वे मेरु पहुँचे, जहाँ आम नागरिकों और समर्पित कार्यकताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। बातचीत के दौरान लोगों ने विकास, जनसुविधाओं और स्थानीय चुनौतियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे साझा किए, जिन पर विधायक ने संवेदनशीलता के साथ संवाद किया और समाधान का भरोसा दिया।दारू प्रखंड के जिनगा चौक, डीपू चौक, तिलैया, झूमरा चौक और दारू चौक में विधायक प्रदीप प्रसाद ने स्थानीय नागरिकों से बातचीत की। लोगों ने पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य सुविधा, बिजली, शिक्षा और अन्य बुनियादी जरूरतों से संबंधित मुद्दों को सामने रखा। स्थानीय निवासियों ने जनसंवाद कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और विधायक का गरमजोशी से स्वागत किया।जनसंवाद कार्यक्रम के तहत विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक हिस्से की समस्याओं को नजदीक से समझना मेरा दायित्व है। सिलवार, मेरु तथा दारू प्रखंड के विभिन्न चौकों पर जनता से हुई बातचीत ने मुझे आगामी सत्र में उठाए जाने वाले मुद्दों की स्पष्ट दिशा दी है। जनता की अपेक्षाओं, मूलभूत आवश्यकताओं और विकास संबंधी मांगों को सदन के पटल पर पूरी मजबूती और प्रतिबद्धता के साथ उठाऊँगा। जनता का स्नेह और भरोसा ही मुझे निरंतर कार्य करने की ऊर्जा देता है।

दारू प्रखंड के मध्य विद्यालय ईरगा बडवार में जीर्णोधार कार्य का विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : विधानसभा क्षेत्र के दारू प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय ईरगा बडवार में डीएमएफटी मद से होने वाले जीणोर्धार कार्य का गुरुवार को माननीय प्रदीप प्रसाद द्वारा विधिवत शिलान्यास किया गया। इस महत्वपूर्ण परियोजना से विद्यालय के संपूर्ण कायाकल्प का मार्ग प्रशस्त होगा। लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से होने वाले इस निर्माण कार्य के पूरा होने पर विद्यालय को बेहतर एवं सुरक्षित भवन, उन्नत शैक्षणिक संसाधन, और व्यवस्थित अध्ययन वातावरण उपलब्ध होगा। इससे छात्रों के सीखने की गुणवत्ता में निश्चित रूप से सकारात्मक बदलाव आएगा और विद्यालय की अधोसंरचना लंबे समय तक टिकाऊ एवं उपयोगी बनेगी।शिलान्यास

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने विद्यालय की वर्तमान आवश्यकताओं, बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित इस मांग का पूरा होना क्षेत्र में शिक्षा के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।विधायक प्रदीप प्रसाद ने आगे कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में मेरा सदैव प्रयास रहा है कि क्षेत्र का हर बच्चा सशक्त हो और उसे समान अवसरों वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। डीएमएफटी मद से प्रारंभ यह कार्य बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला को मजबूत करेगा। इस दिशा में जनता के निरंतर सहयोग और समर्थन के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे और जनप्रतिनिधि द्वारा किए जा रहे इस महत्वपूर्ण प्रयास की सराहना की।

जहरीली गैस रिसाव मामला : उपायुक्त ने तत्काल जांच टीम गठित करने का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

धनबाद। पुटकी अंचल अंतर्गत केंदुआडीह के विभिन्न बस्तियों में जहरीली गैस रिसाव मामले को लेकर गुरुवार को उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में बीसीसीएल, डीजीएमएस, स्वास्थ विभाग, आपदा विभाग तथा जेआरडीए की टीम के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल उक्त घटना की

समीक्षा करते हुए विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जहरीली गैस रिसाव के कारण, रोकथाम के उपाय, प्रभावित लोगों को सुरक्षित जगह तत्काल शिफ्ट करने, घटना में हुए मृत्यु पर लापरवाही पर कार्रवाई करने समेत विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि घटना के पश्चात बीसीसीएल, जिला प्रशासन, स्थानीय थाना द्वारा संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। किन्तु प्रारंभिक सूचना व क्षेत्रीय निरीक्षण में पाया गया कि राहत एवं बचाव कार्य में समुचित तत्परता का अभाव परिलक्षित हुआ। बीसीसीएल प्रबंधन एवं संबंधित एजेंसियों के बीच समुचित समन्वय का अभाव देखा गया।

उपायुक्त ने उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए घटना की वस्तुस्थिति ज्ञात करने, उत्तरदायित्व निर्धारण करने तथा भविष्य हेतु सुधारात्मक उपाय सुझाने के निमित्त जांच समिति का गठन किया है। उक्त जांच में क्रमवार सभी घटना की जांच की जाएगी और पता लगाया जाएगा कि किसकी लापरवाही से लोगों की जान गई है। जांच के उपरांत जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इसके अलावा बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को तत्काल कही दूसरे जगह शिफ्ट की जाएगी। इसके लिए उन्होंने एरिया जीएम बीसीसीएल को तत्काल टेंट सिटी निर्माण करने हेतु निर्देशित किया जिसमें ठंड से बचने, पीने का पानी, खाना, बिजली शौचालय की व्यवस्था होगी। साथ हीं 24 घंटे एम्बुलेंस और डॉक्टर की व्यवस्था करने हेतु भी निर्देशित किया गया। बीसीसीएल की टीम भी कैप करेगी, साथ ही जिला प्रशासन भी पूरी तरह से अलर्ट रहेगी।

चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद, भारत में रोजगार के लाखों अवसर निर्मित होंगे

प्रहलाद सबनानी

हालांकि पिछले दशक में, भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज का व्यापक विस्तार किया गया है, इससे सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल कार्यबल की संख्या वर्ष 2015 के लगभग 19 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गई है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया गया है कि देश भर के श्रमिकों को सुरक्षा और सम्मान मिले और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्राप्त की गई उक्त बड़ी उपलब्धि के लिए भारत ने वैश्विक स्तर पर मान्यता भी अर्जित की है। चार श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इस व्यापक बदलाव में अगला बड़ा कदम है, जो सामाजिक सुरक्षा की प्रणाली को और सशक्त करता है और राज्यों तथा सेक्टरों तक विभिन्न लाभों को पहुंचाता है।

21 नवम्बर 2025 से भारत में चार श्रम संहिताओं (वेतन संहिता 2019, औद्योगिक सम्बंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020) को लागू कर दिया गया है। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत में पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को आसान और कारगर बनाए जाने का प्रशंसनीय प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया गया है। उक्त चार श्रम संहिताओं का लागू किया जाना भारत के श्रमबल के लिए उचित वेतन, श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, उनकी रक्षा एवं उनके बेहतर कल्याण के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरूआत भी माना जा रहा है। इससे भारत में मजबूत उद्योग की नींव रखी जाकर रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित किए जा सकेंगे। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत के श्रमिकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का प्रयास भी किया जाएगा एवं उनके लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा जो अंततः भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।

भारत में अभी तक लागू 29 श्रम कानूनों में से कुछ तो देश की आजादी से पूर्व एवं आजादी के तुरंत बाद के खंडकाल (वर्ष 1930 से 1950 के बीच) में बनाए गए थे। विश्व के अन्य देशों में पुराने श्रम कानूनों में पर्याप्त बदलाव कर वैश्विक स्तर पर हुए आर्थिक बदलावों के अनुरूप बनाकर नए श्रम कानूनों को लागू किए हुए एक अरसा हो चुका है परंतु भारत में अभी भी 29 केंद्रीय श्रम कानूनों का अनुपालन किया जा रहा था, जो अपने आप में बिखरे हुए हैं, पेचीदा हैं, एवं अति पुराने नियमों के अंतर्गत चलायमान रहे हैं, इससे अंततः भारत में इतने लम्बे समय तक, आजादी के 75 वर्षों के बाद भी, श्रमिकों के साथ अन्याय किया जाता रहा है। इससे भारत में औद्योगिक प्रगति भी एक तरह से बाधित ही होती रही है और आर्थिक प्रगति को भी कहीं न कहीं विपरीत रूप से प्रभावित करती रही है। उक्त चार श्रम सहिताओं को लागू करने के बाद औपनिवेशिक सोच को पीछे छोड़कर नए भारत की नींव रखने का प्रयास किय जा रहा है। साथ ही, आधुनिक वैश्विक प्रवाह के साथ तालमेल बिठाने की लंबे समय से चली आ रही जरूरत को पूरा किया जा रहा है। उक्त चार संहिताएं मिलकर मजदूरों और कंपनियों दोनों को मजबूत बनाएंगे एवं एक ऐसा श्रमबल तैयार करेंगे जो सुरक्षित, उत्पादक और काम की बदलती हुई दुनिया के साथ तालमेल बिठाएंगे, इससे भारत को अधिक मजबूत, प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता साफ होगा।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी एक अनुसंधान प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत में उक्त चार श्रम सहिताओं को लागू करने के बाद बेरोजगारी की दर में कमी होगी, रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे, बढ़ी संख्या में अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहा श्रमबल औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित होगा और इससे उनकी मजदूरी की दर में वृद्धि होगी, श्रमिकों की बचत की क्षमता में वृद्धि होगी एवं उनकी खर्च करने की क्षमता भी बढ़ेगी। इससे कुल मिलाकर देश में विभिन्न उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होगी। उक्त अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, वर्तमान में, भारत में लगभग 44 करोड़ श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, इनमें से 31 करोड़ श्रमिक भारत के ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं। उक्त श्रमिकों में से यदि केवल 20 प्रतिशत श्रमिक ही अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित हो जाएं तो लगभग 10 करोड़ श्रमिक औपचारिक क्षेत्र में बढ़ जाएंगे, जिससे उन्हें बढ़ी हुई दर से मजदूरी एवं सेवा निवृत्ति के समस्त लाभ मिलना प्रारम्भ हो जाएंगे। इससे अंततः भारत में कुल कार्यरत श्रमिकों में से 80-85 प्रतिशत श्रमिक भारत की सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल हो जाएंगे। एक अन्य अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, आज भारत में कुल श्रमिकों का लगभग 60.4 प्रतिशत भाग औपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहा है, उक्त वर्णित चार श्रम संहिताओं के लागू होने के बाद अनौपचारिक क्षेत्र में से लगभग 15.1 प्रतिशत भाग औपचारिक क्षेत्र में शामिल हो जाने वाला है। इस प्रकार, औपचारिक क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमबल की संख्या बढ़कर 75.5 प्रतिशत हो जाएगी।

भारतीय स्टेट बैंक के उक्त वर्णित अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, भारत में चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद आगे आने वाले समय में बेरोजगारी की दर में भी लगभग 1.3 प्रतिशत तक की कमी दर्ज हो सकती है क्योंकि देश में रोजगार के लगभग 77 लाख नए अवसर निर्मित होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इससे, कार्य कर सकने वाली उम्र के श्रमिकों की संख्या भी 60.1 प्रतिशत से बढ़कर 70.7 प्रतिशत तक पहुंचने की सम्भावना है। श्रमिकों के अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित होने के कारण श्रमिकों की उपभोग क्षमता में भी वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस संदर्भ किए गए अनुसंधान के अनुसार, प्रत्येक श्रमिक की प्रतिदिन लगभग 66 रुपए की अतिरिक्त खर्च करने की क्षमता में वृद्धि दर्ज होगी और इससे कुल मिलाकर पूरे देश में लगभग 75,000 करोड़ रुपए की विभिन्न उत्पादों की अतिरिक्त मांग निर्मित होगी।

भारत में लागू की गई चार श्रम संहिताओं के बाद समस्त कामगारों को नियुक्ति पत्र प्रदान करना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि श्रमिकों को औपचारिक क्षेत्र में मिलने वाले समस्त लाभ मिल सकें। साथ ही, रोजगार के सम्बंध में लिखित में सबूत उत्पन्न होने से पारदर्शिता तथा श्रमिकों को रोजगार की गारंटी एवं पक्का रोजगार उपलब्ध होगा। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों सहित समस्त कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के लाभ उपलब्ध होंगे। सभी कामगारों को पीएफ, ईएसआईसी, बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलने प्रारम्भ होंगे। वर्तमान में श्रमिकों का एक बड़ा वर्ग न्यूनतम मजदूरी की सीमा से बाहर रखा जा रहा था क्योंकि न्यूनतम मजदूरी केवल अधिसूचित उद्योगों/रोजगार पर ही लागू थी। परंतु, अब वेतन संहिता, 2019 के अंतर्गत, समस्त कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन भुगतान पाने का कानूनी अधिकार प्रदान कर दिया गया है। न्यूनतम मजदूरी एवं समय पर वेतन के भुगतान से श्रमिकों की वित्तीय सुरक्षा को बेहतर किया जा सकेगा। साथ ही, अब नियोक्ताओं के लिए 40 वर्ष से अधिक की आयु के समस्त कर्मचारियों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच कराना आवश्यक कर दिया गया है। समय पर निवारक स्वास्थ्य सेवा संस्कृति को विकसित किया जाना ही चाहिए।

महिला कार्यबल को सभी स्थानों पर समस्त प्रकार के काम करने की इजाजत दे दी गई है, लेकिन इसके लिए सबंधित मातृशक्ति की सहमति होना अनिवार्य किया गया है एवं मातृशक्ति के आवश्यक सुरक्षा उपाय भी किए जाना आवश्यक होगा। साथ ही, कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी औपचारिक क्षेत्र में शामिल होने वाले श्रमिकों को प्रदान किए गए हैं।

आज भारतीय अर्थव्यवस्था, पूरे विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच, सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गई है और भारत आज प्रयासरत है कि देश में बड़े आकार के उद्योगों का जाल फैले ताकि भारत के विकास में उद्योग क्षेत्र का योगदान भी बढ़े। उद्योग क्षेत्र में सामान्यतः श्रमिकों का शोषण किए जाने की कई घटनाएं सामने आती रही हैं। अतः श्रमिकों के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से एवं देश में उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उक्त चार श्रम संहिताओं को लागू किया गया है। भारत के श्रमिकों को आज वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में लागू मानदंडो पर अपने आप को खरा उतारना होगा। इसके बाद ही भारत में निर्मित उत्पाद विश्व के अन्य देशों में निर्मित उत्पादों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। कुल मिलाकर भारतीय उद्योग को वैश्विक स्तर पर ले जाने में श्रमिकों की अहम भूमिका रहने वाली है अतः उनके हितों की देखरेख भी उचित तरीके से किया जाना आवश्यक है। चार श्रम संहिताएं इस दृष्टि से अपनी सार्थक भूमिका निभाएंगी, ऐसी उम्मीद की जा रही है।

हालांकि पिछले दशक में, भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज का व्यापक विस्तार किया गया है, इससे सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल कार्यबल की संख्या वर्ष 2015 के लगभग 19 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गई है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया गया है कि देश भर के श्रमिकों को सुरक्षा और सम्मान मिले और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्राप्त की गई उक्त बड़ी उपलब्धि के लिए भारत ने वैश्विक स्तर पर मान्यता भी अर्जित की है। चार श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इस व्यापक बदलाव में अगला बड़ा कदम है, जो सामाजिक सुरक्षा की प्रणाली को और सशक्त करता है और राज्यों तथा सेक्टरों तक विभिन्न लाभों को पहुंचाता है। विस्तारित सामाजिक सुरक्षा, मजबूत सुरक्षा और अधिकारों की राष्ट्रव्यापी पोर्टेबिलिटी के साथ, संहिता श्रमिकों, विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं, असंगठित, गिग और प्रवासी श्रमिकों को श्रम शासन के केंद्र में मजबूती से रखती है। अनुपालन के बोझ को कम करके और लचीली, आधुनिक कार्य प्रणाली को सक्षम करके, यह संहिता रोजगार, कौशल और उद्योग विकास को बढ़ावा देती है और एक श्रमिक समर्थक, महिला समर्थक, युवा समर्थक और रोजगार समर्थक श्रम-इकोसिस्?टम की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

संपादकीय

जी-20 की प्रासंगिकता काफी घट चुकी

जी-20 की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न लगातार गहरा रहे हैं। इस मंच के साझा वक्तव्य हर गुजरते वर्ष के साथ अपना वजन गंवाते चले गए हैं। ट्रंप काल में अमेरिका के बदले नजरिए ने इस प्रक्रिया को और तेजी दे दी है। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन से संकेत देने की कोशिश हुई कि अमेरिका के बिना भी दुनिया चल सकती है। दक्षिण अफ्रीका में श्वेत समुदाय पर अत्याचार का आरोप लगाते हुए डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस समिट का बहिष्कार किया। उसी क्रम में उसने दो टूक कहा कि इस सम्मेलन में कोई साझा वक्तव्य जारी नहीं होना चाहिए। फिर भी बाकी सदस्य देशों के प्रतिनिधि ना सिर्फ जोहान्सबर्ग गए, बल्कि उन्होंने साझा वक्तव्य भी जारी किया। उधर दक्षिण अफ्रीका ने अमेरिका के जूनियर प्रतिनिधि को अगले वर्ष की मेजबानी सौंपने से इनकार कर दिया। कहा कि यह औपचारिकता कम-से-कम विदेश मंत्री स्तर पर निभाई जाएगी।

बहरहाल, जोहान्सबर्ग में जो हुआ, उसका प्रतीकात्मक महत्त्व ही है। वरना, एक तो जी-20 की प्रासंगिकता काफी घट चुकी है, दूसरे अमेरिकी उपस्थिति के बिना इसका रहा-सहा महत्त्व भी संदिग्ध हो जाता है। शिखर सम्मेलन स्तर पर जी-20 का आयोजन 2008 की महामंदी के बाद शुरू हुआ था। तब मकसद साझा प्रयास से विश्व अर्थव्यवस्था को संभालना था। तब दुनिया एक ध्रुवीय थी, जिसके तहत लागू श्रम विभाजन में अमेरिका स्थित संस्थाओं ने विभिन्न देशों की भूमिका तय कर रखी थी। मगर उस मंदी ने तत्कालीन समीकरणों को स्थायी रूप से बदल दिया। धीरे-धीरे बनती गई बहु-ध्रुवीय दुनिया में जी-20 के मंच पर आम सहमति बनाना कठिन होता गया है। यूक्रेन युद्ध, अमेरिका- चीन के बीच बढ़े टकराव, गजा में मानव-संहार, और विभिन्न क्षेत्रों में उभरे हॉट-स्पॉट्स के सिलसिले में यह मंच कोई सार्थक भूमिका नहीं निभा पाया है। ट्रंप काल में अमेरिका के बदले नजरिए से ऐसे बहुपक्षीय मंचों की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न और गहरे हो गए हैं। यही कारण है कि जी-20 के साझा वक्तव्य हर गुजरते वर्ष के साथ अपना वजन गंवाते जा रहे हैं। यह सिलसिला जोहोन्सबर्ग में और आगे बढ़ा। अगले वर्ष मयामी में जब अमेरिका इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, तब भी कहानी इससे बहुत अलग नहीं होगी। ट्रंप काल में अमेरिका अपनी विश्व भूमिका को आमूल रूप से बदल रहा है। उसमें जी-20 जैसे मंच उसे सहायक नहीं लगते, तो इस हकीकत को समझा जा सकता है।

चिंतन-मनन

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऐसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

स्वयंसेवा वह सॉफ्टवेयर जो दुनिया को क्रैश होने से बचाता है

दिलीप कुमार पाठक

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा हर साल 5 दिसंबर को स्थापित अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस स्वयंसेवकों के महत्वपूर्ण, निस्वार्थ योगदान को स्वीकार करने और उसे बढ़ावा देने का एक वैश्विक अवसर है।

समाज में स्वयंसेवा की आवश्यकता और महत्व से हम सभी भली-भांति परिचित हैं। जब कोरोना महामारी, विनाशकारी बाढ़, भूकंप जैसी भीषण आपदाएं आती हैं, तब सरकारी तंत्र के साथ-साथ स्वयंसेवक ही तत्काल राहत की बागडोर संभालते हैं। वे अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर समाज की सामूहिक ज़िम्मेदारी का निर्वहन करते हैं, क्योंकि कोई भी सरकार अकेले हर चुनौती का सामना प्रभावी ढंग से नहीं कर सकती। स्वयंसेवा केवल संकटकालीन प्रतिक्रिया तक ही सीमित नहीं है; यह सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है, हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाती है और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह नागरिकों में ज़िम्मेदारी की भावना जागृत करती है और मानवीय एकजुटता का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल स्वयंसेवा के माध्यम से समग्र मानवता की बेहतरी के लिए बदलाव लाने की सामूहिक क्षमता की एक याद दिलाती है। यह विशेष दिन उन अनगिनत व्यक्तियों को सम्मानित करता है जो निस्वार्थ सेवा के लिए अपना बहुमूल्य समय समाज एवं मानवता के लिए समर्पित करते हैं। कई चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद, वे अक्सर बिना किसी प्रचार या पहचान के अपना महत्वपूर्ण कार्य जारी रखते हैं। ये सभी स्वयंसेवक समाज के उत्थान के लिए अथक प्रयास करते हैं, और यह उल्लेखनीय है कि अधिकांश स्वयंसेवक अवैतनिक होते हैं, मतलब उन्हें इसके लिए कोई वेतन नहीं मिलता, बस समाज प्रेम का एक जज्बा होता है'

उनके कार्यों में विविधता शामिल है, जैसे जानवरों को बचाना, बुजुर्गों की सहायता करना, गरीबों की मदद करना और वंचितों को शिक्षित करना। विश्व स्तर पर, एक अरब से भी अधिक लोग अपने समुदायों को बेहतर बनाने के लिए अपना समय, प्रतिभा और ज्ञान का योगदान देते हैं। स्वयंसेवक समाज के हर स्तर और क्षेत्र में मौजूद हैं – वे वंचित बच्चों और वयस्कों को व्यावहारिक देखभाल प्रदान करने से लेकर जटिल तकनीकी और कानूनी मुद्दों पर विशेषज्ञ सलाह देने तक, हर तरह से मदद करते हैं। हर व्यक्ति अपने साथ कुछ अनूठा कौशल और अनुभव लेकर आता है, जिससे सामूहिक प्रयास और मजबूत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव ने इस विशेष दिन पर स्वयंसेवकों के अमूल्य योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा कि वे विकास चुनौतियों और आम भलाई के लिए ठोस और व्यावहारिक समाधान लेकर आते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा वैश्विक स्तर पर स्वयंसेवकों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदानों को औपचारिक रूप से मान्यता देने वाली पहली संस्था थी। मानवीय प्रयासों और सतत आर्थिक व सामाजिक विकास में स्वयंसेवा की शक्ति को स्वीकार करते हुए, महासभा ने 17 दिसंबर 1985 को एक ऐतिहासिक प्रस्ताव 40/212 अपनाया। इस प्रस्ताव के परिणामस्वरूप, हर साल 5 दिसंबर को आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के रूप में नामित किया गया। यह दिवस स्वयंसेवकों से जुड़े संगठनों और व्यक्तिगत स्वयंसेवकों को स्वयंसेवा के महत्व को बढ़ावा देने, सरकारों को इन प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के स्वयंसेवकों के समर्पण को पहचानने का अवसर प्रदान करता है। सरकारों, नागरिक समाज संगठनों और संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक कार्यक्रम जैसे संस्थानों ने स्वयंसेवी कार्य के महत्व के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस वैश्विक उत्सव का उद्देश्य दुनिया भर के लाखों स्वयंसेवकों को श्रद्धांजलि देना है, जो गरीबी, असमानता और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अपना बहुमूल्य समय और प्रयास स्वेच्छा से समर्पित करते हैं। नतीजतन, आज दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग सक्रिय रूप से विभिन्न स्तरों (स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) पर स्वेच्छा से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं, जिससे समुदायों में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

स्वयं सेवा से जुड़े लोगों का उद्देश्य बहुत विशाल है, जो बेहतर दुनिया के लिए संकल्पित है, जैसे गरीबी समाप्त करना, सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा स्थापित करना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, महिलाओं को मतदान का अधिकार प्रदान करना, शिशु मृत्यु दर को कम करना, मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, एचआईवी/एड्स, मलेरिया, डेंगू और अन्य गंभीर बीमारियों के प्रसार को रोकना, साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना। हम सभी को उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करना चाहिए और उन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। उनका काम दूसरों को खुश करता है और हमें सुरक्षित रखता है। हम इस दिन इन सामाजिक चेतना सम्पन्न एवं समाज के लिए संकल्पित लोगों का सम्मान करते हैं।

ओटीटी की अश्लीलता - साहित्य परिषद् व सर्वोच्च न्यायालय गंभीर

डॉ. प्रवीण दाताराम

नवम्बर माह में विमर्श क्षेत्र में दो बड़ी घटनाएँ घटी। दोनों अति महत्वपूर्ण हैं और दोनों ही में गहन अंतरसंबंध है।

घटना एक - नवंबर प्रारंभ मे अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने अपने 17 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित हो रही अश्लील, संस्कृति विरोधी सामग्री के विरुद्ध अपनी चिंता प्रकट की और इसके विरुद्ध एक प्रस्ताव पारित कर राष्ट्र के शासन, प्रशासन, जनता के समक्ष अपनी चिंता को प्रकट किया है। अभासाप अर्थात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवैचारिक संगठन, अखिल भारतीय साहित्य परिषद्। यह संगठन भारत में जन्मी सभी भाषा, बोलियों, लिपियों के सरंक्षण, संवर्धन, संवरण का कार्य करता है। अपने षष्ठिपूर्ति वर्ष की ओर बढ़ रहे इस संगठन का ताप, व्याप और आलाप समूचे विश्व में देखा-सुना जा सकता है।

घटना दो - नवम्बर के अंत में ही, देश के उच्चतम न्यायालय ने भी भारतीय ओटीटी नियमन, इस पर प्रसारित हो रही अश्लीलता व मूल्यहीनता पर चिंता प्रकट की है।

भारतीय समाज जैसे संज्ञावान, प्रज्ञावान समाज में ऐसी स्थिति बनी ही क्यों? इस प्रश्न का उत्तर स्वयं समाज को खोजना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और संघ के संवैचारिक संगठन समाज की किसी भी समस्या के सदंर्भ में एक सीमा तक चुप ही रहते हैं किंतु समाज में 'असंगत घटनाओं' के संदर्भ में अदृश्य रूप से विमर्श अवश्य जागृत करते रहते हैं। जब इस विमर्श से भी काम नहीं चलता एवं समाज जागृत नहीं होता है तब ही संघ या संघ के संवैचारिक संगठन सार्वजनिक रूप से किसी कार्य के सूत्रों को अपने हाथों में लेते हैं। ऐसी स्थिति में भी संघ सूत्रधार तो रहता है किंतु उसे नेपथ्य में ही रहना रुचिकर लगता है। इस हेतु से ही साहित्य परिषद् ने ओटीटी की अश्लीलता, गेमिंग एप्स के घातक परिणामों के प्रति समाज जागरण का यह कार्य प्रारंभ किया है।

ये दोनों ही घटनाएँ एक स्वस्थ, संपन्न, व समृद्ध राष्ट्र हेतु एक शुभ लक्षण हैं। यद्यपि इस प्रकार का प्रसारण प्रारंभ ही नहीं होना चाहिए था। अब शीघ्र ही बंद हो ही जाना चाहिए।

साहित्य परिषद् ने समाज में भौतिकता वादी शक्तियों, बाजारवाद, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की नकारात्मकता, समाज विरोधी स्वरूप, जीवन मूल्य विहीन प्रसारण आदि पर अपनी चिंता, राष्ट्र के समक्ष प्रकट की है।

साहित्य परिषद् ने मनोरंजन के नाम पर प्रसारित इस गंदगी को अत्यंत लज्जास्पद एवं निंदनीय बताया है। परिषद् ने चेताया है कि, ये सामग्री युवावर्ग और बालमन व मस्तिष्क में उग्रता, अश्लीलता, विकृत यौनाचार और नशाखोरी जैसे दुराचारों को महिमा मंडित कर उन्हें अधोपतन की ओर अग्रसित कर रही है। इन माध्यमों में प्रदर्शित अधिकांश दृश्य व सामग्री नकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने वाली होती है। साहित्य परिषद् ने ओटीटी के माध्यम से चल रहे गेमिंग एप्स और उससे बढ़ रही आत्महत्या की प्रवृत्ति को भी राष्ट्र के संज्ञान में लाया है। परिषद् ने अपने पारित प्रस्ताव में ओटीटी पर प्रसारित होने वाली अधिकांश सामग्री को भारतीय जीवन मूल्यों पर आघात करने वाली, राष्ट्र के स्वरूप व छवि को विकृत करके प्रस्तुत करने वाली सामग्री बताते हुए अपनी चिंता प्रकट की है। परिषद् ने कहा है कि ऐसी सामग्री का अनियंत्रित प्रसारण समाज एवं राष्ट्र जीवन के लिए अत्यधिक घातक है।

विगत कुछ वर्षों में भारत राष्ट्र में 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के नाम पर कुछ भी वितंडा उत्पन्न किए जा रहे हैं। 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के पश्चिम कुबोध ने या यूँ कहे कि इसकी 'पश्चिमी प्रेत छाया'' ने भारत में अभिव्यक्ति के अर्थों को पुनर्परिभाषित की आवश्यकता इंगित कर दी है। अब समाज इस अभिव्यक्ति को पुनर्परिभाषित करे या यूँ ही ओटीटी पर अश्लीलता व ऑनलाइन गेमिंग से बर्बाद होती अपनी पीढ़ी के प्रति आँखे मूँदे रहे; यही दो मार्ग हैं। एक मार्ग चुनना है, विकास या विनाश; यही युगधर्म है।

इस अनुरूप साहित्य परिषद् ने कहा है - 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि समाज की गरिमा और नैतिकता को नष्ट करने की छूट दी जाए। स्वतंत्रता और अनुशासन, सृजन और मयार्दा, ये दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।' साहित्य परिषद् ने अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में आगामी तीन वर्षों हेतु 'आत्मबोध से विश्वबोध' पर चिंतन, मनन, अध्ययन का वैचारिक मार्ग निश्चित किया है। आत्मबोध करते हुए ही यह विकृति ध्यान में आती है। भारत राष्ट्र की, जन-मन की विश्वबोध क्षमता के प्रकटीकरण, विश्वगुरु बनने के मार्ग पर अग्रसर होने के मध्य निश्चित ही यह चिंतनीय प्रस्ताव और यह मांगपत्र स्वयं में एक प्रकाशस्तम्भ की भाँति समाज का मार्ग आलोकित कर रहा है।

साहित्य परिषद् ने भारत सरकार से, राज्य सरकारों से माँग की है कि

1. ओ टी टी प्लेटफॉर्म एवं गेमिंग एप्पस पर प्रसारित होने वाली प्रत्येक सामग्री के परीक्षण, नियमन, और वर्गीकरण हेतु शासन द्वारा एक सशक्त, स्वायत्त विधायी नियामक संस्था का गठन किया जाए।
2. डिजिटल माध्यमों में प्रस्तुत किसी भी दृश्य संवाद याविवार को भारत की संविधानिक गरिमा, धार्मिक आस्था, सातकृतिक मूल्यों या सामाजिक मयार्दा और सनातन परंपरा को आहत करते हों, उन पर कड़ी निगरानी रखी जाए।
3. किशोरों और युवाओं के लिए उपयुक्त सामग्री के आयु आधारित नियंत्रण तंत्र को अनिवार्य बनाया जाए।
4. जो मंच या माध्यम अश्रीलता, हिंसा, नशाखोरी या विकृत जीवन मूल्यों का प्रचार करते हैं, उनके विरुद्ध कठोर कानूनी दंडात्मक कार्रवाई की जाए।
5. भारतीय भाषाओं और संस्कृति के संवर्द्धन हेतु भारतीय मूल्यों पर आधारित वैकल्पिक मनोरंजन माध्यमों को प्रोत्साहित किया जाए।

इधर अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने यह प्रस्ताव पारित किया और उधर संयोगवश देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस संदर्भ में अपनी गहन चिंता का सार्वजनिक प्रकटीकरण कर दिया है।

मान. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया और अन्य द्वारा इंडियाज गॉट लेटेंट शो में कथित अश्लील कंटेंट से जुड़ी एफआईआर के संदर्भ में चल रहे केस के संदर्भ में यह बातें कहीं है।

न्यायालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री को लेकर चिंता प्रकट करते हुए सरकार से इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय बनाने या वर्तमान नियमों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बाल दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए और अश्लील सामग्री के लिए हमेशा पहले से चेतावनी दी जानी चाहिए। मान. सर्वोच्च न्यायाधीश ने कहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अमूल्य अधिकार है किंतु यह विकृति का कारण नहीं बन सकती।

क्या आप भी सर्दियों में आग पर हाथ सेकते हैं?

छोटी सी लापरवाही हो सकती है जानलेवा

सर्दियों के दिनों में आग जलाकर हाथ या शरीर सेकना ठंडी से राहत पाने का एक आम तरीका है। मगर इसके कुछ दुष्प्रभाव भी हैं और साथ कुछ सावधानियां बरतनी भी बहुत जरूरी है वरना छोटी सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। हाल ही में कानपुर में घटी एक दुखद घटना इस खतरे की गंभीरता को उजागर किया है, जहां चार लोग कमरे में कोयला जलाकर सो गए और दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

यह घटना स्पष्ट रूप से दिखाती है कि बंद जगह पर आग या कोयला जलाना कितना खतरनाक हो सकता है। कोयला या लकड़ी जैसे कार्बनिक पदार्थ जब जलते हैं, तो वे कार्बन मोनोऑक्साइड नामक एक रंगहीन, गंधहीन और अत्यंत जहरीली गैस उत्पन्न करते हैं। यह गैस कमरे की ऑक्सीजन को तेजी से सोख लेती है, जिससे दम घुटने लगता है। इसके अलावा आग के बहुत करीब बैठना या सीधे ऊष्मा लेना आपकी त्वचा और श्वसन स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर नुकसान पैदा कर सकता है। इसलिए आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कार्बन मोनोऑक्साइड का खतरा

कानपुर की घटना से हमें यह सबक लेना चाहिए कि बंद कमरा मौत का जाल बन सकता है। कोयला जलाने पर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस बनती है, जो दबे पांव हवा में फैल जाती है। यह गैस हमारे खून में ऑक्सीजन की जगह ले लेती है, जिससे शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती और व्यक्ति सोए हुए ही दम घुटने से मर जाता है। बंद जगह पर बिना वेंटिलेशन के आग जलाना सबसे बड़ी जानलेवा लापरवाही है।

त्वचा को नुकसान

आग से सीधे हाथ सेकने का सबसे पहला नुकसान त्वचा को होता है। तेज, सीधी गर्मी त्वचा की प्राकृतिक नमी और तेल (सीबम) को तुरंत खत्म कर देती है, जिससे त्वचा रूखी हो जाती है। लंबे समय तक ऐसा करने से त्वचा पर काले या जालीदार धब्बे पड़ सकते हैं, जिसे 'एरिथेमा एब् इग्ने' या 'टोस्टेड स्किन सिंड्रोम' कहते हैं।

श्वसन और हृदय स्वास्थ्य पर असर

खुले में या बंद जगह पर जलाए गए कोयले या लकड़ी से निकलने वाला धुआं श्वसन तंत्र के लिए बहुत नुकसानदायक होता है। इसमें मौजूद पीएम2.5 के कण फेफड़ों में सूजन पैदा करते हैं और अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी सांस की समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। यह हृदय पर भी अनावश्यक दबाव डालता है।

जरूर बरतें ये सावधानियां–

- आग और हीटर इस्तेमाल करते समय ये सावधानियां जरूर बरती जानी चाहिए–
- कभी भी बंद कमरे या बिना वेंटिलेशन (हवा आने–जाने की जगह) वाले स्थान पर आग, कोयला या हीटर न जलाएं।
- अगर आप रूम हीटर का उपयोग कर रहे हैं, तो दम घुटने के खतरे से बचने के लिए खिड़की को थोड़ा खुला रखें।
- आग या हीटर सेकते समय हमेशा शरीर से उचित और सुरक्षित दूरी बनाए रखें, ताकि त्वचा को सीधे गर्मी से नुकसान न पहुंचे।
- आग सेकने के बजाय, शरीर को गर्म रखने के लिए गर्म कपड़े, हीटिंग पैड या हर्बल चाय (गरम पेय) का सेवन करें।

गंजेपन से पाना चाहते हैं छुटकारा तो आजमाएं ये टिप्स

आजकल कम उम्र में ही बाल झड़ने और गंजेपन की समस्या बढ़ती जा रही है। इससे सभी लोग विशेषकर युवा परेशान हैं। हर दूसरे युवा के लिए यह एक एक गंभीर समस्या बन गयी है। खाने पीने मे लापरवाही और बदलते मौसम के चलते बाल झड़ने की समस्या आम बात है हालांकि फैशनेबल और स्टाइलिश लुक की चाहत रखने वाले युवाओं के लिए यह परेशानी एक गंभीर समस्या हैं। अगर आप भी ऐसी ही किसी परेशानी से दो–चार हो रहे हैं और जल्द ही इसका उपाय चाहते हैं तो अदरक का ये नुस्खा आपकी मदद कर सकता है।

अगर आप बाल घने करने के लिए कई तेल और दवा खाकर देख चुके हैं तो इसे भी अदरक आजमा कर देखिए। जानिए इस नुस्खे को बनाने का तरीका ताकि आप भी कम बालों या गंजेपन के चलते शर्मिंदा होने से बचे रह सकें।

अदरक एक एंटी बैक्टीरियल औषधि माना जाता है। अदरक एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने की वजह से इसके प्राकृतिक गुण बालों को झड़ने से भी रोकते हैं। गंजेपन की समस्या से निजात पाने के लिए आप अदरक के रस को नींबू के रस में मिलाकर बालों में लगाएं। ऐसा करने से बालों से डैंड्रफ की समस्या भी दूर होगी और बाल झड़ने बंद हो जाएंगे।

बालों में अदरक लगाते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि इसके रस का एसिडिक नेचर का होने की वजह से ये आपके बालों में खारिश कर सकता है, इसलिए अदरक का जूस लगाने के बाद हमेशा अपने बालों को अच्छी तरह से धोना चाहिए।

बच्चों-बुजुर्गों के लिए

जानलेवा हो सकती है निमोनिया, बचे रहने के लिए जरूर करें ये उपाय

सर्दियों का ये मौसम सेहत के लिए कई प्रकार की दिक्कतें बढ़ाने वाला माना जाता है। विशेषतौर पर बच्चों और बुजुर्गों को इस मौसम में खास सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है। तापमान गिरने के साथ ही हवा में नमी बढ़ने लगती है जिससे वायरस और बैक्टीरिया तेजी से सक्रिय हो जाते हैं। यही कारण है कि इस मौसम में निमोनिया का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

निमोनिया फेफड़ों का गंभीर संक्रमण है, जो वायरस, बैक्टीरिया या फंगस किसी भी कारण से हो सकता है। इसके कारण तेज बुखार, खांसी, सांस लेने में दिक्कत और सीने में दर्द जैसी समस्याएं होती हैं। बुजुर्गों और पहले से ही सांस की समस्याओं के शिकार लोगों के लिए ये बीमारी खतरनाक और जानलेवा तक हो सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में हर साल 5 साल से कम उम्र के लगभग 7 लाख बच्चों की मौत निमोनिया से होती है। ठंड के मौसम में इस बीमारी का प्रकोप अधिक देखा जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी माता–पिता को इन दिनों में बच्चों को निमोनिया से बचाने के उपाय करते रहने की सलाह देते हैं।

ठंड के दिनों में बढ़ जाता है निमोनिया का खतरा

हार्वर्ड मेडिसिन की रिपोर्ट से पता चलता है कि ठंड के दिनों में बच्चे घरों में अधिक समय बिताते हैं, जिससे संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा इस मौसम में धूप से मिलने वाले विटामिन डी की कमी, प्रदूषण और धुएं का संपर्क भी बच्चों के फेफड़ों को कमजोर बनाता है। खराब भोजन, गंदा पानी और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली जैसी स्थितियां निमोनिया संक्रमण को और भी आसान बना देती हैं।

क्या कहते हैं श्वसन रोग विशेषज्ञ?

अमर उजाला से बातचीत में श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ एन.आर.चौहान बताते हैं, ठंड के कारण निमोनिया नहीं होता, बल्कि यह मौसम ऐसी स्थितियां पैदा कर देता है जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। हवा में बढ़ता सूखापन सांस की नली और फेफड़ों में जलन पैदा करती है, जिससे उनमें संक्रमण होने का जोखिम हो सकता है।

इसके अलावा लोग ठंड से बचाव के लिए घरों के अंदर रहते हैं, यहां एक व्यक्ति से दूसरे में संक्रमण फैलने का खतरा अधिक होता है। इसके अलावा डायबिटीज, सीओपीडी और अस्थमा जैसे मरीजों के इस बीमारी से ग्रस्त होने का जोखिम अधिक हो सकता है।

निमोनिया वैसे तो किसी भी उम्र में हो सकता है, पर बच्चों और बुजुर्गों में इसका जोखिम सबसे अधिक देखा जाता रहा है। निमोनिया से बचे रहने के लिए कुछ उपाय जरूर किए जाने चाहिए।

निमोनिया से बचाव के लिए लगवाएं वैक्सीन

निमोनिया से बचाव के टीका लगवाना सबसे अच्छे और प्रभावी तरीकों में से एक है। डॉक्टर की सलाह पर न्यूमोकोकल और इन्फ्लूएंजा वैक्सीन की मदद से संक्रमण की गंभीरता को कम करने में मदद मिलती है। जन्म के बाद समय पर सभी वैक्सीन लगवाना बच्चे की सुरक्षा की सबसे मजबूत दीवार मानी जाती है। इसके अलावा छोटे बच्चों को निमोनिया से बचाने के लिए ठंड से बचाना जरूरी है। बच्चे का शरीर गर्म रखें। बच्चे के हाथ बार–बार धोना, खिलौने साफ रखना और संक्रमित लोगों से दूरी बनाए रखना संक्रमण रोकने में मदद करता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

डॉक्टर बताते हैं, निमोनिया से बचाव के लिए साफ–सफाई का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी माना जाता है। अच्छी तरह हाथ धोना, मास्क पहनना और फ्लू जैसी बीमारी वाले लोगों के संपर्क में आने से बचने के तरीके अपनाकर आप संक्रमण के खतरे को काफी कम कर सकते हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि मां का दूध 6 महीने तक बच्चे की प्रतिरक्षा को मजबूत रखता है। इसमें मौजूद इम्युनोग्लोबुलिन्स, एंटीबॉडी बच्चे को संक्रमण से बचाते हैं इसलिए नवजात बच्चों को मां का दूध ही दें। बड़े बच्चों को विटामिन सी, विटामिन डी और जिंक से भरपूर आहार देना चाहिए, जो फेफड़ों की मजबूती बढ़ाते हैं।

अगर किसी को कुछ दिनों से बलगम के साथ खांसी और बुखार की दिक्कत है, सांस की तकलीफ है जो सामान्य गतिविधियों को करते समय अधिक हो जाती है या फिर सीने में दर्द बना रहता है तो इस बारे में डॉक्टरी सलाह जरूर ले लें।

आंखों से धुंधला दिखना हो सकता है किडनी फेलियर का संकेत, इन चार लक्षणों को न करें नजरअंदाज

किडनी और आंखें दोनों ही रक्त वाहिकाओं के जटिल जाल पर निर्भर करती हैं। जब किडनी ठीक से काम नहीं करती, तो यह ब्लड प्रेशर को बढ़ा देती है, जिससे आंखों की सबसे संवेदनशील वाहिकाओं (खासकर रेटिना में) को नुकसान पहुंचता है, जिसे हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी कहते हैं।

इसलिए अगर आपको बिना किसी स्पष्ट कारण के धुंधला दिखना शुरू हो गया है, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह सिर्फ आंखों की समस्या नहीं, बल्कि किडनी की गंभीर समस्या का अलार्म हो सकता है। समय पर इन लक्षणों को पहचानना और डॉक्टर से सलाह लेना किडनी फेलियर जैसे बड़े खतरे से बचा सकता है।

आंखों से धुंधला दिखना और सूजन

किडनी डैमेज का एक प्रमुख अप्रत्यक्ष लक्षण आंखों से धुंधला दिखना है, जो हाई बीपी के कारण रेटिना में प्रभावित करता है। दूसरा संकेत आंखों के नीचे या चेहरे पर सूजन आना है। यह सूजन तब होती है जब किडनी प्रोटीन और तरल पदार्थ को ठीक से फिल्टर नहीं कर पाती और वे ऊतकों में जमा होने लगते हैं।

लगातार खुजली और रूखी त्वचा

किडनी जब अपशिष्ट उत्पादों को रक्त से बाहर नहीं निकाल पाती, तो ये टॉक्सिन्स शरीर में जमा होने लगते हैं। इन टॉक्सिन्स के कारण त्वचा में गंभीर और लगातार खुजली महसूस हो सकती है। इसके साथ ही त्वचा बहुत रूखी या बेजान दिखने लगती है।

नींद में समस्या

किडनी की कार्यक्षमता बिगड़ने पर खून में टॉक्सिन्स का जमाव बढ़ जाता है। इन टॉक्सिन्स के कारण स्लिप साइकल बाधित होती है। किडनी के मरीजों को अक्सर सोने में कठिनाई होती है या उन्हें रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम (आरएलएस) का अनुभव होता है। यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है जिसमें पैरों को हिलाने की एक तीव्र, अनियंत्रित इच्छा होती है, खासकर शाम या रात में जब आप बैठे या लेटे होते हैं।

थकान और एकाग्रता में कमी

किडनी के ठीक से काम न करने पर शरीर में एनीमिया हो जाता है, क्योंकि किडनी पर्याप्त लाल रक्त कोशिकाएं बनाने वाले हार्मोन (एरिथ्रोपोइटिन) का उत्पादन नहीं कर पाती। एनीमिया के कारण शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है, जिससे अत्यधिक थकान, कमजोरी और एकाग्रता में कमी महसूस होती है। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

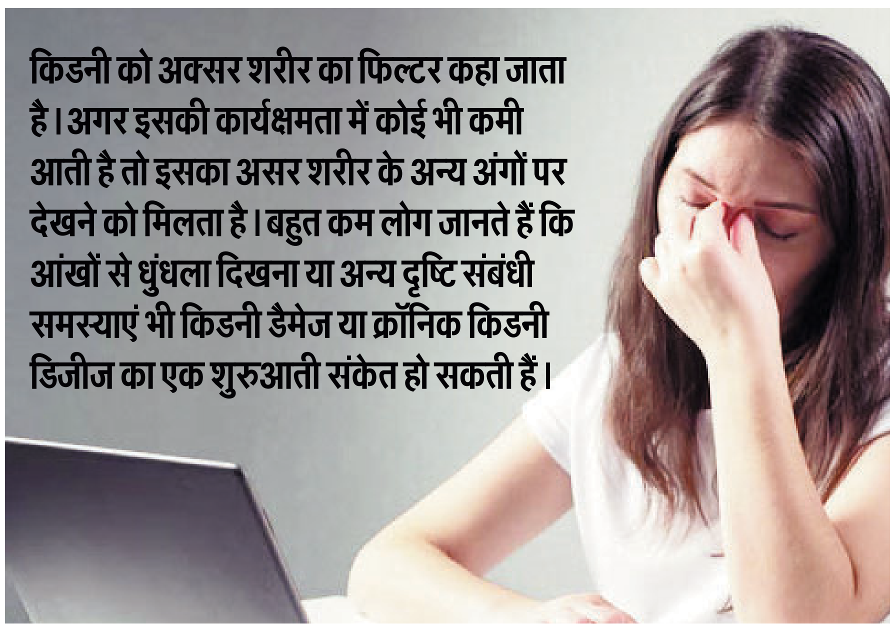

क्या आपको चाय पीते ही होने लगती है एसिडिटी और गैस? डॉक्टर से जानें सुबह के चाय के नियम

भारत में चाय केवल एक पेय नहीं, बल्कि बहुत से लोगों के लिए इमोशन है। बहुत से ऐसे लोग हैं जो रोज सुबह चाय पीना पसंद करेत हैं। हालांकि विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि चाय या कॉफी पीने के गलत तरीके से पेट में एसिडिटी और एसिड रिफ्लक्स की समस्याएं तेजी से बढ़ सकती हैं। इसी विषय पर मशहूर डॉ. शालिनी सिंह सोलंकी ने इस समस्या का समाधान बताते हुए कुछ ऐसे सरल टिप्स साझा किए हैं, जिन्हें अपनाकर आप चाय का मजा भी ले सकते हैं और अपनी सेहत को नुकसान से बचा सकते हैं। डॉ. का कहना है कि समस्या चाय पीने में नहीं, बल्कि उसे पीने के समय और सामग्री में है। अगर आप अपनी चाय या कॉफी की आदत नहीं छोड़ना चाहते हैं, तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ये टिप्स विशेष रूप से आपके पेट के एसिड उत्पादन, स्ट्रेस हार्मोन के स्तर और पोषक तत्वों के अवशोषण को नियंत्रित करने में मदद करेंगे। इन सुझावों का पालन करके आप रोज सुबह चाय भी पी सकते है और आपके सेहत को भी कोई नुकसान नहीं होगा।

जागने के 45 मिनट बाद ही पीएं चाय

सुबह उठते ही चाय पीने से बचें। डॉ. सोलंकी के अनुसार आपको जागने के कम से कम 45 मिनट बाद ही चाय पीनी चाहिए। ऐसा करने से शरीर में कोर्टिसोल (जो एक स्ट्रेस हार्मोन है) का स्तर नियंत्रित रहता है। कोर्टिसोल का स्तर नियंत्रित रहने से मेटाबॉलिज्म अच्छा रहता है और हृदय का स्वास्थ्य भी स्वस्थ बना रहता है।

दूध की मात्रा 100 मिलीलीटर से कम रखें

डॉ. सोलंकी के मुताबिक अपनी सुबह की चाय में दूध की मात्रा 100 मिलीलीटर से अधिक नहीं रखनी चाहिए। चाय में पॉलीफेनॉल नामक स्वास्थ्यवर्धक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। दूध में मौजूद प्रोटीन इन पॉलीफेनॉल से बंध जाते हैं, जिससे शरीर पॉलीफेनॉल का अवशोषण ठीक से नहीं कर पाता और चाय के एंटीऑक्सीडेंट गुण कम हो जाते हैं।

खाली पेट पीने से बचें

खाली पेट चाय पीने से पूरी तरह बचें। चाय पीने से पहले कुछ हल्का खा लेना बहुत जरूरी है। खाली पेट चाय पीने से पेट में एसिड का स्राव तेजी से होता है, जिससे एसिडिटी बढ़ जाती है। आप चाय से पहले नट्स (मेवे), सीड्स (बीज) या कोई अन्य हेल्दी चीज खा सकते हैं।

चीनी की जगह इलाइची या दालचीनी का उपयोग करें

चाय में रिफाइंड चीनी का उपयोग करने के बजाय इलाइची या दालचीनी का उपयोग करें। चीनी वाला चाय पीने से ब्लड शुगर का स्तर तेजी से बढ़ता है, जिसे शुगर स्पाइक कहते हैं। इलायची और दालचीनी न केवल स्वाद बढ़ाते हैं, बल्कि मेटाबॉलिज्म को भी अच्छा रखते हैं और शुगर स्पाइक को नियंत्रित करते हैं।

दिन में 2 कप से अधिक चाय न पीएं

सबसे महत्वपूर्ण नियम यह है कि आप कभी भी 2 कप से अधिक चाय न पीएं। अत्यधिक कैफीन का सेवन नींद के पैटर्न को बाधित कर सकता है और पूरे दिन एसिडिटी का स्तर बढ़ा सकता है। मात्रा को सीमित रखकर ही आप चाय के नकारात्मक प्रभावों से बच सकते हैं।

वायु प्रदूषण पर बोलीं सोनिया गांधी- मुझ जैसे बुजुर्गों को हो रही परेशानी, कुछ करना सरकार की जिम्मेदारी

-संसद परिसर में विपक्ष ने किया जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में लगातार वायु गुणवत्ता बिगड़ी हुई और इसे लेकर आज यहां संसद परिसर में विपक्ष ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया। विपक्षी सांसदों ने मकर द्वार के सामने मास्क, पोस्टर और स्लोगन के साथ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए सरकार से त्वरित और ठोस कदम उठाने की मांग की। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेत्री सोनियां गांधी भी शरीक हुईं और वायु प्रदूषण के लिए सरकार को घेरा।

यहां सोनिया गांधी ने कहा, कि वायु प्रदूषण के कारण छोटे बच्चे परेशान हैं, मुझ जैसे बुजुर्गों को परेशानी हो रही। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रदर्शन में शामिल होते हुए कहा, कुछ करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। छोटे बच्चे परेशान हैं, और मेरे जैसे बुज़ुर्ग लोगों के लिए भी यह मुश्किल है। सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। संसद परिसर में विपक्ष के सांसदों ने मास्क और स्लोगन लिखे पोस्टर लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। वहीं सोनिया गांधी के बयान को विपक्ष की उस बढ़ती नाराजगी के रूप में देखा जा रहा है, जो दिल्ली की विषाक्त हवा और केंद्रीय व राज्य सरकारों की निष्क्रियता पर केंद्रित है।

इसी बीच वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, कि आखिर किस मौसम का मजा लें? खासतौर पर तब जबकि लोग सांस तक ठीक से नहीं ले पा रहे हों। उन्होंने कहा, बाहर देखिए क्या स्थिति बनी हुई है। छोटे बच्चे, बुजुर्ग सांस नहीं ले पा रहे हैं। हर साल स्थिति बिगड़ती जा रही है, हर साल सिर्फ बयानबाजी होती है। कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। हमने सरकार से कहा है कि कार्रवाई करे, हम उसके साथ खड़े हैं। यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। उन्होंने वायु गुणवत्ता को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संकट बताया और इसे संसद में शीर्ष प्राथमिकता से उठाने की आवश्यकता दोहराई।

स्थगन प्रस्ताव दिया

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बताया, कि उन्होंने सदन में काम रोको प्रस्ताव दिया है। उनके अनुसार, दिल्ली में एक्यूआई 400 है, लोग बुरी स्थिति में हैं। बच्चों को सांस लेने में मुश्किल हो रही है। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से एक बड़ी आपदा है। इस पर सदन में विस्तृत चर्चा होनी चाहिए।

दोनों सरकारें फेल : अजय माकन

कांग्रेस नेता अजय माकन ने दिल्ली और केंद्र सरकार दोनों पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा, दिल्ली में, दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार दोनों जिम्मेदार हैं। कोई भी अब ब्लेम गेम नहीं खेल सकता। जब तक दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सुधार नहीं होगा, प्रदूषण का मुद्दा हल नहीं होगा। कांग्रेस के 15 साल में हालात नियंत्रण में थे, लेकिन बीजेपी और आप दोनों दिल्ली में प्रदूषण रोकने में फेल हो गए हैं।

प्रदूषण पर कड़ा राजनीतिक दबाव

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई लगातार 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में बना हुआ है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बार-बार चेतावनी दे रहे हैं कि स्थितियां बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी रोगियों के लिए बेहद खतरनाक हैं।

यूपी में कांग्रेस का समाजवादी पार्टी से टूटा नाता ! कांग्रेस ने पंचायत चुनाव अकेले लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के एक फैसले से सूबे की राजनीति गरमा गयी है। दरअसल, पंचायत चुनाव से पहले कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से किनारा कर लिया है। इसके पीछे वजह यह है कि कांग्रेस पार्टी ने अकेले पंचायत चुनाव लड़ने का फैसला किया है। बताया जाता है कि यूपी कांग्रेस सांसदों की राहुल गांधी के साथ हुई बैठक में यह फैसला लिया गया है। यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि आने वाले पंचायत चुनाव में पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। कहा जा रहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी अलग से पंचायत चुनाव लड़ने का फैसला किया। हालांकि कांग्रेस पार्टी के इस फैसले से अब इंडिया अलायंस के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं राजनीतिक जानकार कांग्रेस के इस फैसले को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले एक नए प्रयोग के रूप में देख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, बीते दिनों उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा था कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी 2027 का विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेगी। हमारा गठबंधन जारी रहेगा। मगर, कांग्रेस पार्टी के इस फैसले ने सभी को चौका दिया है। हालांकि, कांग्रेस के इस निर्णय पर समाजवादी पार्टी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 में सपा-कांग्रेस के गठबंधन प्रदेश की 80 सीटों से 43 सीटें अपने खाते में की थी।

तेज रफ्तार कार हाईवे पर ट्रक में घुसी, चार डॉक्टरों की हुई दर्दनाक मौत

अमरोहा (एजेंसी)। यूपी के अमरोहा जिले के रजबपुर क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार कार खड़े हुए ट्रक से टकराने के कारण चार चिकित्सकों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक बीती देर रात करीब साढ़े 10 बजे अतरासी इलाके के पास यह दुर्घटना हुई। पुलिस के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार ट्रक के नीचे फंसकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने कटर से कार को काटकर शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान दिल्ली के निवासी आयुष शर्मा, श्रेष पंचोली, कोलकाता के निवासी अर्नब चक्रवर्ती और त्रिपुरा के रहने वाले सप्तऋषि के रूप में हुई है। पुलिस ने चारों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

एसिड अटैक मामले में 16 साल बाद भी ट्रायल... अत्याधिक देरी पर भड़के सीजेआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2009 के एसिड अटैक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल में अत्यधिक देरी पर चिंता व्यक्त कर कड़ा रुख अपनाया है। साल 2009 में एक महिला पर हुए एसिड अटैक का मामला, जिसका ट्रायल 16 साल बाद भी (खबर के अनुसार) चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रीय राजधानी (दिल्ली) इसतरह के मामलों को हैंडल नहीं कर सकती है, तब कौन करेगा। उन्होंने शर्म की बात और सिस्टम का मज़ाक बताया। बेंच (सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची) ने सभी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से एसिड अटैक केस में लंबित ट्रायल का डेटा चार हफ्तों के अंदर जमा करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता ने बताया कि ट्रायल अब दिल्ली के रोहिणी में अंतिम सुनवाई के चरण में है। वह अपने केस के साथ-साथ अन्य एसिड अटैक सर्वाइवर्स की मदद भी कर रही हैं। सीजेआई ने याचिकाकर्ता को ट्रायल में तेजी लाने के लिए आवेदन दायर करने और मामले की सुनवाई रोज़ाना करने को कहा। याचिकाकर्ता ने एसिड अटैक सर्वाइवर्स की बुरी हालत (जैसे एसिड पीने को मजबूर होना, आर्टिफिशियल फीडिंग ट्यूब पर निर्भरता) का ज़िक्र किया और उन्हें दिव्यांगों की कैटेगरी में रखने की मांग की, ताकि उन्हें वेलफेयर स्कीम्स का लाभ मिल सके। बेंच ने केंद्र से इस अर्जी पर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने 16 साल से चल रहे एसिड अटैक ट्रायल की धीमी गति पर न्यायिक व्यवस्था की कड़ी आलोचना की है और देश भर के हाईकोर्ट से लंबित मामलों का डेटा मांगा है, साथ ही पीड़ितों को दिव्यांग कैटेगरी में शामिल करने की मांग पर केंद्र से जवाब मांगा है।

धर्मेंद्र की संपत्ति को लेकर चर्चा, सनी ने कहा... सभी बच्चों को उनकी संपत्ति में समान अधिका

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर 2025 को उनके मुंबई स्थित घर पर निधन हो गया था। उनकी अनुमानित संपत्ति जो कि करीब 450 करोड़ रुपये है, जिसमें फार्महाउस, बंगला, स्टूडियो, प्रोडक्शन हाउस, रेस्टोरेंट और अन्य निवेश शामिल हैं। इसके बंटवारे को लेकर चर्चा जोरों पर है। बालीवुड के हीमैन धर्मेंद्र ने दो शादियां की थी इसके बाद उनके दो परिवार है। पहली पत्नी प्रकाश कौर से अभिनेता सनी देओल, बॉबी देओल, बहन अजीता और विजेता। जबकि दूसरी पत्नी हेमा मालिनी से ईशा और अहाना देओल शामिल है। इसके अलावा उनके 13 नाती-पोते भी हैं। बात दें कि हेमा और उनकी बेटियों का धर्मेंद्र की प्रेयर मीट में शामिल न होना, परिवार के भीतर संभावित मतभेदों की खबरों को हवा देता है। साथ ही, हेमा मालिनी के 45 साल की शादी में पहली पत्नी वाले घर कभी न जाने का ज़िक्र है, जिसके कारण अंतिम समय में वे धर्मेंद्र से नहीं मिल पाईं। लेकिन परिवार के एक करीबी सूत्र के अनुसार, सनी देओल ने स्पष्ट किया है कि धर्मेंद्र के सभी बच्चों को उनकी संपत्ति में समान अधिकार प्राप्त होगा। सनी का कहना है कि वे किसी भी हालत में ईशा और अहाना के हिस्से को नुकसान नहीं पहुंचने देने वाले है। उन्होंने कहा कि यह धर्मेंद्र की भी आखिरी इच्छा थी। संपत्ति के बंटवारे को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। अब यह देखना होगा कि उनकी इच्छा और सनी देओल के आश्वासन के अनुरूप विरासत को न्यायपूर्ण तरीके से कैसे विभाजित किया जाता है।

800 करोड़ के ऑनलाइन सट्टेबाजी धोखाधड़ी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। सूरत पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने 800 करोड़ के ऑनलाइन सट्टेबाजी धोखाधड़ी मामले में दो आरोपियों को मुंबई हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जतिन ठक्कर उर्फ जॉन रैपर (27) और दीपकुमार ठक्कर (24) को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने इसके पहले सूरत के कतारगाम इलाके में छापेमारी कर मीत शाह, यश शेठ, ऋषिकेश सवकर, नीलेश सोलंकी और परेशकुमार मोदी को ऑनलाइन सट्टेबाजी पोर्टल या मंच के जरिए लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी कथित तौर पर 149 बैंक खातों का उपयोग कर रहे थे और इन खातों के संबंध में पूरे भारत में 417 शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। जतिन और दीपकुमार के फरार होने पर सूरत पुलिस ने उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था।

भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और हथियार खरीदने के आरोप में 5 को आजीवन कारावास

कोलकाता(एजेंसी)। कोलकाता की एक कोर्ट ने जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश के पांच सदस्यों को जिनमें से दो बांग्लादेशी नागरिक हैं, भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और इस उद्देश्य के लिए हथियार खरीदने का दोषी पाया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आतंकवादी समूह जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के कार्यकर्ता भारत के कई राज्यों में बम विस्फोट जैसी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। कोलकाता पुलिस की एसटीएफ ने सितंबर 2016 में पश्चिम बंगाल और असम से छह आरोपियों को विस्फोटक, आईईडी, भारत में विस्फोट करने की उनकी योजना के दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया था। सिटी सत्र अदालत के विशेष न्यायाधीश रोहन सिन्हा ने छह आरोपियों में से पांच को दोषी करार दिया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने बांग्लादेशी नागरिकों अनवर हुसैन फारुक और मोहम्मद रुबेल, पश्चिम बंगाल के बर्धमान निवासी मौलाना यूसुफ एस के और असम निवासियों मोहम्मद साहिदुल इस्लाम और जबीरुल इस्लाम को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। छठे आरोपी बर्धमान निवासी अब्दुल कलाम को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

झांसी की एसआईआर लिस्ट में अमिताभ बच्चन का नाम, मचा हड़कंप

- मकान नंबर 54 में दर्ज है नाम लेकिन वहां मंदिर मिला

झांसी (एजेंसी)। यूपी इन दिनों एसआईआर प्रक्रिया चर्चाओं में हैं। आए दिन इसको लेकर कुछ न कुछ चौंकाने वाली मामले सामने आ रहे हैं। अब एक और अजब-गजब मामला सामने आया है। जहां एसआईआर सूची में फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके पिता हरिवंश राय बच्चन का नाम दर्ज मिला है, जिसको लेकर अब हड़कंप मचा गया है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसे नाम सूची में कैसे पहुंचे?

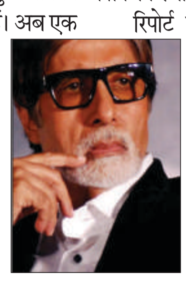

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन ओरछा गेट बाहर के खुशीपुरा इलाके की वोटर लिस्ट में उनका नाम और मकान नंबर 54 दर्ज है। साफतौर से ये भी बताया गया है कि अमिताभ बच्चन ने साल 2003 में वोट भी डाला था, साथ ही लिस्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन की उम्र 76 साल की है। इसको लेकर जब पड़ोसियों ने बताया तो हर कोई हैरान रह गया। पड़ोसियों ने कहा कि हमने अमिताभ बच्चन को सिर्फ फिल्मों में देखा है।

रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर लिस्ट में अमिताभ बच्चन के नाम के साथ जो मकान नंबर-54 दर्ज है वह मकान नंबर सुरेंद्र कुमार (76) पुत्र राजेश कुमार के नाम दर्ज पाया गया है। दोनों मतदाताओं का नाम लिस्ट में 543 और 544वें नंबर पर देखा गया है। वहीं पूरा मामले में यूटर्न तब आया जब मकान नंबर 54 की जगह यहां मंदिर मिला। नाम सामने आते ही प्रशासन में खलबली मच गई। विभाग में घमासान और जांच की मांग तेज हो गई है। फिलहाल विभाग में जवाबदेही को लेकर चर्चाएं तीखी हो गई हैं और मामला गर्माता जा रहा है।

सीएम रेंवत के बयान पर बीजेपी का आरोप, हिंदू-विरोधी राजनीति कर रहे है और मुस्लिम लीग जैसी सोच

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी के हिंदू देवी-देवताओं पर दिए गए बयान से विवाद पैदा हो गया है। सीएम रेड्डी ने कांग्रेस की अंदरूनी बैठक में पार्टी के भीतर विभिन्न विचारधाराओं और समूहों को समायोजित करने की प्रक्रिया को समझाने के लिए हिंदू धर्म में देवी-देवताओं की विविधता का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के तीन करोड़ देवी-देवता हैं, और हर परिस्थिति के लिए अलग देवता माने जाते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने विभिन्न देवताओं के उदाहरण दिए, जैसे अविवाहितों के लिए हनुमान, दो बार शादी करने वालों के लिए अलग देवता, शराब पीने वालों के लिए अलग देवता, आदि। सीएम रेंवत के बयान पर भाजपा और बीआरएस (बीआरएस) दोनों ने इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त देकर मुख्यमंत्री से माफी की मांग की है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस हिंदू-विरोधी राजनीति कर रही है और मुस्लिम लीग जैसी सोच के साथ काम कर रही है। भाजपा के

राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंदू देवी-देवताओं का अपमान और अर्बन नक्सली मानसिकता का उदाहरण बताया। उन्होंने कांग्रेस पर हिंदू आस्थाओं पर बार-बार हमला करने का आरोप लगाया और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के राधे-राधे अभिवादन पर आपत्ति जताने की घटना का भी उल्लेख किया। भाजपा ने कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के जिहाद संबंधी टिप्पणी के समर्थन और कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी की भौं-भौं वाली प्रतिक्रिया पर भी निशाना साधा, इसे कांग्रेस के मुस्लिम लीग एजेंडा का हिस्सा बताया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस बयान को आपत्तिजनक और घृणित बताते हुए कांग्रेस के भीतर हिंदू-विरोधी भावनाओं का जहर उजागर होने की बात कही।

इसके बाद में मुख्यमंत्री रेड्डी ने दावा किया कि भाजपा उनके बयान को तोड़-मरोड़ रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह बात कांग्रेस के भीतर की आंतरिक विविधता को समझाने के लिए कही थी ताकि नए डीसीसी अध्यक्ष सभी को साथ लेकर चल सकें। यह विवाद तब सामने आया है जब तेलंगाना की नई कांग्रेस सरकार संगठन को मजबूत करने और व्यापक समूहों तक पार्टी की विचारधारा पहुँचाने की कोशिश कर रही है। यह घटना तेलंगाना की राजनीति में एक तीखी बहस का विषय बन गई है, जिसमें विपक्षी दल कांग्रेस पर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुँचाने और मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगा रहे हैं।

राहुल गांधी की नागरिकता को दाखिल परिवाद पर सुनवाई आज

नई दिल्ली(एजेंसी)। रायबरेली (ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता को लेकर रायबरेली की एमपी-एमएलए कोर्ट में दाखिल परिवाद पर कल कोर्ट सुनवाई करेगा। बेंगलुरु के रहने वाले भाजपा नेता एस. विग्नेश शिशिर ने हाईकोर्ट के अधिवक्ता विंदेश्वरी पांडेय के माध्यम से बुधवार को प्रार्थना पत्र दिया था। इस पर कोर्ट ने शहर कोतवाली पुलिस से प्रकरण की रिपोर्ट तलब की है।

एस. विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318, 335, 340, 236, 237, 61, 148,147, 152, 238, 336, 351, 354,359, 241 सहित पासपोर्ट अधिनियम व विदेशी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने का प्रार्थना पत्र विशेष न्यायाधीश डा. विवेक कुमार के समक्ष दाखिल किया है। कोर्ट ने न्यायालय ने प्रार्थनापत्र पर कोई आदेश करने के पूर्व कोतवाली से रिपोर्ट मंगाई है। शिकायतकर्ता ने राहुल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कुछ धाराओं में आजीवन कारावास से लेकर मृत्युदंड तक के प्रावधान है। दोहरी नागरिकता, फर्जी पासपोर्ट, गोपनीय सूचना दुश्मनों को पहुंचाना, बेनामी संस्था बनाने जैसे गंभीर आरोप है। कोर्ट ने प्रकीर्ण वाद में दर्ज कर सुनवाई के लिए कल पांच दिसम्बर की तिथि नियत की है।

भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने बताया कि एमपी-एमएलए कोर्ट में सांसद राहुल गांधी के खिलाफ ब्रिटिश नागरिकता को लेकर एप्लीकेशन दी गयी है। कोर्ट से इस मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। इस मामले में न्यायालय ने कोतवाली पुलिस रायबरेली से रिपोर्ट मांगी है। जांच की रिपोर्ट भी जल्दी मिल जाएगी। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई पहले से जांच कर रही है। शिशिर ने कहा कि भारत की राजनीति में पहली बार ऐसा हुआ कि कोई विदेशी नागरिक हमारे संसद में 20 साल से बैठे हैं। इस मामले में जल्द ही सुनवाई होगी और फैसला भी सुनाया जाएगा। ब्रिटिश सरकार से भी पासपोर्ट आ गया है। भारतीय सरकार से भी हमें जानकारी मिली है। जो भी डॉक्यूमेंट न्यायालय मांगेगा या पुलिस मांगेगी, उसमें पूरी सहायता करने के लिए हम पूर्ण रूप से तैयार हैं।

बिहार चुनाव की नाराजगी के बाद झारखंड में उबाल: हेमंत सोरेन भाजपा के साथ जा सकते हैं?

रांची (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की करारी हार के बाद झारखंड की सियासत में भूचाल आ गया है। वजह है झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की नाराजगी। बिहार चुनाव में जेएमएम को एक भी सीट नहीं दी गई थी, जिससे पार्टी बेहद खफा है। अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। राजनीतिक गलियारों में तेज चर्चा है कि जेएमएम एनडीए के साथ जा सकती है और झारखंड में नई सरकार बन सकती है।

2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में महागठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया था। 81 में से 56 सीटें जीती थीं - जेएमएम 34, कांग्रेस 16, राजद 4 और वाम दल 2। बीजेपी को सिर्फ 20 सीटें मिली थीं। अगर जेएमएम महागठबंधन छोड़कर बीजेपी के साथ आती है तो सिर्फ दो दलों की सीटें (34 + 20 = 54) ही बहुमत के जादुई आंकड़े 42 से कहीं ऊपर पहुँच जाएंगी। अगर पूरा एनडीए जेएमएम के साथ आता है तो तस्वीर और मजबूत होगी। बीजेपी (20) + जेएमएम (34) + आजसू (1) + एलजेपी (1) + जेडीयू (1) = कुल 57 सीटें। यानी भारी बहुमत। इससे मौजूदा महागठबंधन सरकार अपने आप गिर जाएगी और हेमंत सोरेन एक बार फिर मुख्यमंत्री बन सकते हैं, इस बार बीजेपी के समर्थन से। सियासी जानकार मानते हैं कि बिहार में नीतीश कुमार की जीत और राजद की हार के बाद जेएमएम को लगा कि कांग्रेस-राजद के साथ रहने से उसका भविष्य सुरक्षित नहीं है। बिहार में सीट न मिलना आखिरी झटका साबित हुआ। यही वजह है कि हेमंत सोरेन दिल्ली में बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से लगातार संपर्क में बताए जा रहे हैं। हालांकि जेएमएम के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने साफ इनकार किया है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ अफवाह है। हम महागठबंधन के साथ हैं और रहेंगे। मगर दिल्ली में सोरेन दंपती की मौजूदगी और बंद कमरों में चल रही बैठकों ने सारी अटकलों को हवा दे दी है। अगर यह उलटफेर हुआ तो झारखंड की राजनीति में पिछले दस साल का सबसे बड़ा सियासी धमाका होगा। देखना यह है कि हेमंत सोरेन पुरानी दोस्ती निभाते हैं या नया गठबंधन चुनते हैं।

जीव दया और कबूतर बचाव अभियान के तहत जैन समुदाय 7 दिसंबर को मुंबई में मार्च निकालेगा

मुंबई (एजेंसी)। जैन समुदाय 7 दिसंबर को मुंबई में एक बड़ा मार्च निकालेगा। जीव दया और कबूतर बचाव अभियान की शुरुआत जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय महाराज के नेतृत्व में शुरू किया जाएगा। यह मार्च कोलाबा जैन मंदिर से शुरू होगा और लालबाग, भायखला, डोंगरी, लोअर परेल होते हुए दादर कबूतरखाना जैन मंदिर और दूसरे बड़े जैन मंदिरों तक जाएगा। मार्च के दौरान जैन समुदाय में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रवचन और कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान को बड़े पैमाने पर समर्थन देने की अपील भी की जाएगी। खबर है कि नीलेशचंद्रजी महाराज जीव दया और कबूतर बचाव आंदोलन को और मजबूत करने के लिए दादर में फिर से अनशन करने की तैयारी कर रहे हैं। सरकार का ध्यान खींचने के लिए जैन समुदाय के आक्रामक रुख अपनाने की संभावना है। नीलेशचंद्र महाराज कहते हैं कि जैन समाज ने किसी के मंदिर या घर तोड़कर जैनालय नहीं बनाया। यह जैन समाज शांतिप्रिय समाज है। लेकिन हमारे विले पार्ले का मंदिर बुलडोज़र से गिरा दिया गया, तो उन्होंने गैर-कानूनी मस्जिदें क्यों नहीं गिराईं? दो नेता मुझसे मिले हैं, उन्होंने कहा कि हम 15 दिन बाद कोई हल निकालेंगे, लेकिन बात नहीं बनी। देवेंद्र फडणवीस के साथ जो गद्दार नेता समाज को तोड़ रहे हैं, उनकी खैर नहीं है। मेरी जान भी चली जाए, तो भी मैं उन्हें नहीं छोड़ूंगा। मुझे जो मैसेज देना था, वह मैंने देवेंद्र फडणवीस को दे दिया है। जो भी हिंदी के हित में कुछ करेगा, हम उसका साथ देंगे। क्या जैन समाज आने वाले चुनाव लड़ेगा? इसपर जैन मुनि नीलेशचंद्र जी ने कहा, हां, मैं पूरे भारत में अभियान शुरू करूंगा, हर समाज की एक पार्टी होती है। तो जैन समुदाय के लिए कोई पार्टी क्यों नहीं है, हमें कुछ चीज़ों के लिए इधर-उधर भागना पड़ता है। हमें सड़कों पर उतरना पड़ता है। हम एक शांतिप्रिय और प्यार करने वाला समुदाय हैं। हम किसी के झगड़ों में नहीं पड़ते। हम लड़ाई-झगड़ों में नहीं पड़ते। जब विदर्भ में बाढ़ आई थी, तो मैंने वहां दो करोड़ रुपये भेजे, हमने देवेंद्र फडणवीस को चेक दिया, हमने महाराष्ट्र के लोगों के लिए दिया, ऐसे कई उदाहरण हैं।

बाबरी से मिलती-जुलती मस्जिद बनाने का दावा करने वाले कबीर टीएमसी से निलंबित

कोलकाता (एजेंसी)। बाबरी से मिलती जुलती मस्जिद बनाने का दावा कर रहे विधायक हुमायूं कबीर को टीएमसी ने निलंबित कर दिया है। कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद जिले में मस्जिद की नींव रखने की बात कही थी। इसके बाद से ही प्रशासन अलर्ट था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी विधायक कबीर के इस फैसले से सीएम ममता बनर्जी नाराज थीं। हालांकि इस पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

पुतिन का दौरा अहम, तकनीक-ऊर्जा सहयोग और यूक्रेन युद्ध पर हो सकती है चर्चा

-पूर्व राजनयिक त्रिगुणायत ने कहा- कंपनियों को सामरिक रिश्तों का लाभ उठाना चाहिए।

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। पुतिन की यात्रा को लेकर पूर्व भारतीय राजनयिकों का मानना है कि परमाणु प्लांट से जुड़े विषय, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीक के अलावा पुतिन और पीएम मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता में यूक्रेन युद्ध पर भी चर्चा हो सकती है। पूर्व राजनयिक अनिल त्रिगुणायत ने कहा कि रूस हर मुश्किल वक्त में भारत के साथ खड़ा रहा है। इस कड़ी में 25 साल पहले यह तय हुआ कि समय-समय पर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ताएं होंगी। उसी आधार पर पुतिन भारत आ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अनिल त्रिगुणायत ने कहा कि पिछले 25 सालों में भारत-रूस संबंध बहुत मजबूत हुए हैं। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच आपसी समझ भी काफी अच्छी है। रूस-यूक्रेन युद्ध पर त्रिगुणायत ने कहा कि संभावना है कि पुतिन बातचीत में पीएम मोदी से यूक्रेन के विषय पर बात कर सकते हैं। पीएम मोदी ने हमेशा युद्धविराम की बात की है। रूस-यूक्रेन की लड़ाई इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।

त्रिगुणायत ने कहा कि एनर्जी सिक्योरिटी में रूस की बहुत बड़ी भूमिका है। उसके चलते भारत के ऊपर कुछ अतिरिक्त शुल्क भी लगा है। हालांकि, भारत ने इतना ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि द्विपक्षीय वार्ता में इस पर भी चर्चा हो सकती है। अगर रूस अपने सरप्लस को रणनीतिक तरीके से भारत में निवेश करना चाहे तो वह उसके लिए बहुत बड़ा अवसर है। इसी तरह भारतीय कंपनियों के लिए भी यह बड़ा मौका है। कंपनियों को भी सामरिक रिश्तों का लाभ उठाना चाहिए।

वहीं, पूर्व राजनयिक वीना सिकरी ने कहा कि ऐसा लगता है कि पुतिन का यह एक बहुत ही अहम दौरा है। इसके पीछे कई कारण हैं। दुनिया भर में जियोपॉलिटिकल हालात बहुत नाजुक हैं। दो युद्ध चल रहे हैं, जो अभी खत्म नहीं हैं, बल्कि तनाव बना हुआ है। इसके अलावा भारत पर अमेरिका की तरफ से ज्यादा टैरिफ को लेकर काफी दबाव है, जिसका ज्यादातर हिस्सा उस एनर्जी से जुड़ा है जो भारत रूस से खरीद रहा है। सिकरी ने कहा कि रूस की ओर से विकसित सुखोई-57 स्टील्थ फाइटर जेट बहुत अहम है और भारत सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर रही है।

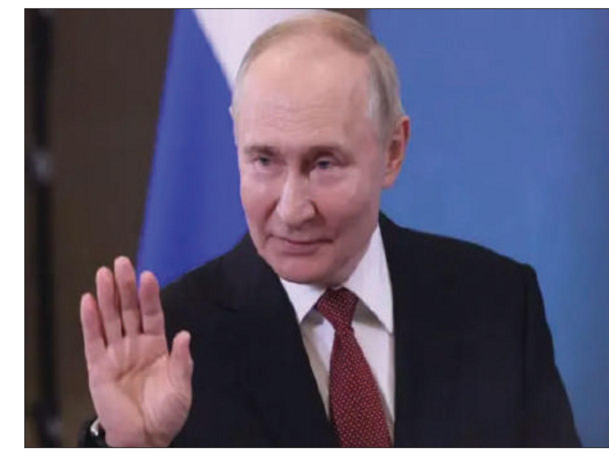

इंडिगो की उड़ानों पर संकट: तीन प्रमुख हवाई अड्डों से 180 से अधिक उड़ानें रद्द

- इंडिगो में अपनी उड़ानों के संचालन के लिए पर्याप्त पायलट और चालक दल की कमी

मुंबई । गुरुग्राम स्थित घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने गुरुवार को मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु से कुल 180 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। मुंबई हवाई अड्डे से दिन भर में 86 उड़ानें (41 आगमन, 45 प्रस्थान), बेंगलुरु से 73 उड़ानें (41 आगमन सहित) और दिल्ली से 33 उड़ानें रद्द की गईं। सूत्रों के अनुसार दिन के आगे बढ़ने के साथ रद्द उड़ानों की संख्या और बढ़ सकती है, जिससे यात्रियों को और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इंडिगो अपनी उड़ानों के संचालन के लिए पर्याप्त पायलट और चालक दल जुटाने में जूझ रही है। नए फ्लाइट ड्यूटी और विश्राम नियम (एफडीटीएल) लागू होने के बाद एयरलाइन को पर्याप्त कर्मचारी उपलब्ध कराने में कठिनाई हो रही है। इसी वजह से ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) गिरकर 6 प्रमुख हवाई अड्डों पर 19.7 प्रतिशत रह गया, जो 2 दिसंबर के 35 प्रतिशत के आंकड़े से काफी कम है। पायलट संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने आरोप लगाया कि इंडिगो ने नई एफडीटीएल नियमों के लागू होने के बावजूद भर्ती पर रोक लगा रखी है। एफआईपी ने डीजीसीए से अनुरोध किया है कि एयरलाइन तब तक मौसमी उड़ान कार्यक्रम की मंजूरी न पाए जब तक पर्याप्त कर्मचारी उपलब्ध न हों। यदि इंडिगो अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं कर पाती, तो अन्य एयरलाइनों को स्लॉट आवंटन पर विचार करने की सिफारिश की गई है। डीजीसीए ने इंडिगो की उड़ानों में हुई रद्द और देरी की जांच शुरू कर दी है। एयरलाइन से कारण और सुधारात्मक योजना की जानकारी मांगी गई है।

फिच ने भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमान बढ़ाकर 7.4 फीसदी किया

- जुलाई-सितंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही

नई दिल्ली (ईएमएस)। साख रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया है। एजेंसी ने वृद्धि का मुख्य कारण उपभोक्ता खर्च में तेजी, जीएसटी सुधार और बेहतर उपभोक्ता धारणा बताया। जुलाई-सितंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही, जो अप्रैल-जून तिमाही के 7.8 फीसदी से अधिक है। वित्त वर्ष की वृद्धि का सबसे बड़ा योगदान निजी उपभोक्ता खर्च से है। मजबूत वास्तविक आय, सुधारित उपभोक्ता धारणा और हाल ही में लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से खर्च बढ़ा है। लगभग 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटाई गईं, जिससे 99 प्रतिशत से अधिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुई हैं। अक्टूबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति केवल 0.3 फीसदी दर्ज की गई, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। फिच ने कहा कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में मुख्य नीतिगत दर 5.25 फीसदी तक घटाने की संभावना देती है। आरबीआई ने इस साल अब तक रेपो दर में एक फीसदी कटौती की है। फिच का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी वृद्धि 6.4 फीसदी तक धीमी होगी। वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ अगले वर्ष की दूसरी छमाही में निजी निवेश में तेजी आने की उम्मीद है। एजेंसी का मानना है कि नीतिगत दर अगले दो साल तक 5.25 फीसदी पर स्थिर रहेगी।

आईआईटी प्लेसमेंट में उछाल, हेज फंड और ट्रेडिंग कंपनियों की भागीदारी बढ़ी

- आईआईटी कानपुर को पहले दिन अब तक के सबसे ज्यादा 672 ऑफर

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में 1 दिसंबर से शुरू हुए प्लेसमेंट सीज़न में इस बार हेज फंड, प्रोप्राइटरी ट्रेडिंग और एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग कंपनियों की बड़ी उपस्थिति देखने को मिल रही है। सूत्रों के अनुसार छात्रों को 90 लाख रुपए से लेकर 3 करोड़ रुपये सालाना तक के आकर्षक पैकेज ऑफर किए जा रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित नई भूमिकाओं और उभरते क्षेत्रों के कारण कई आईआईटी इस साल नौकरी प्रोफाइल में विविधता लाने पर विशेष जोर दे रहे हैं, ताकि प्लेसमेंट केवल टेक कंपनियों और स्टार्टअप तक सीमित न रहे। आईआईटी रुड़की में पहले स्लॉट के दौरान डीई शॉ, दा विंची डेरिवेटिव्स, एनके सिक्योरिटीज रिसर्च और रूब्रिक जैसी प्रमुख ट्रेडिंग कंपनियों ने छात्रों को ऑफर दिए। इसके साथ ही अमेज़न, अमेरिकन एक्सप्रेस, एनवीडिया, क्वालकॉम, डेटाब्रिक्स, फ्लिपकार्ट, जोमैटो (इटरनल) और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियां भी भर्ती प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रही हैं। निवेश क्षेत्र की दिग्गज कंपनी स्क्वायरपॉइंट कैपिटल से भी ऑफर प्राप्त हुए हैं। आईआईटी के विभिन्न परिसरों को पहले दो दिनों में कुल 555 ऑफर मिले हैं, जिनमें कम से कम आठ अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं। आईआईटी कानपुर ने इस साल रिकॉर्ड प्रदर्शन किया और पहले ही दिन 672 ऑफर हासिल किए। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। इनमें से नौ ऑफर विदेश से प्राप्त हुए हैं। संस्थान ने कहा कि कुछ परिणाम अभी लंबित हैं, इसलिए कुल ऑफरों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। दिल्ली, मुंबई, मद्रास, खड़गपुर और आईआईटी-बीएचयू जैसे पुराने एवं प्रतिष्ठित आईआईटी परिसरों में भी समान रुझान देखने को मिल रहा है। आईआईटी मद्रास में इस बार इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर और स्टार्टअप कंपनियों की भागीदारी बढ़ी है। हालांकि पैकेज की पुष्टि संस्थान ने नहीं की, लेकिन सूत्रों का दावा है कि ऑफर 3 करोड़ रुपये तक पहुंच रहे हैं।

डॉलर बांड की मांग कमजोर! भारतीय कंपनियों का भरोसा अब रुपए पर

- इस साल डॉलर में कर्ज लेने से बच रही हैं भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनियां इस साल डॉलर में कर्ज लेने से बच रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है अमेरिका में लगातार ऊंची चल रही ब्याज दरें और वैश्विक स्तर पर बढ़ता आर्थिक व भू-राजनीतिक तनाव। ऐसे माहौल में कंपनियों को रुपये में कर्ज लेना अपेक्षाकृत सुरक्षित और सस्ता लग रहा है। यही कारण है कि रुपये बॉन्ड ज़ार तेजी से बढ़ रहा है और 2025 में इसके नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार जब तक वैश्विक परिस्थितियां सामान्य नहीं हो जातीं और विदेशी ब्याज दरें ऊंची बनी रहती हैं, भारतीय कंपनियां रुपये-आधारित कर्ज को ही प्राथमिकता देंगी। बड़ी भारतीय कंपनियों से लेकर मल्टीनेशनल कंपनियां अब विदेशों की बजाय भारत के घरेलू बाज़ार से पूंजी जुटा रही हैं, क्योंकि यहां कर्ज उपलब्धता अधिक है और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव भी कम देखने को मिलता है। इस वर्ष अब तक 12.6 लाख करोड़ के रुपये बॉन्ड बिक चुके हैं, जबकि डॉलर में जारी बॉन्ड केवल 9 अरब डॉलर के रहे, जो पिछले साल की तुलना में 32 फीसदी कम है। इससे रुपये बॉन्ड मार्केट की मजबूती साफ दिखाई देती है। इसी रुझान को देखते हुए विदेशी बैंक भी भारतीय रुपये बॉन्ड बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में जुट गए हैं। हालांकि विदेशी बैंकों को एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक जैसे घरेलू दिग्गजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। इनके पास मजबूत जमा आधार, विस्तृत शाखा नेटवर्क और सरकारी बैंकों को मिलने वाला सरकारी समर्थन उन्हें और अधिक प्रभावी बनाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी बैंक अब समझ चुके हैं कि भारत में रुपये-आधारित कर्ज ही आगे बढ़ने का रास्ता है, लेकिन इसके लिए उन्हें भारतीय बैंकों से सीधी टक्कर लेनी होगी।

ग्राहकों को मिली 'ज्यादा विकल्प, ज्यादा सुरक्षा और ज्यादा भरोसे' की रफ्तार

जमशेदपुर : आजकल लोग कार खरीदते समय सिर्फ लुक्स या माइलेज नहीं देखते, बल्कि एक ऐसा विकल्प चाहते हैं, जो भरोसेमंद भी हो, लंबे समय तक साथ भी दे और परिवार की सुरक्षा का पूरा ध्यान भी रखे। कुल मिलाकर, भारत का ऑटोमोबाइल बाजार तेजी से बदल रहा है और ग्राहक पहले से ज्यादा विकल्पों और फीचर्स की उम्मीद करते हैं। इसी जरूरत को देखते हुए कंपनियाँ भी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को लगातार बेहतर बना रही हैं और इसी बदलते माहौल में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। अपने 25वें साल में स्कोडा ऑटो इंडिया ने भारत में 5 लाख गाड़ियों की बिक्री हासिल की है। ब्रैंड ने सिर्फ नवंबर 2025 में ही 5,491 यूनिट्स बेचीं, जो पिछले साल के मुकाबले 90% अधिक है। यह कंपनी के लिए लगातार बढ़ती साल-दर-साल प्रगति का एक और उदाहरण है।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर, आशीष गुप्ता ने कहा, हमारा बढ़ता नेटवर्क, हमारी वैल्यू-ड्रिवन ओनरशिप ऑफरिंग, और बड़ा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो मुख्य ड्राइविंग फोर्स रहे हैं, जिन्होंने हमारी 5 लाख लैंडमार्क सेल्स और हर महीने हमारी लगातार साल-दर-साल सेल्स ग्रोथ को बढ़ाया है। हम अपने प्रोडक्ट्स के साथ और अपने कस्टमर्स और अपने फैंस के करीब जाकर इस मोमेंटम को बनाए रखेंगे।

स्कोडा की भारत में मजबूत पहचान उसकी सेडान लेगेसी से बनी। ऑक्टेविया इसकी सबसे बड़ी मिसाल है, जिसके नए मॉडल की सारी यूनिट्स लॉन्च के 20 मिनट में बिक गईं। स्लाविआ के साथ ब्रैंड इस लाइनअप को और आगे बढ़ा रहा है।

एसयूवी सेगमेंट में भी कंपनी के पास 7.5 लाख से 45.9 लाख की रेंज में मजबूत लाइनअप-कोडियाक, कुशाक और काइलैक जैसी गाड़ियाँ, जिनमें ग्लोबल और भारत एनसीएपी में फाइव-स्टार सेफ्टी रेटिंग तक शामिल है। 320+ टचपॉइंट्स और 180 शहरों में मौजूदगी के साथ, स्कोडा ऑटो इंडिया अपने सबसे बड़े साल में भी इसी तेजी से आगे बढ़ने की तैयारी में है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । भारतीय रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 28 पैसे की बढ़त के साथ ही 89.88 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, रिज़र्व बैंक के सीमित हस्तक्षेप और आयातकों द्वारा डॉलर की बढ़ती मांग रुपये पर लगातार दबाव बना रही है। शुक्रवार को होने वाली मौद्रिक नीति समिति की घोषणा से पहले बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर विनिमय दर पर दिखाई दे रहा है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में सुबह कारोबार की शुरुआत रुपये ने 90.36 प्रति डॉलर पर की, लेकिन जल्द ही यह और कमजोर होकर 90.43 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले बुधवार को भी रुपया पहली बार 90 के पार बंद होकर 90.15 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर दर्ज हुआ था।

भारत में हेलीकॉप्टर किराए की मांग बढ़ी

- छोटे हेलीकॉप्टर का प्रति घंटा किराया 94,400 से 1.5 लाख रुपए तक

नई दिल्ली । भारत में हेलीकॉप्टर किराए पर लेना अब केवल फिल्मों या लग्जरी तक सीमित नहीं रहा। वीआईपी यात्रा, शादियां, एडवेंचर टूर और इमरजेंसी मेडिकल जरूरतों के लिए इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। छोटे हेलीकॉप्टर (सिंगल इंजन) में 3-4 लोग बैठ सकते हैं, और प्रति घंटा किराया 94,400 रुपए से 1.5 लाख रुपए तक है। बड़े हेलीकॉप्टर (डबल इंजन) में 6-8 लोग बैठते हैं, और किराया 3 लाख से 4 लाख रुपए तक होता है। डबल इंजन मॉडल लंबी दूरी और सुरक्षा के लिहाज से अधिक सुरक्षित माने जाते हैं। कंपनियां दूरी के बजाय उड़ान के समय के हिसाब से चार्ज करती हैं। लैंडिंग और पार्किंग फीस, विशेष सर्टिफिकेशन, ईंधन लागत, इवेंट व्यवस्थाएं और पीक सीजन के कारण किराया बढ़ सकता है। छोटे हेलीकॉप्टर सस्ते और छोटी दूरी के लिए उपयुक्त हैं, जबकि बड़े हेलीकॉप्टर लंबी दूरी और अधिक सुरक्षा के लिए।

भारत-कनाडा ने फिर से शुरू की मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता

नई दिल्ली । भारत और कनाडा ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते, कंप्रेहें सिव इकानॉमी पार्टनरे शिप एग्रीमेंट (सीईपीए) पर बातचीत फिर से शुरू करने का रास्ता साफ कर लिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने इस समझौते की रूपरेखा, उद्देश्य और कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा की। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। सीईपीए के तहत वस्तुओं पर शुल्क में कटौती या समाप्ति, कुशल पेशेवरों की आवाजाही में आसानी और निवेश आकर्षित करना शामिल है। गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने समग्र दृष्टिकोण और प्रारंभिक रूपरेखा पर विचार साझा किया। 2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था, जिसके बाद दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गए और वार्ता रोक दी गई थी। इससे पहले प्रस्तावित समझौते पर दोनों देशों के बीच छह से अधिक दौर की बातचीत हो चुकी थी।

आंध्र प्रदेश सरकार ने अडाणी-गूगल एआई डेटा सेंटर के लिए 480 एकड़ जमीन आवंटित की

- परियोजना चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएगी और सरकार 22,000 करोड़ तक प्रोत्साहन भी देगी

अमरावती . आंध्र प्रदेश सरकार ने गूगल की कंपनी रैडेन इन्फोटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए विशाखापत्तनम और अनकापल्ली जिलों में 480 एकड़ भूमि आवंटित की है। भूमि आवंटन अदाणी इंफ्रा (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को 'प्राथमिक अधिसूचित भागीदार' के रूप में किया गया है। अन्य अधिसूचित भागीदारों में अदाणी कॉनेक्स, अदाणी पावर, भारती एयरटेल और नेक्सट्रा डेटा/विजाग शामिल हैं। यह आवंटन अंतिम सर्वेक्षण के पूरा होने पर लागू होगा। रैडेन एआई डेटा सेंटर का कुल निवेश 15 अरब डॉलर (लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है। परियोजना चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएगी और सरकार से 22,000 करोड़ रुपये तक के प्रोत्साहन भी दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस परियोजना के लिए विशेष प्रोत्साहनों का आश्वासन दिया है। डेटा सेंटर गूगल की सेवाओं जैसे सर्च, यूट्यूब और वर्कस्पेस के संचालन मानकों के अनुसार विकसित किया जाएगा। इसकी क्षमता 1 गीगावाट होगी, जो पूर्ण संचालन पर मुंबई की वार्षिक बिजली खपत का लगभग 50 प्रतिशत उपयोग करेगा। परियोजना आंध्र प्रदेश में डिजिटल और तकनीकी निवेश को बढ़ावा देगी, नई नौकरियां सृजित करेगी और राज्य की वैश्विक तकनीकी छवि मजबूत करेगी। रैडेन के साथ अधिसूचित भागीदार सभी प्रोत्साहनों का लाभ उठा सकेंगे। सरकारी आदेश 2 दिसंबर 2025 को जारी किया गया और इसमें मंत्रिपरिषद की 28 नवंबर की बैठक में प्रस्ताव की मंजूरी का उल्लेख किया गया है।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद घरेलू निवेशकों ने बाजार को संभाला

- 2025 में अब तक एफपीआई ने कैश सेगमेंट से रिकॉर्ड 17.3 बिलियन डॉलर निकाले

मुंबई ।

दिसंबर के पहले तीन सत्रों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार में लगभग 8,369 करोड़ रुपए (933 मिलियन डॉलर) की शुद्ध बिकवाली की। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में अब तक एफपीआई ने कैश सेगमेंट से रिकॉर्ड 17.3 बिलियन डॉलर की निकासी की है। पिछले महीनों में भी बिकवाली का क्रम जारी रहा, नवंबर में 3,765 करोड़, सितंबर में 23,885 करोड़ और अगस्त में 34,990 करोड़ रुपए। विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय बाजार का ऊंचा वैल्यूएशन विदेशी निवेशकों को अपेक्षाकृत सस्ते बाजारों की ओर मोड़ रहा है। एफपीआई की बिकवाली के बावजूद घरेलू निवेशकों की मजबूती ने बाजार को स्थिर रखा। एमफी के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से नवंबर 2025 तक म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए 2.75 लाख करोड़ से अधिक का ग्रॉस इनफ्लो आया। इस लगातार निवेश ने सेंसेक्स और निफ्टी को विदेशी बिकवाली के दबाव से बचाया। 27 नवंबर को सेंसेक्स ने 14 महीने बाद 86,159 के नए सर्वकालिक उच्च स्तर को पार किया। हालांकि, इसके बाद लगातार चार सत्रों में बिकवाली के कारण सूचकांक 1,000 अंक से अधिक फिसलकर 85,107 पर बंद हुआ। अधिकांश सेक्टर्स में गिरावट देखी गई, लेकिन आईटी सेक्टर ने मजबूती बनाए रखी। गौरतलब है कि भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली बढ़ी है, लेकिन घरेलू निवेशकों की सक्रिय भूमिका ने बाजार को संतुलित रखा है। रुपया दबाव में है, लेकिन घरेलू निवेश की निरंतरता ने निवेशकों को भरोसा बनाए रखा है।

सोने के वायदा भाव में नरमी, चांदी में हल्की तेजी

- सोना 188 रुपए गिरकर 1,30,274, चांदी 269 रुपए तेज होकर 1,82,621 पर

नई दिल्ली । सोने-चांदी के वायदा बाजार में गुरुवार को कारोबार की शुरुआत तेज रुख के साथ हुई, हालांकि सत्र के आगे बढ़ने के साथ सोने के भाव पर दबाव देखने को मिला। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का फरवरी वायदा कॉन्ट्रेक्ट 337 रुपये की मजबूती के साथ 1,30,799 प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि पिछले सत्र का बंद भाव 1,30,462 रुपए था। इस समय सोना 1,30,274 रुपए पर आ गया, जो शुरुआती स्तर से 188 रुपये की गिरावट दर्शाता है। दिन के दौरान इसने 1,30,799 रुपए का उच्च और 1,30,228 रुपए का निम्न स्तर छुआ। सोने ने इस वर्ष 1,31,699 रुपए का सर्वोच्च स्तर बनाया था। दूसरी ओर, चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 269 रुपये की तेजी के साथ 1,82,621 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,82,352 रुपये था। इस समय यह 2,45 रुपये की तेजी के साथ 1,82,597 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,82,697 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,82,021 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,84,743 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मिले-जुले रुझान दिखाई दिए। कॉमेक्स पर सोना 4,234.50 डॉलर प्रति औंस पर खुलकर लगभग 4,223.10 डॉलर पर आ गया, जो लगभग 9.40 डॉलर की गिरावट दर्शाता है। इस वर्ष सोने का उच्चतम स्तर 4,398 डॉलर रहा है। वहीं चांदी 58.98 डॉलर प्रति औंस पर खुली और हल्की तेजी के साथ 58.81 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। चांदी ने वर्ष का उच्च स्तर 59.61 डॉलर छुआ था।

भारत का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 1.47 अरब डॉलर पहुंचा

- भारत के वैश्विक स्मार्टफोन निर्यात में भी तेज़ी आई

नई दिल्ली ।

भारत का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात अक्टूबर 2025 में तीन गुना से अधिक बढ़कर 1.47 अरब डॉलर हो गया। पिछले साल इसी महीने यह केवल 46 करोड़ डॉलर था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में अमेरिका को कुल निर्यात 10.78 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले साल समान अवधि में यह 3.60 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर निर्यात में उतार-चढ़ाव देखा गया। अप्रैल में यह 1.65 अरब डॉलर, मई में 2.29 अरब डॉलर था। जून में 1.99 अरब डॉलर, जुलाई में 1.52 अरब डॉलर, अगस्त में 96 करोड़ डॉलर और सितंबर में 88 करोड़ डॉलर तक गिर गया। अक्टूबर में निर्यात फिर बढ़कर 1.47 अरब डॉलर हुआ। अधिकारियों ने कहा कि शुल्क और नीति संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद निर्यात की गति कायम रही। भारत के वैश्विक स्मार्टफोन निर्यात में भी तेज़ी आई है। अप्रैल-अक्टूबर 2025 में यह 15.95 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 10.68 अरब डॉलर था। यह वृद्धि भारतीय स्मार्टफोन उद्योग की निर्यात क्षमता और अंतरराष्ट्रीय मांग को दर्शाती है।

रुपए की कमजोरी से महंगाई और आर्थिक दबाव बढ़ने की आशंका

- महंगाई बढ़ने से आरबीआई ब्याज दर बढ़ा सकता है

नई दिल्ली ।

डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी का असर आम जनता की जेब पर सीधे पड़ रहा है। भारत कच्चे तेल, गैस और कई आवश्यक वस्तुओं का बड़ा आयातक है। डॉलर मजबूत होने से इनकी कीमत बढ़ती है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ती है, जो सब्ज़ी, दूध, अनाज और दैनिक उपयोग की चीज़ों की कीमतों में इजाफा करती है। मोबाइल, लैपटॉप, टीवी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले पुर्ज़े विदेश से आते हैं। डॉलर मजबूत होने पर कंपनियों की लागत बढ़ती है और कीमतें बढ़ाना पड़ता है। आईटी और फार्मा कंपनियों को लाभ होता है, जबकि ऑटो, स्टील और इम्पोर्ट पर निर्भर सेक्टर दबाव में आते हैं। बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ता है, निवेशकों की चिंता बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से आरबीआई ब्याज दर बढ़ा सकता है। होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई बढ़ती है। विदेश में पढ़ाई करने वालों के लिए खर्च महंगा हो जाता है। रुपए की कमजोरी महंगाई, निवेश, बचत और रोजमर्रा की जीवनशैली पर व्यापक प्रभाव डालती है।

ब्रिस्बेन टेस्ट : स्टार्क ने झटके 6 विकेट, जो रूट ने ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर ठोका अपना पहला शतक

ब्रिसबेन (एजेंसी)। जो रूट (नाबाद 135) शतकीय और जैक क्रॉली (76) रनों की अर्धशतकीय पारियों के दम पर इंग्लैंड ने एशेज के दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ विकेट पर 325 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। रुट ने ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर अपना शतक सूखा समाप्त करते हुए 202 गेंदों पर नाबाद 135 रन में 15 चौके और एक छक्का लगाया। रुट का ओवरआल यह 40वां शतक है।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क ने जबरदस्त स्पेल किया, जबकि जो रूट ने शानदार शतक लगाया। ब्रिस्बेन की लाइट्स में आज के जमाने के दो महान खिलाड़ियों ने सबका ध्यान खींचा। स्टार्क पहली ही गेंद से लय में थे, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को दो शुरुआती ब्रेकथ्रू देकर एकदम सही शुरुआत दी और जब भी इंग्लैंड संभलता हुआ लगा, उन्होंने फिर से स्ट्राइक किया। जब भी किसी पार्टनरशिप में मजबूती का इशारा मिला, उन्होंने उसे तोड़ने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लिया। हालांकि, रूट तूफान में शांति की तरह थे। जैसे-जैसे उनके आस-पास विकेट गिर रहे थे, उन्होंने एक शांत और ज़बरदस्त पारी खेलकर इंग्लैंड की पारी को संभाला, और आखिरकार ऑस्ट्रेलियाई ज़मीन पर अपना पहला टेस्ट शतक बनाया; यह उस मौके के लिए एकदम सही था। क्रॉली के भरोसेमंद योगदान ने भी अपनी भूमिका निभाई, जैसा कि रूट और आर्चर की आखिरी विकेट की जोशीली साझेदारी ने किया, जिनकी तेज 61 रन की साझेदारी ने इंग्लैंड को पहले दिन 320 रन के पार पहुंचा दिया। पिंक-बॉल टेस्ट में इतने बड़े स्कोर के साथ, इंग्लैंड अगले फेज़ में असली मजबूत स्थिति में है। आज यहां इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 5 रन के स्कोर पर अपने 2 विकेट गंवा दिए। मिचेल स्टार्क ने बेन डकेट और ऑली पोप को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जो रूट ने जैक क्रॉली के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 117 रनों की साझेदारी हुई। 28वें ओवर में माइकल नीसर ने जैक क्रॉली को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। जैक क्रॉली ने 93 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 76 रन बनाये। हैरी ब्रूक (31), कप्तान बेन स्टोक्स और विल जैक्स 19-19 बनाकर आउट हुए।

इसी दौरान 66वें ओवर में बोलैंड की गेंद पर चौका लगाकर जो रूट ने अपना शतक पूरा किया। जो रूट का यह 40वां टेस्ट शतक है। इसी के साथ रूट, लेलैंड के बाद गाबा टेस्ट के पहले दिन शतक बनाने वाले दूसरे इंग्लिश खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उनके लंबे समय से चला आ रहा शतक सूखा भी समाप्त हो गया है। ऑस्ट्रेलिया में, उन्होंने नौ अर्धशतक लगाए थे, लेकिन शतक तक पहुंचने में असफल रहे थे। गस ऐटकिंसन (चार) और ब्राइडन कार्स (शून्य) को मिचेल स्टार्क ने 67वें ओवर में आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय इंग्लैंड ने 9 विकेट पर 325 रन बना लिए थे और (जो रूट नाबाद 135) और जोफ्रा आर्चर (नाबाद 32) क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट लिए। माइकल नीसर और स्कॉट बोलैंड ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बीसीसीसीआई की नाराजगी को देखते हुए विजय हजार ट्रॉफी में खेलने को तैयार हुए विराट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह दिल्ली की ओर से आगामी विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने को तैयार है। माना जा रहा है कि विराट ने ये फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दबाव में लिया है। इसका कारण है कि बोर्ड पहले एकदिवसीय के बाद उनके दिये बयान से नाराज था जिसको देखते हुए विराट को 15 साल के बाद इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा है।वहीं पहले वह इसमें खेलने को तैयार नहीं थे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई विराट के सार्वजनिक रुप से दिखे उस बयान से नाराज थी। उसके बाद ही उन्होंने घरेलू क्रिकेट खेलने का फैसला किया।विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला 24 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के खिलाफ खेलेगी।

कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की मैच विजेता पारी खेलने के बाद कहा था कि मैं कभी भी बहुत ज्यादा तैयारी में भरोसा नहीं करता। मेरा पूरा क्रिकेट मानसिक है। जब तक मैं मानसिक रूप से मजबूत महसूस करता हूं तो मैं खेल सकता हूं। उन्होंने कहा, 'मैंने 300 एकदिवसीय मैच खेल खेले हैं और 15-16 साल में काफी अधिक क्रिकेट खेला है। इसको देखते हुए मेरा मानना है कि अगर आप नेट में बिना कोई ब्रेक लिए डेढ़, दो घंटे खेल सकते हैं तब आप हर जरूरत को पूरी कर रहे हैं।'कोहली के इसी बयान से बीसीसीआई भड़की हुई थी। उसने इससे पहले इन दोनो को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी थी ताकि ये दोनो भारत की ओर से एकदिवसीय प्रारुप खेलने के लिए तैयार रहें। वहीं रोहित ने पहले ही कहा दिया था कि वह मुंबई की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी खेलने के लिए लिए तैयार हैं।

जडेजा की धीमी बल्लेबाजी से हारे : इरफान पठान

रायपुर (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम की हार का कारण अनुभवी बल्लेबाज रविन्द्र जडेजा की धीमी बल्लेबाजी रही है।

भारतीय टीम ने इस मैच में दक्षिण अफ्रीका को 359 रनों का लक्ष्य दिया था पर इसके बाद भी वह इसे बचा नहीं पायी। पठान ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका अफ्रीका ने 39 से 49 ओवरों के बीच कसी हुई गेंदबाजी की, जिससे भारतीय टीम 370 तक नहीं पहुंच पायी। इरफान के अनुसार 15 से 20 रन और बनते तो शायद परिणाम अलग होता। उन्होंने कहा कि जडेजा ने धीमी बल्लेबाजी की है। जडेजा ने सातवें नंबर पर आने के बाद 27 गेंदों में केवल 24 रन बनाए। उन्होंने कप्तान केएल राहुल के साथ छठे विकेट के लिए 54 गेंदों में 69 रन बनाये थे।

इरफान ने कहा, राहुल ने अच्छा फिनिश किया। उन्होंने एक और कप्तानी पारी खेली। उनका अच्छा फिनिश करना जरूरी थी, अगर वो नहीं होता तो इतने रन भी भारत के नहीं बनते। मेरे हिसाब से जो जडेजा की पारी ठीक नहीं थी। उन्होंने 27 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। भारतीय टीम के अधिकतर बल्लेबाजों ने 100 के स्ट्राइक रेट से ज्यादा बनाये पर जडेजा ने 88 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। जिस प्रकार के वह बल्लेबाज हैं उसमें ये आंकड़ा सही नहीं है। जडेजा का रवैया आक्रामक नहीं रहा। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने शुरु में संभलकर खेलने के बाद आक्रामक रुख दिखाया। दक्षिण अफ्रीका ने 49.2 ओवर में ही 359 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। साउथ अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम ने 110 जबकि मैथ्यू ब्रीट्जके ने 68 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 54 रन बनाये।

हार्दिक पांड्या का भारी क्रेज, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच का वेन्यू बदला गया

बड़ौदा बनाम गुजरात मैच फैंस की भारी भीड़ और सुरक्षा कारणों से हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में शिफ्ट

हैदराबाद (एजेंसी)। मौजूदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान एक अभूतपूर्व फैसले में बड़ौदा बनाम गुजरात का मुकाबला भारी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था की बढ़ती जरूरत के चलते राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है। यह फैसला हार्दिक पांड्या के प्रति उमड़ रही असाधारण फैन-फॉलोइंग के चलते लिया गया है।

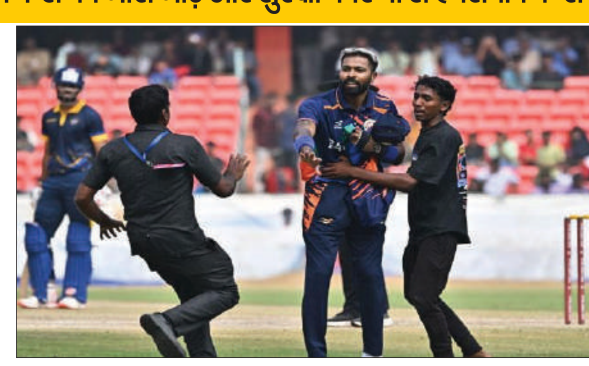

अधिकारियों के अनुसार, टीम होटल, अभ्यास स्थल और टिकट काउंटरों के बाहर असामान्य रूप से बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ देखी गई जो सामान्य घरेलू मैचों की तुलना में कई गुना अधिक थी। आयोजकों का मानना है कि यह भीड़ पूरी तरह हार्दिक पांड्या को देखने की दीवानगी के कारण उमड़ी। एक वरिष्ठ आयोजक ने बताया, 'हार्दिक पांड्या के प्रति उत्साह अविश्वसनीय है। फैन टर्नआउट, पूछताछ और भीड़ का दबाव हमारी अपेक्षाओं से कहीं ज्यादा था। सुरक्षित और सुचारू आयोजन सुनिश्चित करने के लिए मैच को राजीव गांधी स्टेडियम में स्थानांतरित करना आवश्यक हो गया।' राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों और IPL मुकाबलों की मेजबानी के लिए जाना जाता है, बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और उच्च क्षमता के कारण इस अप्रत्याशित भीड़ को संभालने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प माना गया।हैदराबाद में पिछले दो दिनों में IPL जैसी हलचल देखी गई प्रशंसक अभ्यास सत्रों के बाहर इकट्ठा हो रहे हैं, पोस्टर-बैनर लेकर घूम रहे हैं, टिकट के लिए लाइनें लगा रहे हैं, और सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह जता रहे हैं यह सब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हार्दिक पांड्या की मौजूदगी को लेकर है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबले के बारे में

बड़ौदा बनाम गुजरात मैच भारत की प्रमुख घरेलू टी20 प्रतियोगिता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का हिस्सा है और वेन्यू बदलने के बाद अब इसके रिकॉर्ड भीड़ जुटाने की उम्मीद है।

अश्विन बोले, इस बार ग्रीन पर आईपीएल नीलामी में लग सकती है सबसे बड़ी बोली

मुम्बई । स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि 16 दिसंबर को आबूधाबी में 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए होने वाली नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर सबसे अधिक बोली लग सकती है। ग्रीन फिट नहीं होने के कारण पिछले साल आईपीएल से बाहर थे। अश्विन के अनुसार आंद्रे रस्सेल और ग्लेन मैक्सवेल के सन्यास के कारण ग्रीन ही अब सबसे बेहतर विदेशी ऑलरांउर के तौर पर उलब्ध हैं, ऐसे में उनकी मांग बढ़ना तय है। अश्विन के अनुसार सभी फ्रेंचाइजियां ऐसे खिलाड़ी को लेना चाहेंगी जो तेज गेंदबाजी के साथ ही मध्य क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और ये सभी खूबियां ग्रीन में हैं। अश्विन ने कहा, ग्रीन के अलावा इस बार उनके साथी खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन के पास भी मोटी रकम हासिल करने का अवसर है। ग्रीन इस समय विश्व के बेहतरीन टी20 खिलाड़ियों में शामि हैं। एक अच्छे आक्रामक बल्लेबाज होने के साथ ही वह 140 से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता बनी रहती है। ग्रीन ने 40 से अधिक के औसत और तेज स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इस ऑलराउंडर ने अब तक दो सही सत्र खेले हैं और 29 मैचों में 707 रन बनाये हैं इसके अलावा 16 विकेट लेकर दिखाया है कि वह एक मैच विजेता हैं। ग्रीन ने दबाव के बीच ही मैच विजेता पारियां खेली हैं।

अपने गेंदबाजी कौशल को निखारने मोर्कल और अर्शदीप से सलाह ले रहे हर्षित राणा

मुम्बई । युवा तेज तेज गेंदबाज हर्षित राणा भारतीय टीम में आने के बाद से ही टीम में अपनी जगह पक्की करने का प्रयास कर रहे हैं। हर्षित का सकारात्मक पक्ष ये है कि वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं हालांकि वह इस बार के लिए निशाने पर रहते हैं कि मुख्य कोच गंभीर का करीबी होने से उन्हे खेलने के अवसर मिल रहे हैं। वहीं इन आलोचनाओं पर ध्यान नहीं देते हुए हर्षित नई गेंद से अपने कौशल को सुधारने के लिए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ काम कर रहे हैं। हर्षित ने कहा, ''नई गेंद से मैं मोर्ने (मोर्कल) के साथ बहुत अभ्यास कर रहा हूं और मैं अर्शदीप से बहुत बात करता रहता हूं। मुझे लगता है कि अर्शदीप के पास बहुत अनुभव है और वह अभ्यास के दौरान मेरी मदद और मार्गदर्शन करते रहते हैं।' पारी के 34वें ओवर के बाद एक गेंद के नियम को लेकर हर्षित ने कहा कि भारतीय टीम इस बात पर नजर रखती है कि दोनों गेंदों में से कौन सी गेंद अधिक पुरानी हो रही है जिससे कि उसे चुना जा सके। उन्होंने कहा, ''आजकल के क्रिकेट में गेंदबाज को इतनी मदद नहीं मिलती इसलिए यह नियम हमारे लिए बहुत सहायक है और यह हमेशा दिमाग में रहता है कि कौन सी गेंद पुरानी हो रही है। और हर कोई उस गेंद को चुनने में शामिल होता है।'' हर्षित ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के टीम में रहने से भी उनको काफी कुछ सीखने को मिला है। उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए और जाहिर है कि पूरी टीम के लिए बहुत बड़ी बात है क्योंकि अगर ऐसे अनुभवी खिलाड़ी मैदान और ड्रेसिंग रूम में आपके साथ रहते हैं तो टीम का माहौल बहुत अच्छा होता है। यहां तक कि अगर आप ड्रेसिंग रूम में हैं तो यह पूरी टीम के लिए एक खुशी का माहौल है।''

2026 फीफा विश्वकप के सफल आयोजन के लिए प्रयास कर रहे : गिउलिआनी

वाशिंगटन (एजेंसी)। 2026 फीफा वर्ल्ड कप को लेकर अमेरिका में जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। विश्व कप के लिए बनाये गये व्हाइट हाउस टास्क फोर्स के कार्यकारी निदेशक एंड्रयू गिउलिआनी ने कहा है कि ये विश्वकप सबसे सुरक्षित और यादगार रहेगा। गिउलिआनी के अनुसार इसके लिए सभी प्रकार के इंतजाम किये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि अमेरिका फुटबॉल के इस सबसे बड़े खेल आयोजन की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसमें आने वाले लाखों प्रशंसकों को एक सुरक्षित और आरामदेह माहौल उपलबध कराया जाएगा। गिउलिआनी ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए निर्देश दिये हैं जिन्हें पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित किया जाये कि देश में एक सुरक्षित, स्वागत योग्य और यादगार विश्व कप का आयोजन हो। 2026 के टूर्नामेंट को लेकर गिउलिआनी ने कहा कि विश्व कप अमेरिका की 250वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ के साथ ही होगा, जिसमें 4 जुलाई, 2026 को फिलाडेल्फिया में एक मैच होना है। उन्होंने कहा, यह हमें अमेरिका का सबसे अच्छा रूप दिखाने का अवसर देता है, जिसमें हमारी मेहमाननवाजी और हमारा इनोवेशन तो है ही, साथ ही ये उस अमेरिकी भावना को भी दिखाता है जिस पर हमें बहुत गर्व है।

गिउलिआनी ने कहा कि विश्व कप में 48 देश, 104 मैच 49 टीम बेस कैंप और लाखों अंतरराष्ट्रीय मेहमान शामिल होंगे। इससे पर्यटन, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्थानीय व्यवसायों और 11 अमेरिकी मेजबान शहरों को फायदा होगा। यह एकता का एक वैश्विक क्षण रहेगा। यह सिर्फ एक प्रतियोगिता से कहीं ज्यादा है।

जीत के बाद बोले बावुमा, भारतीय टीम के खिलाफ खेलना बेहद कठिन

रायपुर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के कप्तान तैंबू बावुमा ने भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में मिली रिकार्ड जीत पर खुशी जतायी है।

बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों के कठिन लक्ष्य को भी हासिल कर लिया। यह एकदिवसीय में लक्ष्य का पीछा करते हुए विदेशी धरती पर किसी भी टीम की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी जीत है।

बावुमा ने दूसरा एकदिवसीय चार विकेट से जीतने के बाद कहा, मुझे खुशी है कि हमने जीत की दहलीज पार कर ली। इस मैच में आते हुए हमारा ध्यान था कि गेंदबाजी कैसे बेहतर की जा सके। वहीं बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया। एडेन मार्करम और मैथ्यू ब्रीटजके के अलावा कॉर्बिन बॉश ने भी अच्छा खेल दिखाया है। फिनिशिंग भी अच्छी रही। यह प्रकार से ये कठिन लक्ष्य हासिल किया गया। उससे साफ है कि भारतीय टीम के खिलाफ खेलना कितना मुश्किल है। हमें आगे भी इसी प्रकार के प्रदर्शन की जरुरत होगी। जब मैं क्रीज पर आया तो एडेन गेंद को खेल रहा था। मैं उसके साथ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रहा था। कप्तान ने साथ ही कहा, इस मैच से हमें बहुत आत्मविश्वास मिला है। एक अच्छी सीरीज तैयार हुई है। मुझे लगता है कि जो लोग यहां हैं, वे हमारे अच्छे खिलाड़ी हैं। हर स्थान के लिए कड़ी टक्कर थी। इसलिए मुझे लगता है कि बल्लेबाज जानते हैं कि उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। यह स्थिति गेंदबाजों के साथ भी है। इस तरह के प्रदर्शन से मनोबल बढ़ता है।

राहुल ने टॉस को बताया हार के लिए जिम्मेदार, ओस के कारण गेंदबाजी थी मुश्किल

रायपुर । भारतीय क्रिकेट टीम की मेहमान टीम दक्षिण अफीका के दूसरे एकदिवसीय में 358 रन बनाने के बाद हुई हार के लिए कप्तान के एल राहुल ने टॉस हारने को कारण बताया है। राहुल ने कहा , इस परिणाम को पचाना ज्यादा कठिन नहीं हैं क्योंकि रात के समय काफी ओस रहती है जिससे गेंदबाजी में काफी परेशानी आती है। अंपायरों ने कई बार गेंद बदली जिसके बाद भी गेंदबाजी आसान नहीं थी। मैं लगातार दो टॉस हारने पर निराश हूं हालांक कुछ चीजें होती हैं जिन्हें हम बेहतर कर सकते थे पर कर नहीं पाये। मुझे पता है कि 350 अच्छा स्कोर लगता है हालांकि पिछले मैच के बाद भी ड्रेसिंग रूम में यही हो रही थी कि किस प्रकार हम 20 से 25 रन कैसे और बना सकते थे जिससे गेंदबाजों को गीली गेंद से गेंदबाजी करते समय स्कोर का बचाव करने में आसानी हो। गेंदबाजों ने पूरा प्रयास किया लेकिन इसके बाद भी सुधार की जरुरत है। हमने मैदान में कुछ आसान रन भी दिए जो भारी पड़ गये। अगर हम गेम के तीनों पहलुओं को देखें तो थोड़े और बेहतर हो सकते थे। शायद उन 20-25 रनों से हमें लाभ होता। राहुल ने ऋतुराज गायकवाड़ और विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा, ऋतुराज को बल्लेबाजी करते हुए देखना काफी अच्छा अनुभव था। विराट को हमने 53 बार ऐसा करते देखा है। वह अपना काम करते रहते हैं, हमें यह देखने की आदत है। वहीं ऋतुराज जिस तरह से बल्लेबाजी की। उसकी जितनी तारीफ करें कम है। उसने स्पिनरों का बेहतर तरीके से सामना किया और फील्डरों के बीच में से गेंद निकाली। उसने अर्धशतक बनाने के बाद जबरदस्त तेजी दिखायी और उसी से हमें 20 रन ज्यादा मिले। अगर निचला क्रम और रन बनाता तो हम और बेहतर हालत में होते। राहुल ने अपने बल्लेबाजी क्रम पर कहा, आज पहली बार मुझे छह नंबर पर रखा गया हालांकि मैं नंबर-5 पर बल्लेबाजी करने आया।

बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में होगी भारत की असली परीक्षा

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन स्न्नढ्ढ पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी।

चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा।

यहां से कोई भी चूक भारत के 9 साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है।

चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए। पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला लेकिन भारत कप्तान रोहित और अनमोल एक्का से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। दिलराज सिंह (06 गोल), मनमीत (05), अर्शदीप सिंह (04), अजीत यादव और गुरजोत सिंह (दोनों दो-दो गोल) सभी ने अपना प्रभाव छोड़ा है। रोसन कुजूर, एड्रोई एक्का, अंकित पाल और इंगलेम्बा लुवांग थोउनाओजम ने मध्यपंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी। श्रीजेश भी पूल चरण के प्रदर्शन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं।

उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। अगले मैच से असली टूर्नामेंट शुरू होगा और हमारे लिए उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है।% बेल्जियम अपने पूल में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा लेकिन भारत को उसे किसी भी तरह से हल्के से लेने की गलती नहीं करनी होगी। बेल्जियम ने अभी तक टूर्नामेंट में 22 गोल किए हैं और वह सर्वाधिक गोल करने वाली टीमों में तीसरे नंबर पर है। उसने 11 मैदानी गोल किए जबकि इतने ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।

श्रीजीश ने कहा, 'जूनियर विश्व कप कोई आसान टूर्नामेंट नहीं है। मेरा मतलब है कि इनमें से कोई भी टीम आपको आसानी से जीत हासिल नहीं करने देगी। टूर्नामेंट की असली शुरुआत तो अब होगी और कोई भी गलती भारी पड़ सकती है।% क्वार्टर फाइनल के अन्य मैचों में स्पेन का सामना न्यूजीलैंड से, फ्रांस का सामना जर्मनी से और नीदरलैंड का सामना अर्जेंटीना से होगा।

रोहित, विराट पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये : एमएस के प्रसाद

मुम्बई । चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष एमएस के प्रसाद ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये। प्रसाद ने ये बात भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उसे निर्देश को लेकर कही है जिसमें बोर्ड ने केन्द्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने का अनिवार्य बनाया है। केवल फिट नहीं होने पर ही खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट से बाहर रहने की अनुमति दी गयी है। ऐसे में माना जा रहा है कि विराट और रोहित आने वाले समय में विजय हज़ारे ट्रॉफी खेलते हुए दिख सकते हैं। वहीं प्रसाद का मानना है कि बोर्ड को इन सीनियर खिलाड़ियों पर घरेलू मैच खेलने का दबाव नहीं डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोहित और कोहली न सिर्फ टीम के अनुभवी खिलाड़ी हैं बल्कि युवा खिलाड़ियों से कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं बोर्ड का मानना है सभी अनुबंधित खिलाड़ी अवसर मिलने पर घरेलू क्रिकेट खेलें, जिससे उनकी फिटनेस के साथ ही लय भी बनी रहेगी। इसी के बाद दिल्ली जिला क्रिकेट संघ ने कहा था कि विराट आगामी विजय हज़ारे ट्रॉफी में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा उसने रोहित के भी मुम्बई की ओर से मैदान पर उतरने की उम्मीद जतायी। इस नियम का उद्देश्य घरेलू स्तर पर स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी बढ़ाना है, जिससे युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा और अनुभव मिल सके।वहीं प्रसाद ने वर्तमान मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को आगाह किया है कि कोहली और रोहित जैसे बड़े खिलाड़ियों पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव न बनाया जाए। साथ ही कहा कि इससे उनपर मानसिक दबाव पड़ेगा। रेलू क्रिकेट खेलना अच्छा है, लेकिन इसे जबरदस्ती की तरह पेश नहीं करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

खालिदा को देखने ब्रिटेन की टीम बांग्लादेश रवाना

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन से चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम वेंटिलेटर पर रखी गई पूर्व पीएम खालिदा जिया के इलाज का आकलन करने बांग्लादेश का दौरा करेगी। खालिदा जिया की हालत यहां एक निजी अस्पताल में गंभीर बनी हुई है। एवरकेयर अस्पताल के जाहिद हुसैन ने कहा, ब्रिटेन के विशेषज्ञ जांच के लिए निकल चुके हैं।

तुर्किये तट के पास रूसी तेल टैंकर पर हमला, चालक दल सुरक्षित

मास्को, एजेंसी। रूस से जॉर्जिया जा रहे रूसी तेल टैंकर एमआईडीवीओएलजीए-2 ने तुर्किये तट से 80 मील दूर 13 सदस्यीय दल पर हमला किया गया। हालांकि हमले में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। तुर्किये की समुद्री प्राधिकरण बताया कि जहाज ने सहायता नहीं मांगी और सिनोप बंदरगाह की ओर बढ़ता रहा। यह घटना ऐसे समय आई है जब पिछले सप्ताह यूक्रेनी नौसैनिक ड्रोन ने काला सागर में दो रूसी-गामी टैंकरों को निशाना बनाया था।

स्टारबक्स ने हड़ताली कर्मियों को दिए 31.33 करोड़ रुपये

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी स्टारबक्स न्यूयॉर्क में हड़ताल के बीच अपने 15,000 से अधिक कर्मचारियों को लगभग 31.33 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी। कर्मचारियों ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने उन्हें स्थिर शेड्यूल नहीं दिए और मनमाने ढंग से काम के घंटे घटाए। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ ब्रायन निकोल निकोल ने इससे पहले कहा था कि कंपनी की संरचना को सुधारने का उद्देश्य निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना है और उन सिलोस को खत्म करना है जो संचार को धीमा करते हैं।

अमेरिका में जिम्नास्टिक कोच पर यौन शोषण के आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के आयोवा में एक जिम्नास्ट कोच पर यौन शोषण को लेकर कार्रवाई न करने पर यूएसए जिम्नास्टिक और यूएस सेंटर फॉर सेफपोर्ट नामक संस्था के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार 2017 में उन्होंने कोच के उन्हें अनुचित तरीके से छूने की जानकारी संस्थाओं को दी गई थी। लेकिन उन्होंने न तो मामले में पड़ताल करना जरूरी समझा और न ही कोई कार्रवाई। इसके चलते कोच को 2018 में आयोवा के एक अन्य जिम में नौकरी मिली। वहां भी वह बेखौफ होकर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण करता रहा।

नेपाल : मधेश प्रदेश सभा की बैठक तत्काल बुलाने की मांग

काठमांडू, एजेंसी। मधेश राज्य सरकार में विपक्षी दलों के गठबंधन ने प्रदेश सभा की बैठक तुरंत बुलाने की मांग की है। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री सरोजकुमार यादव को 24 घंटे में विश्वास का मत हासिल करने का आदेश दिया है। इसी के चलते गठबंधन में शामिल दलों ने प्रदेश सभा की बैठक का आग्रह किया। सीएम विश्वास मत नहीं लेते हैं या बहुमत जुटाने में नाकाम रहते हैं तो संविधान के अनुच्छेद 168 (2) के तहत नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। अदालती आदेश जारी होने के अगले ही दिन नेपाली कांग्रेस, माओवादी केंद्र, जनता समाजवादी पार्टी नेपाल, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी नेपाल सहित विपक्षी दलों ने उप सभामुख बबीता राउत से प्रदेश सभा की बैठक शाम 4 बजे बुलाने का अनुरोध किया। उच्च सूत्रों के अनुसार, विपक्षी दलों ने अपने सांसदों को जिले से बाहर न जाने का निर्देश भी दिया है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में टीटीपी के 7 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग अभियानों में सात टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, दोनों ऑपरेशन उत्तरी वजीरिस्तान जिले में किए गए। सुरक्षा बलों द्वारा मीर अली तहसील में एक खुफिया-आधारित अभियान (आईबीओ) चलाया गया, जिसके दौरान छह आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर ने बताया कि जिले के स्पिनवाम क्षेत्र में आईबीओ में एक अन्य आतंकवादी मारा गया। बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों से हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है, जो सुरक्षा बलों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधियों और निर्दोष नागरिकों की हत्या में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। क्षेत्र में पाए जाने वाले अन्य आतंकवादियों को खत्म करने के लिए सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रम्प के दामाद के साथ पुतिन की 5 घंटे बैठक

रूसी राष्ट्रपति बोले- डोनबास लिए बिना कोई शांति नहीं, जंग रोकने पर फैसला नहीं

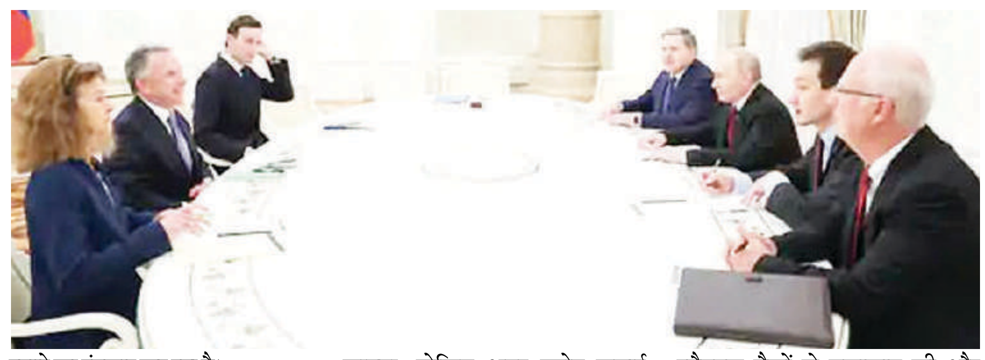

मॉस्को, एजेंसी। रूस में राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रम्प के दामाद जैरेड कुशनर के बीच मंगलवार को यूक्रेन युद्ध को लेकर पांच घंटे बैठक हुई। इतनी लंबी बैठक के बाद भी दोनों पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुंचे। पुतिन के फॉरेन पॉलिसी एडवाइजर यूरी उशाकोव ने कहा कि बातचीत फायदेमंद रही, लेकिन अभी तक कोई ऐसा प्रस्ताव सामने नहीं आया जिस पर सहमति बन सके। पुतिन का साफ कहना है जब तक यूक्रेन, रूस को डोनबास का इलाका नहीं सौंपेगा कोई समझौता नहीं होगा। उशाकोव ने बताया कि पुतिन ने अमेरिकी शांति प्रस्ताव के कुछ हिस्सों से सहमति जताई, लेकिन कई बातों पर साफ तौर पर नापसंदगी दिखाई। उनके मुताबिक अभी कई मुद्दों पर और काम करना होगा।

पुतिन-ट्रम्प की बैठक तय नहीं : उशाकोव ने यह भी कहा कि फिलहाल पुतिन और ट्रम्प की कोई नई बैठक तय नहीं है और आगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि शांति योजना पर कितना डेवलपमेंट होता है। जब ये बातचीत चल रही थी, उसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि यूक्रेन अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की ओर से मिलने वाले इशारे का इंतजार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारी बातचीत के बाद सीधे यूक्रेन को बताएंगे कि बैठक में क्या हुआ और उसके बाद ही यूक्रेन अपना अगला कदम तय करेगा। यूक्रेन के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें पहले से अंदाजा था कि पुतिन का रुख कैसा रहेगा। वे कुछ बातों पर कुछ बातों पर सहमति और कुछ पर सख्त आपत्ति जताएंगे। अब असली सवाल यह है कि अमेरिका इस पर कैसे रिस्पांस करता है।

पुतिन ने कहा था- हम युद्ध नहीं चाहते : इस बैठक से ठीक पहले पुतिन ने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका की शांति योजना में ऐसे बदलाव कर रहा है जिससे बातचीत आगे न बढ़ सके। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर यूरोप लड़ाई शुरू करना चाहता है, तो रूस तैयार है। उधर, व्हाइट हाउस ने बैठक से पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि बातचीत से कुछ डेवलपमेंट हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने हाल ही में यूक्रेनी प्रतिनिधियों से फ्लोरिडा में मुलाकात की थी, जहां शांति योजना में कई बदलावों पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि मौजूदा शांति योजना पहले की 28 बिंदुओं वाली योजना में सुधार करके बनाई गई है, क्योंकि पुरानी योजना को यूक्रेन और यूरोपीय देशों ने रूस के पक्ष में बताया था।

जेलेंस्की बोले- हर तरह की डिप्लोमेटिक कोशिशें करेंगे : जेलेंस्की इस समय यूरोपीय देशों से भी बात कर रहे हैं। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और आयरलैंड पहुंचकर वहां के प्रधानमंत्री से मिलने वाले हैं। उनका कहना है कि यूक्रेन किसी भी कूटनीतिक प्रयास को बेहद गंभीरता से ले रहा है और उसकी पूरी कोशिश है कि एक मजबूत शांति और सुरक्षा गारंटी मिले।

उन्होंने यह भी कहा कि रूस शांति से पहले भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है ताकि दूसरे देशों को प्रभावित किया जा सके। विटकॉफ और पुतिन के बीच यह इस साल की छठी बैठक थी। इतनी कोशिशों के बावजूद अब तक कोई ठोस समझौता नहीं बन सका है। अमेरिका और यूक्रेन को उम्मीद है कि बातचीत आगे बढ़ेगी, जबकि पुतिन लगातार इस बात पर अड़े हैं कि यूक्रेन को उन इलाकों से पीछे हटना होगा जिन्हें रूस अपना हिस्सा मानता है।

अमेरिका में दो लोगों की मौत के मामले में भारतीय व्यक्ति पर गैर इरादतन हत्या का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक ट्रक से टक्कर के बाद कार में सवार दो लोगों की मौत के मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति पर गैर इरादतन हत्या के आरोप लगाए गए हैं। राजिंदर कुमार (32) पर गैर इरादतन हत्या और लापरवाही के कारण किसी की जान को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया है।

हादसे में कार में सवार विलियम मिका कार्टर (25) और जेनिफर लिन लोवर (24) की मौत हो गई थी। जिस ट्रक से उनकी टक्कर हुई थी, उसे कुमार ही चला रहा था। अमेरिका के होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचसी) ने कहा कि आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने कुमार की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी कर दिया है।

ओरेगन राज्य की पुलिस ने कहा कि उसके अधिकारियों को 24 नवंबर की रात डेशूट्स काउंटी में दो वाहनों की टक्कर की सूचना मिली थी, जिसके बाद वह घटनास्थल पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कुमार का ट्रक सड़क के बीचोंबीच खड़ा था, जिसकी वजह से दोनों ओर से आवाजाही बंद हो गई थी। उसी दौरान राजमार्ग पर तेज रफ्तार में आ रही कार्टर की कार ट्रक से टकरा गई थी।

कार्टर और लोवर को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था जबकि कुमार को कोई चोट नहीं लगी थी। इसके बाद कुमार को गिरफ्तार करके डेशूट्स काउंटी जेल भेज दिया गया था। डीएचएस के अनुसार कुमार भारत से आया अवैध प्रवासी है और वह 28 नवंबर 2022 को अरिजोन के ल्यूकविल के पास गैर कानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुआ था।

लंदन में 'मेगा' दूतावास बनाने की चीन की योजना में और देरी

लंदन, एजेंसी। मध्य लंदन में चीन के एक विशाल दूतावास के निर्माण की विवादास्पद योजना पर एक लंबे समय से लंबित निर्णय को एक बार फिर टाल दिया गया है। अधिकारियों ने बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर यह जानकारी दी है। लंदन के वित्तीय जिले और संवेदनशील डेटा केबलों के करीब एक बहुत बड़ी साइट पर बनने वाले इस 'मेगा दूतावास' की योजना वर्षों से रुकी हुई है। आलोचकों ने चिंता जताई है कि इस इमारत का इस्तेमाल जासूसी के अड्डे के रूप में किया जाएगा, और राजनीतिक गलियारों के सांसदों ने सरकार से इस प्रस्ताव को खारिज करने का आग्रह किया है। अधिकारियों को 10 दिसंबर तक दूतावास पर निर्णय लेना था, लेकिन प्लानिंग इंस्पेक्टरेट ने कहा कि इस पर पूरी तरह से विचार करने के लिए अधिक समय देने हेतु समय सीमा को बढ़ाकर 20 जनवरी कर दिया गया है। प्रधान मंत्री कीर स्टार्मर के प्रवक्ता टॉम वेल्स ने पत्रकारों से कहा, 'गृह कार्यालय और विदेश कार्यालय ने विशेष सुरक्षा निहितार्थों पर विचार दिए हैं, और शुरू से ही यह स्पष्ट किया है कि जब तक हम यह पुष्टि नहीं कर देते कि उन विचारों को पूरा या सुलझा लिया गया है, तब तक कोई निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए।' यह देरी हाल के हफ्तों में चीनी जासूसी के कई आरोपों से निपटने को लेकर ब्रिटिश सरकार पर बढ़ते दबाव के बीच हुई है।

कैलिफोर्निया में 2006 के बाद 2025 में कम हुए नरसंहार : कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में साल 2006 के बाद नरसंहार के मामले 2025 में सबसे कम रहे। कैलिफोर्निया में बच्चों की जन्मदिन पार्टी में हुई हालिया गोलीबारी में चार लोगों की मौत हुई थी। ये इस साल की 17वां नरसंहार था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कमी स्थायी सुरक्षा का संकेत नहीं, बल्कि औसत स्तर पर लौटने जैसा है। क्रिमिनोलॉजिस्ट जेम्स ऐलन फॉक्स के अनुसार, 2025 में सामूहिक हत्याएं 2024 की तुलना में 24 फीसदी कम रहीं।

पश्तून सांसद की खरी-खरी, कहा- एक गांव भी बिना सिस्टम के नहीं चलता, यहां पूरा पाकिस्तान ऐसे ही चल रहा

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा के मुद्दों को पाकिस्तानी संसद में बेबाकी से उठाने वाले सांसद महमूद खान अचाकजई ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने सेना एवं सरकार की ओर से अत्याचारों का विरोध किया है और कहा कि यहां तो पूरा देश ही मनमर्जी से चल रहा है। अचाकजई ने कहा कि पाकिस्तान में संविधान और व्यवस्था नाम की कोई चीज ही नहीं बची है। इस देश में संविधान अब एक औपचारिकता मात्र है। उन्होंने मंगलवार को पश्तून नायक खान अब्दुल समद खान की 52वीं बरसी के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सरकार पर खैबर पख्तूनख्वा की उपेक्षा करने का भी आरोप लगाया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के चेयरमैन महमूद खान ने कहा कि

इस देश में संविधान अब एक औपचारिकता मात्र रह गया है। आखिर कोई देश कैसे बिना किसी नियम और कानून के चल सकता है। एक गांव भी इस तरह नहीं चल सकता, लेकिन यहां तो पूरा पाकिस्तान ऐसे ही चलाया जा रहा है। यही नहीं उन्होंने शहबाज शरीफ सरकार पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि चुराए हुए जनादेश से बहुमत तैयार कर लिया गया। संसद बन गई। पैसे और प्रभाव से संविधान को खत्म करने और व्यवस्था को कमजोर करने को अनुमति नहीं दी जा सकती। यही नहीं उन्होंने इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का भी पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि संसद में बहुमत हासिल करने के लिए पीटीआई के लोगों पर अत्याचार किए गए। उन्होंने कहा कि हजारों घरों में रेड मारी गई। पुलिस थानों में कार्यकर्ताओं को टॉर्चर किया गया। वहां डिटेंशन सेंटर बना दिए गए। यहां तक कि उनकी गरिमा का भी उल्लंघन हुआ। इसके बाद भी पब्लिक ने पीटीआई को ही जनादेश दिया, लेकिन जब वोटों की गिनती हो रही थी तो दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर रहे लोगों को विजेता घोषित कर दिया गया।

कुछ लोगों को लाखों रुपये ले-देकर विजेता बना दिया गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी जब बहुमत मिलता नहीं दिखा तो अदालतों से फैसले दिलाकर कई लोगों को अयोग्य ही घोषित करा दिया गया। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि पाकिस्तान में अदालतें कोई सही फैसला नहीं दे सकतीं। वे बिना दबाव के निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर पा रही हैं।

वेनेजुएला पर अमेरिका सख्त: ट्रंप ने चेताया- अब जमीन पर भी होंगे हमले, कैरिबियन सागर में हमलों के बाद बढ़ा तनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। कैरिबियन सागर में कथित वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की नौकाओं पर अमेरिकी हमलों के बाद अब तनाव और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कारण है कि कैबिनेट बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक चेतावनी दी है कि सागर में हमले के बाद अब अमेरिका जल्द ही वेनेजुएला के अंदर भी जमीनी हमले शुरू कर सकता है। ट्रंप की ये चेतावनी ऐसे समय में सामने आई है जब ट्रंप प्रशासन कैरिबियन सागर में किए गए हमले को लेकर जांच के घेरे में है। बता दें कि इन हमलों में हुए 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी, ऐसे में इस हमले को लेकर उठ रहे सवाल के बीच ट्रंप ने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का बचाव किया। साथ ही ट्रंप ने कहा कि हम जल्द ही जमीन पर भी हमले शुरू करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जमीनी हमले आसान है, क्योंकि हमें पता है कि ड्रग तस्कर कहां रहते हैं। हम बहुत जल्द हमला शुरू करने वाले हैं।

80 से ज्यादा लोगों की मौत, ट्रंप प्रशासन पर सवाल : हाल में अमेरिका की ट्रंप प्रशासन को उन नौकाओं पर किए गए हमलों को लेकर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है जिन पर नशा-तस्करी का आरोप था। इन हमलों में अब तक 80 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। ऐसे में ट्रंप ने रक्षा मंत्री हेगसेथ का बचाव करते हुए कहा कि न तो उन्हें और न ही हेगसेथ को दूसरे हमले की जानकारी थी। ट्रंप ने कहा कि मुझे दूसरे हमले के बारे में कुछ नहीं पता था। मुझे बस इतना पता था कि एक नाव को निशाना बनाया गया था।

पहले हमला लाइव देखा- हेगसेथ : दूसरी ओर रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने पहला हमला लाइव देखा, लेकिन उसके बाद अपनी अगली मीटिंग में चले गए। उन्होंने कहा कि कुछ घंटे बाद मुझे दूसरे हमले के बारे में पता चला। मैंने कोई जीवित व्यक्ति नहीं देखा, क्योंकि वह नाव पूरी तरह आग में घिरी हुई थी। हालांकि दूसरे हमले को लेकर व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशंस कमांड के प्रमुख एडमिरल फ्रैंक मिच ब्रैडली ने दूसरे हमले का आदेश दिया था।

पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगाई, रैली-जुलूस निकालने पर रोक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगा दी है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत की अफवाहों और देश में अशांति फैलने के डर के बीच आया है। इसके तहत 3 दिसंबर तक कोई भी सार्वजनिक सभा, रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन करने, 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने को पूरी तरह बैन कर दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार ने इसे लेकर एक आदेश जारी किया है। आदेश में हथियार, लाठी, गुलेल, पेट्रोल बम, विस्फोटक सामग्री ले जाने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा नफरत भरे भाषण देना, पुलिस की बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करना, दो लोगों के एक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह रोक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर और रावलपिंडी (अडियाला जेल) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के फैसले के बाद आया है। दावा- संदिग्ध संगठन कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में आदेश में कहा गया है कि जिला खुफिया समिति ने रिपोर्ट दी है कि कुछ संगठन और तत्व बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करके कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में हैं। ये लोग संवेदनशील ठिकानों, सरकारी इमारतों और चुनिंदा जगहों पर हमला कर सकते हैं, इसलिए जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए ये पाबंदियां लगाई जा रही हैं। पीटीआई नेता बोले- कोर्ट आदेश को लागू करने में नाकाम, इमरान से नहीं मिल पा रहे पीटीआई नेता असद कायसर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसद इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करेंगे और फिर अपनी धरना अडियाला जेल ले जाएंगे। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शन करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कोर्ट अपने आदेश को लागू करने में नाकाम रही है और जेल प्रशासन भी कोर्ट के आदेशों का पालन करने को तैयार नहीं है।' पिछले हफ्ते, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने जेल के बाहर धरना दिया था, जब उन्हें आठवीं बार इमरान खान से मिलने से रोका गया। इसी तरह, खान के परिवार के सदस्यों को कई हफ्तों से उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। न्याय राज्य मंत्री बोले- खैबर पख्तूनख्वा में राष्ट्रपति शासन लगाने की तैयारी इससे पहले पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने सोमवार को कहा, 'पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।' पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रही है। जियो न्यूज के मुताबिक मलिक ने कहा, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं। वह न तो केंद्र सरकार से कोई तालमेल रख रहे हैं और न ही जरूरी जगहों पर कोई कार्रवाई कर रहे हैं। सेना के आदेश पर अफरीदी को पुलिस ने पीटा था।

असीम मुनीर के इशारे पर जेल में किया जा रहा टॉर्चर, बहनों से मुलाकात पर इमरान ने क्या बताया

करांची, एजेंसी। इमरान खान की बहनों ने उनसे मुलाकात के बाद मीडिया से बात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. खानम ने कहा कि अल्हम्दुलिल्लाह (ईश्वर की स्तुति हो), वह ठीक हैं... लेकिन मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने से वह नाराज थे। उन्हें पूरे दिन उनकी कोठरी में बंद रखा जाता है... केवल कुछ समय के लिए ही बाहर निकल सकते हैं और उन्हें किसी से बातचीत करने की अनुमति नहीं है। इमरान खान का कहना है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर के निर्देश पर उन्हें अदियाला जेल में प्रताड़ित किया जा रहा है। इमरान खान को पाकिस्तानी जेल में एकांत कारावास में रखा गया है और बाहरी दुनिया से उनकी कोई पहुँच नहीं है। इमरान खान की बहनों ने उनसे मुलाकात के बाद मीडिया से बात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. खानम ने कहा कि अल्हम्दुलिल्लाह (ईश्वर की स्तुति हो), वह ठीक हैं... लेकिन मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने से वह नाराज थे। उन्हें पूरे दिन उनकी कोठरी में बंद रखा जाता है... केवल कुछ समय के लिए ही बाहर निकल सकते हैं और उन्हें किसी से बातचीत करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने अपनी पार्टी के नेतृत्व के साथ-साथ उस अलोकतांत्रिक शासन के लिए भी संदेश दिया, जिसे उन्होंने अलोकतांत्रिक शासन कहा था। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि इमरान खान ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर उस

मानसिक यातना के लिए ज़िम्मेदार हैं, जिसका दावा वे जेल में कर रहे हैं। मुलाकात के बाद बोलते हुए उज़मा खान ने कहा कि इमरान जेल प्रशासन से जुड़े कुछ मुद्दों को लेकर नाराज़ थे, हालाँकि उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि उनका 'मनोबल अभी भी ऊँचा है। उज़मा की यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब पीटीआई ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय और अदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन किया था और इमरान खान के मुलाकात के अधिकार पर लगाए गए गैरकानूनी प्रतिबंधों की निंदा की थी। पार्टी और परिवार ने बार-बार शिकायत की थी कि सप्ताह में दो बार मुलाकात की अनुमति देने वाले अदालती आदेश के बावजूद, कई हफ़्तों से मुलाकात की अनुमति नहीं दी गई थी।

उपायुक्त की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा कोषांग की समीक्षा बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा कोषांग की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की प्रगति, लंबित मामलों के निपटारे, लाभुकों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने तथा सेवा वितरण की गुणवत्ता में सुधार से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा की गई।

बैठक में उपायुक्त को वर्तमान में संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना (एनएफबीएस) ,झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन व अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत लाभुकों को दिए जा रहे लाभ की जानकारी दी गई। इस संबंध में उपायुक्त ने नियमित रूप से लाभुकों को पेंशन के लाभ से आच्छादित करने तथा बचे हुए लाभुकों के आधार एवं डीएलसी का कार्य 15 दिसंबर तक शत प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया।

पेंशन योजनाओं से वंचित पात्र लाभुकों की पहचान शीघ्र सुनिश्चित करने, लंबित पेंशन स्वीकृतियों एवं आधार-खाता सीडिंग से जुड़े मामलों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि दिव्यांगजन, वृद्धजन एवं निराश्रितों हेतु योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में कोई लापरवाही न हो। बैठक में प्रभारी पदाधिकारी सामाजिक सुरक्षा कोषांग सह उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त एवं पुलिस कप्तान ने उग्रवादियों के पुनर्वास एवं प्रत्यर्पण नीति के तहत समीक्षा बैठक की

लातेहार: उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उग्रवादियों के प्रत्यार्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत देय विभिन्न सुविधा की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य रूप से आत्मसमर्पित नक्सलियों को समाज की मुख्य धारा में जोड़े जाने के उद्देश्य से सुरक्षा एवं पुनर्वास के लिए तथा परिवारों के सदस्य को आर्थिक सहायता प्रदान करने, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, एवं दैनिक मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराये जाने के संबंध में चर्चा किया गया। संबंधित कार्यों के क्रियान्वयन व निराकरण के संबंध में विभागीय अधिकारियों द्वारा विस्तृत समीक्षा किया गया। बैठक में समिति के द्वारा प्रत्यार्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत 02 आत्म समर्पण करने वाले उग्रवादियों को पुनर्वास पेकेज प्रदान करने का अनुशंसा किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, मंडल कारा अधीक्षक, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा व संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिले में निजी अस्पतालों को नियम एवं पारदर्शी ढंग से चलना पड़ेगा नहीं तो होगी करवाई: उप विकास आयुक्त

लातेहार : उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद की अध्यक्षता में पीसीपीएनडीटी एवं सीईए (क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित सभी निजी अस्पतालों को नियमानुसार एवं पारदर्शी ढंग से कार्य करने का निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि पीसीपीएनडीटी अधिनियम एवं क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। सभी निजी अस्पताल संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया तथा उन्हें अपने संस्थानों में सेवा गुणवत्ता, पंजीकरण, रिपोर्टिंग एवं दस्तावेजों के अद्यतन रखने का निर्देश दिया गया। साथ ही उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि यदि किसी भी अस्पताल में नियमों के विपरीत कार्य होते हुए पाया गया, तो संबंधित संस्थान के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

छात्र अधिकार यात्रा को विधायक जयराम महतो ने कराया रवाना

बिभा संवाददाता

बोकारो : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा द्वारा खतियान व छात्रों की मांगो को लेकर आज से आंदोलन शुरू कर दिया है।

'छात्र अधिकार यात्रा' को विधायक जयराम कुमार महतो ने डुमरी (बोकारो) से रवाना किया। यह पदयात्रा 09 दिसंबर को रांची पहुंचकर विधानसभा के समक्ष प्रदर्शन करेंगें।

संगठ केंद्रीय अध्यक्ष जयराम कुमार महतो द्वारा चिरैया मोड़ में विनोद बिहारी महतो जी के प्रतिमा माल्यार्पण के साथ पदयात्रा को आरंभ किया। एवं पदयात्रा को सुरक्षित सुचारू सफल बनाने हेतु आवश्यक हिदायत भी दिया। एवं सर्वदलिय बैठक में शामिल होने हेतु राजधानी रांची को रवाना हुए। संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो ने कहा की आज प्रथम दिन हमलोग कुल 45

किलोमीटर के पदयात्रा को तय करते हुए हजारीबाग जिला प्रवेश किया है। यह पदयात्रा चिरैया मोड़, बगोदर, हरिहर धाम,चलानिया होते हुए बिशुनगढ़ हजारीबाग तक पहुंचे हैं। खतियान और छात्रों की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा।

पदयात्रा के दौरान देवेंद्र नाथ महतो, मोतीलाल महतो, मनोज यादव, पूजा महतो, दिपक रवानी,बिहारी महतो, महेंद्र प्रसाद मंडल, लीलावती देवी, दिनेश साहू आदि संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बढ़ती ठंड के बीच जिला प्रशासन सक्रिय, जिले में आवश्यक स्थानों में अलाव की व्यापक व्यवस्था

रांची : लगातार गिरते तापमान को देखते हुए राँची जिला प्रशासन द्वारा आम जनता की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए जिले में व्यापक स्तर पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, राँची श्री मंजूनाथ भजन्त्री के निदेर्शानुसार जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त अलाव की व्यवस्था की गई है। जिले के सभी प्रखंडों के पंचायत भवनों, प्रमुख हाट-बाजारों और जरूरतमंद आबादी वाले स्थानों पर भी अलाव की व्यवस्था सुचारू रूप से की जा रही है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, राँची श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा प्रत्येक प्रखंड में आवश्यक स्थानों पर अलाव निरंतर जलते रहें, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को पूर्व से ही सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व रेलवे के अंतर्गत हावड़ा मंडल के खाना जंक्शन पर नॉन-इंटर लॉकिंग कार्य के लिए ट्रेनों का नियमन

आसनसोल: नॉन-इंटर लॉकिंग और लैडर शिफ्टिंग के कार्य के उद्देश्य से खाना जंक्शन स्टेशन पर काम किया जाएगा। प्री-नॉन-इंटर लॉकिंग का कार्य 01/02.12.2025 से 04/05.12.2025 (4 दिन) तक और उसके बाद इंटर लॉकिंग कार्य 05/06.12.2025 से 07/08.12.2025 (3 दिन) तक, कुल 48 घंटे तक किया जायेगा। इन कार्यों के निष्पादन से हावड़ा मंडल में ट्रेन परिचालन सेवा प्रभावित होगा। 63519 बर्द्धमान - बोकारो स्टील सिटी मेमू की यात्रा 06.12.2025 और 07.12.2025 को बर्द्धमान जंक्शन के बजाय आसनसोल जंक्शन से शुरू होगी और बोकारो स्टील सिटी तक चलेगी। 63520 बोकारो स्टील सिटी - बर्द्धमान मेमू की यात्रा 06.12.2025 और 07.12.2025 को बर्द्धमान जंक्शन के बजाय आसनसोल जंक्शन पर ही समाप्त कर दी जाएगी। 63509 बर्द्धमान- झाझा मेमू की यात्रा 06.12.2025 और 07.12.2025 को बर्द्धमान जंक्शन के बजाय आसनसोल जंक्शन से शुरू होगी और झाझा तक चलेगी। 63510 झाझा-बर्द्धमान मेमू 06.12.2025 और 07.12.2025 को बर्द्धमान जंक्शन के बजाय आसनसोल जंक्शन पर समाप्त होगी। 63505 बर्द्धमान-आसनसोल मेमू 05.12.2025, 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 63507 बर्द्धमान-आसनसोल मेमू 05.12.2025, 06.12.2025 और 07.12 को रद्द रहेगी। 63511 बर्द्धमान-आसनसोल मेमू 06.12.2025 को रद्द रहेगी. 63513 बर्द्धमान-आसनसोल मेमू 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 63549 बर्द्धमान-आसनसोल मेमू 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी

63517 बर्द्धमान-आसनसोल मेमू 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 63523 बर्द्धमान-आसनसोल मेमू 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 63506 आसनसोल - बर्धमान मेमू 05.12.2025, 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 63508 आसनसोल - बर्धमान मेमू 05.12.2025, 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 63512 आसनसोल - बर्धमान मेमू 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 63516 आसनसोल - बर्धमान मेमू 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 63522 आसनसोल - बर्धमान मेमू 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 63526 आसनसोल - बर्धमान मेमू 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 63524 आसनसोल - बर्धमान मेमू 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 63550 अंडाल - बर्धमान मेमू 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 63552 आसनसोल - अंडाल मेमू 06.12.2025 और 07.12.2025 को रद्द रहेगी। 22321 हावड़ा-सिउड़ी हुल एक्सप्रेस 06.12.25 और 07.12.25 को रद्द रहेगी। 12383 सियालदह-आसनसोल इंटरसिटी एक्सप्रेस 06.12.25 को रद्द रहेगी। 13179 सियालदह-सिउड़ी मेमू एक्सप्रेस 05.12.25 और 06.12.25 को रद्द रहेगी। 22322 सिउड़ी-हावड़ा हुल एक्सप्रेस 06.12.25 और 07.12.25 को रद्द रहेगी। 12384 आसनसोल-सियालदह इंटरसिटी एक्सप्रेस 06.12.25 को रद्द रहेगी। 13180 सिउड़ी-सियालदह मेमू एक्सप्रेस 06.12.25 और 07.12.25 को रद्द रहेगी। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार करें। यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए अत्यंत खेद है।

यात्री सुविधा के मद्देनजर अजमेर-रांची-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल के परिचालन का विस्तार

धनबाद: यात्रियों की सुविधा एवं उनके सुगम आवागमन हेतु गाड़ी संख्या 09619/09620 अजमेर-रांची-अजमेर स्पेशल ट्रेन के परिचालन का विस्तार 05.12.25 से 28.12.25 तक किया जाएगा। उपरोक्त स्पेशल ट्रेनों का समय और ठहराव वर्तमान में चल रही गाड़ी संख्या 09619/09620 अजमेर-रांची-अजमेर स्पेशल के मौजूदा समय और ठहराव के समान होगा।

खड़गपुर मंडल में स्वच्छता अभियान जारी

खड़गपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल में स्वच्छता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (ओबीएचएस) स्टाफ तथा पेंट्री कार कर्मचारियों के साथ जागरूकता अभियान लगातार जारी है। यह जागरूकता अभियान ट्रेन संख्या 22851, 22829, 20828 सहित कई लंबी दूरी की ट्रेनों में संचालित किया गया। वाणिज्य विभाग के अधिकारियों ने संवाद कार्यक्रम के दौरान स्पष्ट किया कि सभी प्रकार का कचरा निर्धारित स्टेशनों पर उपलब्ध डस्टबिन में ही डाला जाए। उन्होंने कहा कि सही कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण से ट्रेन कोचों में स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिलेगी तथा यात्रियों को स्वच्छ वातावरण मिलेगा। अधिकारियों ने यह भी दोहराया कि ट्रेन से निकलने वाला कचरा किसी भी स्थिति में यार्ड, पटरियों या गैर-निर्धारित स्थानों पर नहीं फेंका जाए। गलत तरीके से कचरा फैलाने से न केवल स्वच्छता मानक प्रभावित होते हैं बल्कि इससे पर्यावरण और सुरक्षा संबंधी खतरे भी उत्पन्न होते हैं। मंडल प्रशासन ने कहा कि यह अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा ताकि कर्मचारियों में स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़े और स्वच्छ रेलझ्रस्वच्छ भारत के लक्ष्य को साकार किया जा सके।

आरयू में इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल 2025-26 कार्यक्रम आगामी 18 से शुरू

बिभा संवाददाता

रांची। रांची यूनिवर्सिटी (आरयू) रांची की ओर से इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल 2025झ्र26 कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा कर दी गई है। यह कार्यक्रम आगामी 18 से शुरू होकर 20 दिसंबर 2025 तक चलेगी। यह निर्णय गुरुवार को कल्चरल कोर कमेटी, इवेंट कोऑर्डिनेटर्स और टेक्निकल सपोर्ट कमेटी की आयोजित संयुक्त बैठक में ली गई। बैठक में खास तौर पर कार्यक्रम की रूपरेखा, आयोजन व्यवस्था और बजट पर विस्तृत चर्चा की गई। सर्वसम्मति से

बजट को अंतिम रूप भी दिया गया। संकायाध्यक्ष सह कल्चरल कोर कमेटी के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सुदेश कुमार साहू की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में निर्णय लिया गया कि फेस्टिवल 18, 19 और 20 दिसंबर 2025 को तीन दिनों तक आयोजित होगा। प्रत्येक दिन अलग-अलग सांस्कृतिक, साहित्यिक, नाट्य, संगीत एवं ललित कला से जुड़े कार्यक्रम होंगे। रांची यूनिवर्सिटी के सभी कॉलेज और विभागों के विद्यार्थी इसमें भाग लेंगे। फेस्टिवल का उद्घाटन कुलपति द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। बैठक में टेक्निकल सपोर्ट कमेटी की ओर से सुमन कुमार महतो, फरहान अंसारी, शमीम अंसारी और अनिल ने आयोजन की तकनीकी तैयारियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने फेस्टिवल को सफल व भव्य बनाने का संकल्प जताया।

बैठक में मुख्य रूप से डॉ. मनोज कुमार, डॉ. दिलीप प्रसाद, डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, डॉ. सैमसुन निहार, डॉ. स्मृति सिंह, डॉ. किशोर सुरिन, डॉ. पूनम धान, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. मधुलिका वर्मा, विपुल नायक, डॉ. समीरा सिन्हा, करम सिंह मुंडा, सुजीत कुमार शर्मा, डॉ. नियति कल्प, डॉ. शिप्रा सहित सभी कोऑर्डिनेटर मौजूद थे।

प्रधान मुख्य परिचालन प्रबन्धक एवं प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक ने सीमेंट निर्माता कंपनी के साथ की बैठक

हाजीपुर : बल्क सीमेंट हैंडलिंग टर्मिनल के विकास के संबंध में आज दिनाँक 04.12.2025 को पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में सीमेंट निमार्ता कंपनी के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान, रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 18-11-2025 के फ्रेट मार्केटिंग परिपत्र संख्या 25/2025 के तहत बल्क सीमेंट हैंडलिंग टर्मिनलों के विकास और विशेष टैंक कंटेनर वैगन में बल्क सीमेंट के परिवहन के संबंध में जारी की गई हालिया नीति पर चर्चा की गई।

भविष्य में बल्क सीमेंट की खपत बढ़ेगी। बल्क सीमेंट परिवहन को बढ़ावा देने के लिए विशेष वैगन के माध्यम से एवं माल भाड़े में प्रोत्साहन द्वारा परिवहन को लागत प्रभावी बनाया जाएगा इससे सीमेंट की गुणवत्ता में सुधार होगा और इससे स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा मिलेगा

पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय में आयोजित आज की इस बैठक में श्री प्रभात कुमार , प्रधान मुख्य परिचालन प्रबन्धक, श्रीमती इंदु दुबे , प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

अंब्रेला वर्क के तहत बाकी रूट पर कवच के प्रावधान को मिली मंजूरी

हाजीपुर: केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा आज भारतीय रेल के शेष रूट पर कवच के प्रावधान की मंजूरी प्रदान की गयी। अम्ब्रेला वर्क 2024-25 के तहत वर्क्स, मशीनरी एवं रॉलिंग स्टॉक प्रोग्राम 2024-25 के अंतर्गत भारतीय रेलवे के बाकी रूट पर कवच के प्रावधान को मंजूरी प्रदान की गयी। अम्ब्रेला वर्क की लागत 27,693 करोड़ रुपये है। इसके तहत पूर्व मध्य रेल के लिए 1,822 करोड़ रुपये की लागत से एक सब-अम्ब्रेला वर्क को मंजूरी दी गई। सब-अम्ब्रेला के तहत पूर्व मध्य रेल के बाकी रूट्स पर कवच के प्रावधान (2200 रूट किलोमीटर) का प्रस्ताव किया गया जिसपर 960.66 करोड़ रूपए की लागत आएगी।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं.-झाझा के मध्य तीसरी और चौथी रेल लाईन का होगा निर्माण

हाजीपुर: रेल यात्रा सुगम हो साथ ही मालगाड़ी की आवाजाही भी सुगमतापूर्वक किया जा सके इसके लिए पूर्व मध्य रेल द्वारा रेल आधारभूत संरचना में वृद्धि का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं.-झाझा के मध्य तीसरी और चौथी लाईन का निर्माण किया जाएगा। इससे औद्योगिकीकरण में तेजी आएगी साथ ही पूर्व मध्य रेल का यह कदम विकसित बिहार के सपनों को भी साकार करेगा।

इसी कड़ी में 17 हजार करोड़ रूपए की लागत से पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं.-झाझा के मध्य लगभग 400 किलोमीटर लंबी तीसरी और चौथी रेल लाईन का निर्माण किया जाएगा। तीसरी और चौथी रेल लाईन के निर्माण कार्य की प्रक्रिया अगले कुछ ही महीनों में चरणबद्ध तरीके से प्रारंभ हो जाएगी। इस पूरी परियोजना को कई हिस्सों में बांटा गया है तथा रेलवे बोर्ड द्वारा चरणबद्ध तरीके से इसकी स्वीकृति प्रदान की जा रही है। निर्माण कार्य सुगमतापूर्वक तेजी से पूरा करने के लिए इसे पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं.-दानापुर, दानापुर-फतुहा, फतुहा-बख्तियारपुर, बख्तियारपुर-पुनारख, पुनारख-किऊल तथा किऊल-झाझा जैसे छोटे-छोटे रेलखंडों में बांटा गया है।

इसके तहत प्रथम चरण में लगभग 931 करोड़ रूपए की लागत से 6.6 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण सहित बख्तियारपुर से फतुहा (24 किमी) तथा लगभग 392 करोड़ रूपए की लागत से 01 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण सहित बख्तियारपुर से पुनारख (30 किमी) की स्वीकृति रेलवे बोर्ड द्वारा प्रदान कर दी गयी है जिसमें बख्तियारपुर-पुनारख निविदा प्रक्रिया शीघ्र ही पूरी कर ली जाएगी जिसके बाद भूमि अधिग्रहण एवं निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। पुनारख से किऊल लगभग 2514 करोड़ की अनुमानित लागत तथा लगभग 903 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत से किऊल-झाझा रेलखंड की स्वीकृति की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। शेष रेलखंडों की स्वीकृति विभिन्न स्तर पर प्रक्रियाधीन है।

इस तीसरी और चौथी लाईन के निर्माण में पटना के इर्द-गिर्द जमीन की कमी के मद्देनजर दानापुर से पटना के मध्य 02 स्टेबलिंग लाइनों को हटाकर इसकी जगह तीसरी और चौथी लाईन का निर्माण किया जाएगा। इसी तरह पटना एवं पटना सिटी के मध्य जगह की कमी के कारण अप एवं डाउन दिशा के लिए एक अतिरिक्त लाइन का निर्माण संभव हो सकेगा जिसे रिवर्सेबल तरीके से उपयोग किया जाएगा।

सरकार ने एससीएल मोहाली के आधुनिकीकरण के लिए 4,500 करोड़ रुपये देने की प्रतिबद्धता जताई, निजीकरण न करने का आश्वासन दिया

नई दिल्ली : केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री रवीनीत सिंह ने आज मोहाली के सेमीकंडक्टर लैबोरेटरी (एससीएल) का दौरा किया ताकि कार्य प्रगति एवं चल रही आधुनिकीकरण गतिविधियों की समीक्षा की जा सके।

यात्रा के दौरान, अश्विनी वैष्णव ने घोषणा किया कि भारत सरकार एससीएल के उन्नयन एवं विस्तार के लिए 4,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। मंत्री ने आश्वासन दिया, ₹इसमें कोई संदेह नहीं है कि एससीएल मोहाली का आधुनिकीकरण होगा और इसका निजीकरण नहीं किया जाएगा। आगे एक लंबी यात्रा है और भारत इसके लिए तैयार है।₹ मंत्री एससीएल मोहाली में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां 17 शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों द्वारा डिजाइन की गई 28 चिप्स सौंपी गईं। इन चिप्स को चिप्स टू स्टार्ट-अप (सी2एस) कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को प्रदान किए गए इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) टूल्स का उपयोग करके डिजाइन किया गया है। इसके साथ ही, इस कार्यक्रम के अंतर्गत एससीएल में छात्रों द्वारा डिजाइन की गई कुल 56 चिप्स का निर्माण किया गया है।

मंत्री ने सेमिकंडक्टर प्रोसेस गैलरी और अभ्युत्थान प्रशिक्षण ब्लॉक का भी उद्घाटन किया। सेमिकंडक्टर प्रोसेस गैलरी में पुरानी पीढ़ी के बनावट उपकरणों से युक्त एक क्लीन रूम लैब प्रदर्शित की गई है। यह छात्रों को एक सेमिकंडक्टर फैब और एटीएमपी सुविधा का वास्तविक अनुभव प्रदान करती है। अभ्युत्थान प्रशिक्षण ब्लॉक में ऑनलाइन और ऑफलाइन सेमिकंडक्टर प्रशिक्षण मॉड्यूल और व्यावहारिक फायर एवं सुरक्षा प्रशिक्षण शामिल हैं।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एससीएल मोहाली के लिए एक स्पष्ट कार्य योजना तैयार किया है और उन्होंने प्रमुख दृष्टि क्षेत्रों को रेखांकित किया है।

एससीएल को आधुनिक तकनीक से अपग्रेड किया जाएगा और सरकार 4,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसमें उत्पादन क्षमता में व्यापक वृद्धि शामिल होगी, जिसका लक्ष्य मौजूदा स्तर से 100 गुना ज्यादा वेफर्स का उत्पादन करना है।

एससीएल मोहाली छात्रों, शोधकताओं एवं स्टार्ट-अप्स को निर्माण सुविधाएं प्रदान करके समर्थन देना जारी रखेगा, जिससे उनके चिप डिजाइन को वास्तविक सिलिकॉन में परिवर्तित करेगी।

भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है जहां लगभग 300 विश्वविद्यालयों के छात्र सरकारी सहायता से उपलब्ध कराए गए विश्व स्तरीय ईडीए उपकरणों का उपयोग करके सेमीकंडक्टर चिप्स डिजाइन कर रहे हैं। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह पारिस्थितिकी तंत्र विश्व में अद्वितीय है।

उन्होंने बल देते हुए कहा कि एससीएल प्रतिभा विकास, नवाचार और स्टार्टअप्स के लिए एक मंच बना रहेगा। अब तक एससीएल द्वारा प्रदान किया गया यह निर्माण समर्थन भविष्य में और बढ़ेगा।

भविष्य में एससीएल के आधुनिकीकरण कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए, भारत सरकार ने पंजाब सरकार से 25 एकड़ भूमि आवंटित करने का आग्रह किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रणनीतिक क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता आवश्यक है और भारत स्वदेशी चिप विकास के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनेगा। सी-डैक, डीआरडीओ एवं अन्य संगठनों का एक मजबूत संघ स्वदेशी चिप के डिजाइन, उत्पाद विकास एवं विनिर्माण में संयुक्त रूप से काम करेगा।

उपायुक्त ने दक्षता परीक्षा का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत संचालित सरकारी उच्च विद्यालयों में कक्षा 09-10 के विद्यार्थियों को अध्ययन में सहयोग करने के निमित्त घंटीवार अतिरिक्त कक्षा/ट्यूशन के लिए विभिन्न विषयों के कुल 190 घंटी आधारित डीएमएफटी अनुशिक्षक बहाली हेतु चाईबासा के टाटा कॉलेज परिसर स्थित बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित दक्षता परीक्षा का जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री चंदन कुमार के द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपायुक्त के द्वारा परीक्षा आयोजन हेतु संधारित व्यवस्था का अवलोकन करते हुए उपस्थित अभ्यर्थियों को परीक्षा संचालन के नियमों से अवगत करवाया गया। उन्होंने अभ्यर्थियों को बताया कि सभी अभ्यर्थी अपने-अपने ओएमआर शीट पर मांगी जा रही जानकारियों को सही एवं स्पष्ट रूप से अंकित करेंगे और उपस्थिती शीट में अपना हस्ताक्षर भी सुनिश्चित करेंगे। सभी नियमों से अवगत करवाने के उपरांत

उपायुक्त के द्वारा उपस्थित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं भी प्रेषित किया गया। टाटा कॉलेज परिसर स्थित बहुउद्देशीय सभागार में विषय वार दो पालियों में आयोजित दक्षता परीक्षा में 895 अभ्यर्थी के द्वारा भाग लिया गया। परीक्षा में शामिल होने के लिए विषय वार अभ्यर्थियों को आज परीक्षा दिवस के दिन समाहरणालय परिसर में एडमिट कार्ड वितरित किया गया। दक्षता परीक्षा संचालन के समय सहायक समाहर्ता श्री सिद्धांत कुमार, नजारत उप समाहर्ता श्री देवेंद्र कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी-खुंटपानी श्री धनंजय पाठक, कार्यपालक दंडाधिकारी श्री कुमार हर्ष, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार व प्रतिनियुक्त पदाधिकारी/कर्मी व अन्य उपस्थित रहे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com